MPHIN 36951

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए • वर्ष 02, अंक 15 मासिक पत्रिका • सितंबर 2022

जबलपुर में बिशप के घर ईओडब्ल्यू की छापेमारी

1.65 करोड़ बरामद

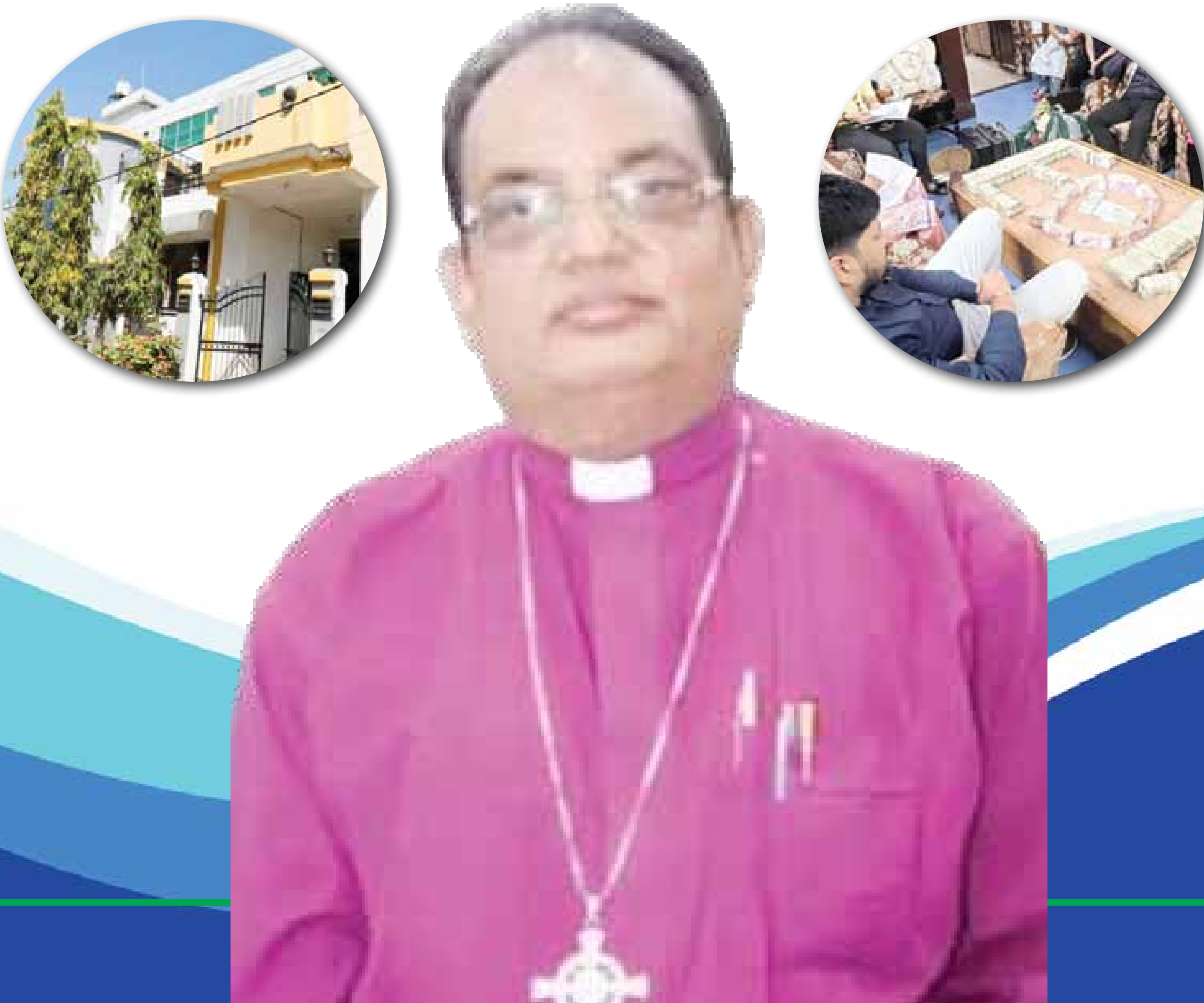

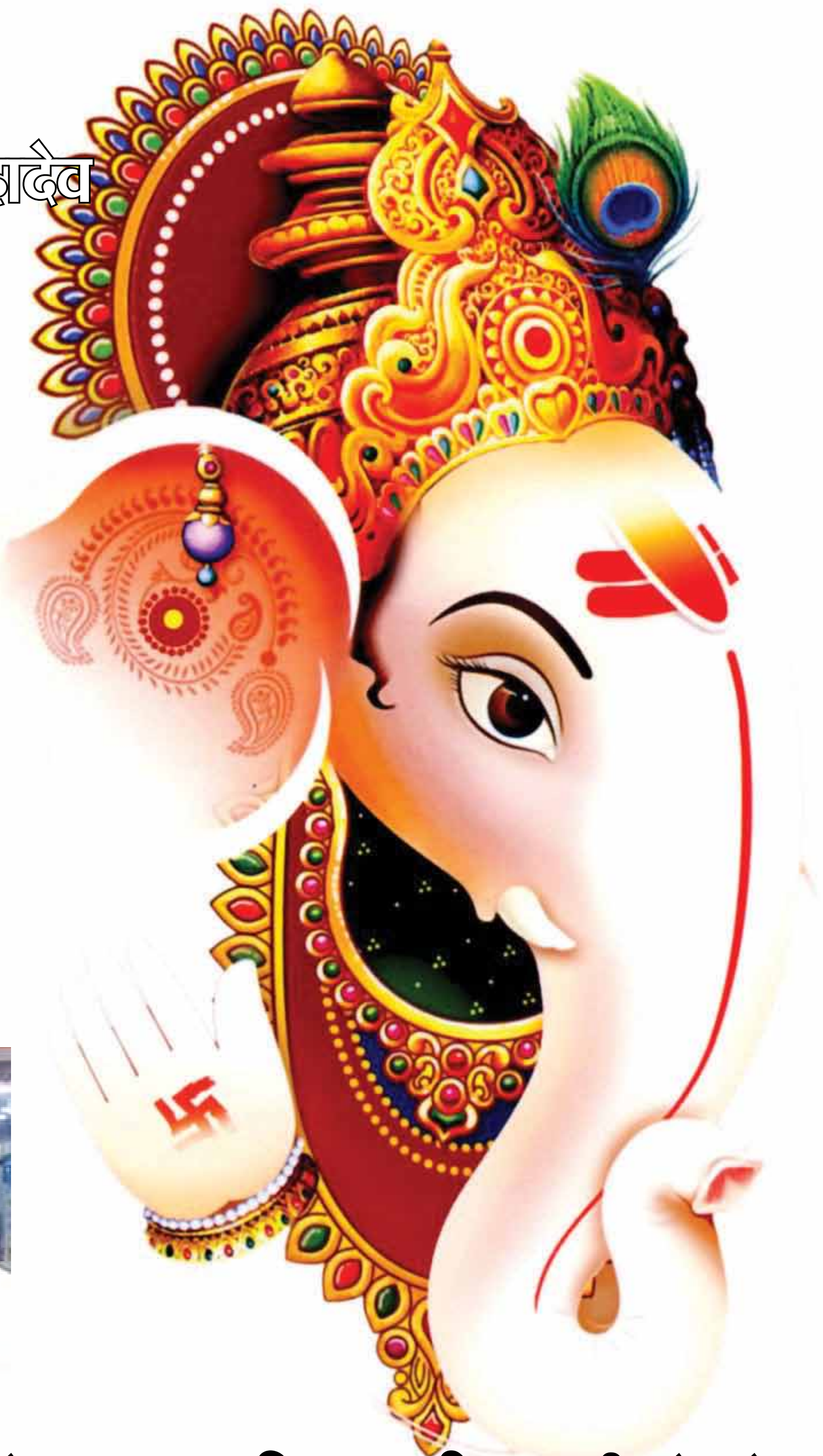

हमारा देश हमारा अभिमान परिवार की ओर से समस्त पाठकों एवं शुभचिंतकों को गणेश उत्सव की

बहुत-बहुत शुभकामनाएं...

हमारा देश
हमारा अभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल
• अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
• श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
• श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी श्री धूमेस्वर धाम
• श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक, श्री नागेंद्र नाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल
• श्री लोकेश चतुर्वेदी • श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय • श्री अरविंद जैन
• श्री पी.के. शर्मा, • श्री एस.डी. धाकड़, • श्री अरुण कांत शर्मा,
• श्री महेश पुरोहित • श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट, • श्री मनोज भारद्वाज, श्री अनिल जैन, श्री निर्मल वासवानी • श्री विद्याभूषण शर्मा • श्रीमती अर्चना बाजपेयी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी
पंकज दीक्षित : प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
• रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार
एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
एडवोकेट श्याम पाठक ग्वालियर हाई कोर्ट

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन- साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

सलाहकार
• डॉ. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
• डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, • डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
• अनिल दुबे • विकास चतुर्वेदी • सुरेश शर्मा
• नारायणदास गुप्ता, • पीयूष श्रीवास्तव,
• पंडित चंद्रशेखर शास्त्री, बृज मोहन आर्य, विवेक शर्मा

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल • संजू

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय 02
शुभाशीष 03
कवर स्टोरी 04-05
कवर स्टोरी 06
इंदौर 07
भारत जोड़ो यात्रा 08-09
विदेश 10
देश 11
राजस्थान 13
राजधानी 14
इंदौर 15
प्रदेश 16
इंदौर 17
देश 18
प्रदेश 19
इंदौर 20-21
देश 26
प्रदेश 27
विदेश 28-29
प्रदेश 30-31
देश 34
विदेश 35
स्वास्थ्य 38-39
महिला 40-41
मौसम 42
धर्म 44-45
ग्लैमर 46,47,48

संपादकीय

बिना विरोध के ज्ञान नहीं आता और बिना ज्ञान के मुक्ति नहीं...

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार गणेशजी को केतु के रुप में जाना जाता है। केतु एक छाया ग्रह है, जो राहु नामक छाया ग्रह से हमेशा विरोध में रहता है, बिना विरोध के ज्ञान नहीं आता है और बिना ज्ञान के मुक्ति नहीं है। गणेशजी को मानने वालों का मुख्य प्रयोजन उनको सर्वत्र देखना है, गणेश अगर साधन है तो संसार के प्रत्येक कण में वह विद्यमान है। उदाहरण के लिये तो जो साधन है वही गणेश है, जीवन को चलाने के लिये अनाज की आवश्यकता होती है, जीवन को चलाने का साधन अनाज है, तो अनाज गणेश है। अनाज को पैदा करने के लिये किसान की आवश्यकता होती है, तो किसान गणेश है। किसान को अनाज बोने और निकालने के लिये बैलों की आवश्यक्ता होती है तो बैल भी गणेश है। अनाज बोने के लिये खेत की आवश्यक्ता होती है, तो खेत गणेश है। अनाज को रखने के लिये भण्डारण स्थान की आवश्यक्ता होती है तो भण्डारण का स्थान भी गणेश है। अनाज के घर में आने के बाद उसे पीस कर चक्की की आवश्यक्ता होती है तो चक्की भी गणेश है। चक्की से निकालकर रोटी बनाने के लिये तवे, चीमटे और रोटी बनाने वाले की आवश्यक्ता होती है, तो यह सभी गणेश है। खाने के लिये हाथों की आवश्यक्ता होती है, तो हाथ भी गणेश है। मुँह में खाने के लिये दाँतों की आवश्यक्ता होती है, तो दाँत भी गणेश है। कहने के लिये जो भी साधन जीवन में प्रयोग किये जाते वे सभी गणेश है, अकेले शंकर पार्वते के पुत्र और देवता ही नही।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

मातृशक्ति... आदिकाल से ही बेहद पूजनीय माना जाता रहा है...

जिस गौरवशाली संस्कृति वाले महान भारत में मातृशक्ति को आदिकाल से ही बेहद पूजनीय माना जाता रहा है, आज वहां पर मातृशक्ति के प्रति आये दिन बेहद जघन्य श्रेणी के अपराध घटित होना एक साधारण घटना व बेहद आम बात बनती जा रही है, जो ठीक नहीं है। आज हमारे सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक बात यह है कि हमारे प्यारे देश भारत में वर्ष दर वर्ष महिलाओं के प्रति घटित होने वाले अपराध कम होने की जगह बहुत तेजी के साथ बढ़ते ही जा रहे हैं। जबकि अब तो समाज के अधिकांश व्यक्ति यह बहुत अच्छे से जानते हैं कि सर्वशक्तिमान ईश्वर की पृथ्वी पर सबसे बेहतरीन व खूबसूरत रचना मातृशक्ति के रुप में ही है, जोकि इंसान को जन्म देने की शक्ति भी रखती है और मां, बहन, पत्नी व बेटी जैसे बेहद अनमोल रिश्ते को भी जन्म देती है। हालांकि आज देश के कुछ बेहद व्यवसायिक लोगों के द्वारा अपने हितों को साधने के चक्कर में स्त्री को बाजारवाद के इस दौर में एक वस्तु मात्र बनाकर रखने का बेहद शर्मनाक मानसिक दिवालियेपन का गंदा खेल चल रहा है, जिसको हमें समय रहते रोकना होगा। वहीं देश में आज आधी अधूरी पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण के चलते व कुछ लोगों की बेहद ओछी सोच ने महिलाओं को उपभोग का एक खिलौना मात्र बनाने का दुस्साहस किया है, जिससे प्रभावित होकर कुछ लोग उनके मान सम्मान से आये दिन खिलवाड़ करने का निंदनीय और अक्षम्य अपराध करने का प्रयास करते हैं, जोकि हमारे सभ्य समाज के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

जबलपुर में बिशप के घर ईओडब्ल्यू की छापेमारी

1.65 करोड़ बरामद

फादर हीरा नवल मसीह की शिकायत पर जब ईओडब्ल्यू से कार्रवाई की तब चेयरमैन के खिलाफ ट्रस्ट की संस्थाओं का दुरूपयोग, नाम परिवर्तित कर नई संस्थाओं का निर्माण, नई संस्थाओं के नाम से अवैधानिक कार्य, स्कूली संस्थाओं की फीस में गड़बड़ी, निजी कार्यों में ट्रस्ट के पैसों का दुरूपयोग करने जैसे कागज सामने आए हैं।

नागपुर एयरपोर्ट से पकड़ा गया बिशप पीसी सिंह

ईओडब्ल्यू की छापेमारी के बाद से बिशप पीसी सिंह फरार था, जिसके बाद आज टीम ने बिशप पीसी सिंह को नागपुर एयरपोर्ट से पकड़ा है। मध्यप्रदेश। जबलपुर में बीते दिनों आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (EOW) की टीम ने द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के चेयरमैन बिशप पीसी सिंह के कई ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की थी, ईओडब्ल्यू की छापेमारी के बाद से बिशप पीसी सिंह फरार था, जिसके बाद आज टीम ने बिशप पीसी सिंह को नागपुर एयरपोर्ट से पकड़ा है। बता दें, जबलपुर में ईओडब्ल्यू की दबिश के बाद से गायब बिशप पीसी सिंह को नागपुर एयरपोर्ट से पकड़ लिया गया है। ईओडब्ल्यू की टीम ने बिशप को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कर रही है। जल्द ही उसे जबलपुर लाया जाएगा। पिछले सप्ताह EOW ने जबलपुर में बिशप पीसी सिंह के घर छापा मारा था। इस दौरान द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च आफ नार्थ इंडिया जबलपुर डायोसिक के पीसी सिंह के ठिकानों से एक करोड 65 लाख रूपये नगद तथा 18 हजार रूपये के डालर मिले थे। इसके अलावा धार्मिक संस्थाओं, सम्पत्ति सहित सोसायटी से संबंधित दस्तावेज मिले। इधर ईओडब्ल्यू की छापेमारी के बाद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने बड़ा बयान देते हुए कहा था कि, इस पूरे छापामारी में प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर राज्य शासन ने तय किया है कि जो धन प्राप्त हुआ है, उसका उपयोग कहीं इस चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के माध्यम से धर्मांतरण व अन्य गैरकानूनी कामों में तो नहीं किया जा रहा था, इसकी जांच EOW करेगा। जिला प्रशासन की अपनी भूमिका होगी। भूमि लीज पर लेने की शर्तें निर्धारित हैं। जमीन शैक्षणिक उद्देश्य, चिकित्सा संबंधित काम या धार्मिक स्थलों के लिए दी जाती है। मेरे पास प्रदेशभर से ऐसी कई शिकायतें आ रही है कि जिस उद्देश्य के लिए जमीन आवंटित की गई थी, उसके बजाय कई स्थानों पर इसका व्यावसायिक या अन्य उपयोग हो रहा है।

ईओडब्ल्यू ने जबलपुर स्थित बोर्ड ऑफ एज्युकेशन चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के बिशप चेयरमैन के निवास पर छापा मारा। ईओडब्ल्यू को एक शिकायती प्रकरण के अंतर्गत ट्रस्ट के कार्यों में धांधली की शिकायत विनटेबल फादर हीरा नवल मसीह नागपुर के द्वारा की गई थी। फादर हीरा नवल मसीह की शिकायत पर जब ईओडब्ल्यू से कार्रवाई की तब चेयरमैन के खिलाफ ट्रस्ट की संस्थाओं का दुरूपयोग, नाम परिवर्तित कर नई संस्थाओं का निर्माण, नई संस्थाओं के नाम से अवैधानिक कार्य, स्कूली संस्थाओं की फीस में गड़बड़ी, निजी कार्यों में ट्रस्ट के पैसों का दुरूपयोग करने जैसे कागज सामने आए हैं।

इसके अतिरिक्त ट्रस्ट संस्थाओं की लीज रिनुअल में धोखाधड़ी, उनका 07 करोड़ से अधिक का टैक्स न चुकाया जाने जैसे प्रकरण सामने आए हैं। इसके अतिरिक्त छापे में 17 संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज, 48 बैंक खाते, 01 करोड़ 65 लाख से अधिक नगद राशि, 18,352 यूएस डॉलर, 118 पाउंड सहित 8 चार पहिया वाहन बरामद हुए है। बड़े स्तर पर धोखाधड़ी सामने आयी है। अधिकारी ने बताया कि शासन इस पूरे छापेमारी को गंभीरता से ले रही है। हम तीन स्तर पर जाँच करने जा रहे हैं। पहली – इस पूरे छापेमारी में प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त धन का उपयोग धर्मांतरण, अवैधानिक कार्य या गैरकानूनी कार्यों में तो नहीं हो रहा है, इसकी जाँच ईओडब्ल्यू और जिला प्रशासन मिल कर रकेगा।

दूसरी – शासन द्वारा ट्रस्ट की संस्थाओं को जो जमीन लीज पर दी गई है, इनका उपयोग स्कूल, अस्पताल या धर्माथ के कार्यों में न होकर अन्य व्यवसायिक कार्यों में हो रहा है तो इसकी जाँच ईओडब्ल्यू एवं जिला प्रशासन करेगा। तीसरी – कई ऐसी शिकायतें मिली हैं, जिसमें ट्रस्ट की संस्थाओं के लीज संबंधी प्रकरण में धोखाधड़ी कर टैक्स नहीं चुकाया गया है या नाम परिवर्तित कर दुरूपयोग हो रहा है या लीज नवीनीकरण में स्टांप ड्यूटी की धांधली की शिकायत आयी है, इसमें भी ईओडब्ल्यू और जिला प्रशासन जाँच करेगा। इस प्रकरण एवं छापेमारी में जो भी दोषी पाए जाएंगे उन पर नियमानुसार सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिशप के पास 48 बैंक खाते और 7 लग्जरी गाड़ी मिली

बिशप पीसी सिंह के घर एवं कार्यालय में ईओडब्ल्यू की टीम को छापे में अब तक 17 संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा 48 बैंक खाते जो उनके एवं स्वजनों के हैं। नकद एक करोड़ 65 लाख, 14 हजार रुपये तथा डालर और पाउंड में विदेशी मुद्रा बरामद हुई है। बिशप लग्जरी गाड़ियों के भी शौकीन थे। उनके पास जांच टीम को आठ वाहन मिले है। इसमें सात कार और एक बुलेट है।

इधर छापे की कार्रवाई के बाद पीसी सिंह को पद से मुक्त करने के लिए आल सेंट कैथेडरल नागपुर के सीए बीबी चौगुले की तरफ से रि.रेव बीके नायक माडरेटर चर्च आफ नार्थ इंडिया एवं रेव डेनिस लाल जनरल सेक्रेट्री चर्च आफ नार्थ इंडिया को पत्र लिखा है, जिसमें ईओडब्ल्यू की छापेमारी का जिक्र करते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। ज्ञात हो कि ईओडब्ल्यू ने यह कार्रवाई बिशप द्वारा पद पर रहते हुए छात्रों की फीस की करीब पौने तीन करोड़ रुपये की राशि का गबन करने के मामले में की गई है।

घर की कीमत पांच करोड़ से अधिक, 2.94 लाख नकदी व जेवर भी मिले

आय से अधिक संपत्ति में EOW द्वारा धनवंतरी नगर निवासी मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर दंपती के घर कार्रवाई के बाद से सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। ये वीडियो प्रोफेसर दंपती के घर की है। इस आलीशान बंगले से संबंधी वीडियो देखकर आप भी प्रोफेसर दंपती की रईसी का ठाठ देखकर भौचक्के रह जाएंगे। प्रोफेसर दंपती के इस बंगले की मौजूदा कीमत ही पांच करोड़ के लगभग बताई जा रही है। धनवंतरी नगर मुख्य रोड पर स्थित 2400 वर्गफीट में बने इस एमआईजी बंगले में आधुनिक सुख-सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया है। बंगले में महंगे टाइल्स और सजावट सामग्री लगाए गए हैं। इससे पहले प्रोफेसर दंपती सीओडी कॉलोनी स्थित घर में रह रहे थे। दो मंजिल वाला ये मकान भी काफी बड़ा और भव्य बना है। पर धनवंतरी नगर में बने इस मकान की भव्यता के आगे वह कहीं नहीं ठहरता। महंगे फर्नीचर से लेकर सब कुछ चुनिंदा है। डॉ. तृप्ति गुप्ता और उनके पति प्रोफेसर अशोक साहू अपने दोनों बच्चों के साथ कुछ दिन पहले ही इस घर में शिफ्ट हुए हैं। हालांकि नया घर रास नहीं आया। आय से अधिक संपत्ति मामले में उनके घर छापा पड़ गया। इस प्लॉट की मौजूदा कीमत ही एक करोड़ से अधिक की बताई जा रही है।

इसके निर्माण और घरेलू सामानों सहित फर्नीचर आदि की कीमत जोड़े तो ये पांच करोड़ के लगभग पहुंच जाएगा।

दाऊद के करीबी रियाज भाटी से सम्बंध का आरोप

बिशप पीसी सिंह के अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम के करीबी रियाज भाटी से सम्बंध हैं। रायपुर के सीनेट और छत्तीसगढ़ के एक्टिविस्ट नितिन लॉसेन्स ने यह आरोप लगाया है। नितिन के मुताबिक पीसी सिंह ने मिशनरी की मुंबई जिमखाना स्थित जमीन का सौदा तीन करोड़ रुपए में रियाज से किया था। मुंबई पुलिस ने रियाज को गिरफ्तार किया, तब यह खुलासा हुआ था। नितिन का यह भी आरोप है कि मुंबई जिमखाना की जमीन के एग्रीमेंट के दस्तावेज भी मिले थे। मुंबई में जॉन विल्सन कॉलेज एंड सोसायटी के पास स्थित जमीन पर चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया ने जिमखाना बनाया था। इस दौरान पीसी सिंह सीनेट मेम्बर थे। बतौर मॉडरेटर पीसी सिंह ने रियाज भाटी से जिमखाने का सौदा किया था। हालांकि, उस वक्त बिशप पीसी सिंह ने एग्रीमेंट को फर्जी बताया था।

शिवराज सिंह चौहान की चेतावनी...

धर्मांतरण व गैरकानूनी गतिविधियां प्रदेश में बर्दाश्त नहीं की जाएगी

मध्य प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा जबलपुर में एक बिशप के निवास एवं कार्यालय पर छापे में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां और धोखाधड़ी सामने आने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धर्मांतरण या गैरकानूनी गतिविधियाँ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मध्य प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा जबलपुर में एक बिशप के निवास एवं कार्यालय पर छापे में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां और धोखाधड़ी सामने आने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धर्मांतरण या गैरकानूनी गतिविधियाँ बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ईओडब्ल्यू अनिमितताओं और गतिविधियों की जांच करेगा। चौहान ने कहा कि अनियमितताओं की शिकायत के आधार पर आठ सितंबर को ईओडब्ल्यू द्वारा जबलपुर स्थित 'बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया' के चेयरमेन एवं बिशप के निवास पर छापा मारा गया।

उन्होंने कहा कि छापे में ट्रस्ट की संस्थाओं की लीज में धोखाधड़ी, कर ना चुकाने जैसे कृत्य और 17 संपत्ति के दस्तावेज, 48 बैंक खाते, 1.65 करोड़ की नकद राशि, 18,342 अमेरिकी डॉलर और 118 पौंड बरामद किए गए। साथ ही आठ वाहन बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा, ''इस छापे में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां और धोखाधड़ी सामने आई है। राज्य प्रशासन इस बात की जाँच कराएगा कि धन का उपयोग कहीं गैर-कानूनी

जबलपुर में एक बिशप के निवास एवं कार्यालय पर छापे में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां और धोखाधड़ी सामने आने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धर्मांतरण या गैरकानूनी गतिविधियाँ बर्दाश्त नहीं की जाएगी

कामों में तो नहीं किया जा रहा था। यह भी देखा जाएगा कि ट्रस्ट के माध्यम से धर्मांतरण और अन्य गैर-कानूनी काम तो नहीं किए जा रहे हैं। इसकी जाँच ईओडब्ल्यू करेगा, जिला प्रशासन अपनी भूमिका निभाएगा।'' मुख्यमंत्री ने बिशप पर जबलपुर में हुई कार्रवाई के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मीडिया को जारी संदेश में शुक्रवार को यह बात कही।

चौहान ने कहा, ''ट्रस्ट की संस्थाओं में धोखाधड़ी, कर नहीं चुकाया जाना या नाम परिवर्तित कर ट्रस्ट के दुरुपयोग, स्टाम्प ड्यूटी या लीज के नवीनीकरण में धांधली की शिकायतें भी आई हैं। इन सारे मामलों को भी ईओडब्ल्यू को सौंपा जा रहा है। जिला प्रशासन भी इसकी जाँच करेगा। धर्मांतरण या अन्य गैर-कानूनी गतिविधियाँ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि शासन द्वारा ट्रस्ट की संस्थाओं को जमीन लीज पर देने की शर्तें निर्धारित होती हैं। जमीन शैक्षणिक उद्देश्य, चिकित्सा संबंधी कार्य, अस्पताल और धर्मस्थल के लिए लीज पर दी जाती है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश से ऐसी शिकायतें आ रही हैं कि जिस उद्देश्य के लिए जमीन आवंटित की गई थी उसके बजाय कई स्थान पर इसका व्यवसायीकरण हो रहा है। इसकी जाँच भी की जाएगी।

यूपी पुलिस ने जारी किया नोटिस

इधर, उत्तर प्रदेश के लखनऊ पुलिस ने नोटिस जारी कर बिशप पीसी सिंह को तलब किया है। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर पीटर बल्देव पर दर्ज मामले में बिशप पीसी सिंह को सह आरोपी बनाया गया था। नोटिस का जवाब नहीं देने पर एकतरफा कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

शहर में परंपरा का रतजगा- झिलमिलाती झांकियां देखने उमड़ा हजारों का हुजूम

दो साल के ब्रेक के बाद फिर अनंत चतुर्दशी की झांकियां निकाली जा रही हैं। जिस तरह स्वच्छता में इंदौर का नाम है, खान-पान में इंदौर का नाम है, इंदौरी रंगपंचमी देशभर में पहचानी जाती है, ठीक उसी तरह इंदौर में अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाली झांकियों का भी अपना ही महत्व है। इस बार छह मिलों की 15 झांकियों के साथ खजराना गणेश मंदिर, आइडीए और नगर निगम की झांकियां लोगों को देखने को मिलेंगी। शुक्रवार रात 29 झांकियां निकलेंगी।

इंदौर में झांकियां निकालने की परंपरा 1924 में मिलों से शुरू हुई। सर सेठ हुकमचंद की हुकमचंद मिल ने सबसे पहली झांकी निकाली थी। कोरोना काल में दो साल झांकियों की परंपरा को ब्रेक लगा था। इसी ब्रेक के बाद इस साल झांकी निकल रही हैं। झांकियों के चलते रोड भी डायवर्ट किए गए हैं। झांकियां-अखाड़े डीआरपी लाइन, दरगाह (श्रम शिविर) से शुरू होकर जेल रोड चौराहा, कृष्णपुरा चौराहा से फुट मार्केट होकर नंदलालपुरा चौराहा, यशवंत रोड चौराहा, नरसिंह बाजार चौराहा, सीतलामाता बाजार, गोराकुंड, राजबाड़ा होकर अपने गंतव्य स्थल पर जाएंगे।

झिलमिलाती झांकियों का कारवां और लोगों की भीड़ का नजारा देखने काबिल रहा। देर रात ड्रोन से लिए गए नजारे में शहर का उत्साह साफ नजर आ रहा था। राजवाड़ा क्षेत्र में भी भीड़ से सराबोर नजर आया। खाने पीने की दुकानों पर, फुटपाथ पर लगी दुकानों पर भी बिक्री खूब हुई। सुरक्षा के लिए झांकी मार्ग पर चार हजार से भी ज्यादा पुलिस जवान तैनात हैं। ड्रोन कैमरे से नजर रखी जा रही थी। फायर ब्रिगेड तथा 10 एम्बुलेंस को भी तैनात किया गया है।

झांकियों के बीच कुछ इलाकों की बिजली भी गुल हो गई। कुछ समय के लिए झांकी मार्ग के कुछ इलाके और घरों में अंधेरा छाया रहा। हालांकि थोड़ी देर बिजली कर्मचारियों ने सुधार कर दिया। रात 10.30 बजे जेल रोड पर भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भजन गाए। उनके साथ विधायक आकाश विजयवर्गीय सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। जैसे जैसे रात गहराती जा रही है, वैसे-वैसे लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। अभी झांकी मार्ग पर हजारों लोग मौजूद हैं। झांकियां भी आकर्षित कर रही हैं। सर्वश्रेष्ठ झांकी व अखाड़े को 26 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाली झांकियों को अनाज मंडी एवं अखाड़ों को चोइथराम मंडी द्वारा पुरस्कार के रूप में राशि दी जाएगी।

झांकियों के साथ चल रहे अखाड़ों में लड़कियों ने भी तलवारबाजी का हुनर दिखाया। इनके करतब देखकर हर कोई दंग रह गया। इस बार 60 से ज्यादा अखाड़े शामिल किए गए हैं। अखाड़ों के खलीफाओं का सम्मान भी किया जा रहा है। राजकुमार मिल की झांकी में बाल गणेश को दिखाया गया है। राजकुमार मिल 87 सालों से झांकी निकाल रही है। राजकुमार मिल सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति की ओर से बताया गया कि तीन झांकी निकल रही हैं। पहली झांकी में कैलाश पर्वत पर शिव के डमरू पर भगवान गणेश को नृत्य करते दिखाया गया है। भगवान गणेश कुछ फीट ऊपर-नीचे होते दिखेंगे। अनंत चतुर्दशी की झांकियों में 6 मिलों ने परंपरा निभाई है। करीब 9 घंटे का उत्सवी उल्लास रहेगा। करीब 13 किलोमीटर लंबे मार्ग पर झांकियां निकलेंगी। इन झांकियों का 200 से ज्यादा मंचों से स्वागत किया जाएगा।

भारत जोड़ो यात्रा...

देश की आत्मा के अन्वेषण के मकसद से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा पर निकले राहुल गांधी...

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भारत को जोड़ने और देश की आत्मा के अन्वेषण के जिस मकसद से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा पर निकले हैं, उसके बीच कपड़ों की घटिया राजनीति समूची यात्रा को लक्ष्य से भटकाएगी। हालांकि इसकी शुरूआत भी भाजपा ने ही राहुल की कथित मंहगी टी शर्ट को लेकर की थी, तो जवाबी हमले में कांग्रेस ने भाजपा की मातृ संस्था आरएसएस का गणवेश रही निक्कर पर ही हमला बोल दिया। हालांकि खुद आरएसएस ने अब उसे पहनना छोड़ दिया है, लेकिन लगता है कि कांग्रेस के मानस में अभी भी उसकी छह साल पुरानी छवि कायम है।

कांग्रेस के अधिकृत ट्विटर हैंडल से जलती हुई खाकी निक्कर की तस्वीर वायरल करना संघ और भाजपा को भड़काने वाला था, वही हुआ भी। कांग्रेस ने कमेंट किया कि संघ देश को जलाने का काम करता रहा है। इसका ठेठ जवाब यह आया कि कांग्रेसियों के बाप-दादा भी संघ को नहीं रोक पाए तो ये क्या रोकेंगे। भाजपा ने पलटवार में कांग्रेस से सवाल किया कि- क्या वो देश में हिंसा चाहती है?

भारतीय राजनीति में अगर सत्ता में मिले तो हर पार्टी हिंसा का औचित्य भी ढूंढ लेती है। इसलिए यह कहना कि फलां पार्टी ही हिंसा की नसैनी पर सत्ता की सीढ़ी चढ़ना चाहती है, अर्द्ध सत्य होगा, लेकिन यहां असल मुद्दा राहुल गांधी की महंगी टी शर्ट अथवा आरएसएस की निक्कर नहीं है। अगर इसे फोकस में लाया जाता है तो इसका संदेश यही जाएगा कि यात्रा अपने मूल उद्देश्य से भटक रही है।

इसमें दो राय नहीं कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले देश में लड़खड़ा रही कांग्रेस को फिर से खड़ा करना, पार्टी में राहुल गांधी की सत्ता को पुनर्स्थापित करना और संभव हुआ तो अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ राहुल के चेहरे को प्रोजेक्ट करना इस चार माह की यात्रा का राजनीतिक उद्देश्य है। इसमें भावना भी है और पार्टी की भाग्य रेखा को बांचना भी है। इस अर्थ में यह यात्रा अपने लक्ष्य की प्राप्ति में कितनी सफल होती है, यह यात्रा को मिलने वाले जनसमर्थन और स्वयं राहुल के एटीट्यूड पर निर्भर करता है। यह अपने आप में विरोधाभासी है कि वो एक तरफ पैदल यात्रा भी कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उन्हें क्या करना है या भविष्य में वो करने वाले हैं, इसके पत्ते खोलने में भी झिझक रहे हैं। हो सकता है यह उनकी रणनीति का हिस्सा हो या फिर उनके अस्थिर मानस की एक और दुविधा हो, लेकिन जब तक वो इस महत्वाकांक्षी यात्रा में साफ-साफ अपने इरादों को संकल्प को व्यक्त नहीं करेंगे, देश का जनमानस इस यात्रा को बहुत संजीदगी से शायद ही लेगा।

सांकेतिक शब्दावली में मनोभाव और संकल्प जताने का जमाना गया। अब तो झूठ भी इतने जोर से बोला जाता है कि उसकी ध्वनि तरंगे सच की तरह महसूस होने लगती हैं। इस डीजे का वॉल्यूम ऐसे सेट किया जाता है कि लोग झूठ या अर्द्धसत्य पर भी मदहोशी में नाचने लगते हैं। ऐसे में राहुल को अपनी भारत यात्रा और स्वयं के राजनीतिक रोड मैप को भी जनता के सामने खुलकर सामने रखना होगा।

आज देश बंट रहा है, यह सत्य है, लेकिन देश टूट रहा है, यह अर्द्ध सत्य है। कुछ लोगों का मानना है देश का मानसिक बंटवारा ही उसके भौगोलिक बंटवारे की बुनियाद बनेगा, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि यह 1947 नहीं है, जब देश पर विदेशी सत्ता काबिज थी और गुलाम देश का भविष्य उसी के हाथ में निहित था। इसलिए स्वतंत्र भारत की कोई सी भी राजनीतिक पार्टी या समूचा समाज देश के बंटवारे को सपने में भी स्वीकार नहीं करेगा। अब रहा सवाल देश में प्रतिरोध के स्वर दबाने का, तो इसमें कुछ सच्चाई है, लेकिन ऐसा पहले कभी नहीं हुआ यह कहना भी सही नहीं है। केवल उसका तरीका बदल गया है।

क्या राहुल गांधी की यात्रा से देश सच में जुड़ पाएगा?

उनकी यात्रा के नक्शे को देखें तो जिन 12 राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेशों से यह यह गुजरने वाली है, उनमें से पांच राज्य भाजपा शासित हैं और एक केन्द्रशासित और एक पूर्ण राज्य में आम आदमी पार्टी का शासन है। कांग्रेस शासित राज्य केवल राजस्थान है, जहां से होकर यह यात्रा निकलेगी। इस हिसाब से यह यात्रा दक्षिण से उत्तर को तो जोड़ेगी। लेकिन पश्चिम से पूर्व को जोड़ने का इसमें प्रावधान नहीं है (शायद आगे हो)।

'भारत जोड़ने' का राहुल गांधी का राजनीतिक लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब बहुसंख्यक वोट मोदी मोह से टूटे और कांग्रेस के पास आए। केवल सदिच्छा राजनीतिक पथ पर बैटरी का काम तो कर सकती है, इंजन नहीं बन सकती।

बेशक सुदीर्घ यात्राएं भारत को समझने में हर किसी की मददगार रही हैं। राजनेताओं से लेकर संतों तक और कलाकारों से लेकर यायावरों तक। महात्मा गांधी ने आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने के पहले समूचे भारत की यात्रा की। स्वामी विवेकानंद ने की। हाल के वर्षों में चंद्रशेखर और बाबा आमटे ने भी कीं। इस अर्थ में राहुल गांधी को ऐसी यात्रा पर बहुत पहले ही निकल जाना था।

पिछला लोकसभा चुनाव हारने के बाद उनके लिए जनता से जुड़ने और देश की आत्मा से साक्षात्कार का बेहतरीन मौका था। तब उसके राजनीतिक उद्देश्यों पर सवाल भी कम उठते। लेकिन उस वक्त उन्होंने केवल पद से इस्तीफा देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली, जबकि राजनीतिक रण में हार-जीत चलती रहती है, लेकिन अर्जुन की तरह कुरूक्षेत्र में आपको लड़ते ही रहना पड़ता है।

सेनापति की संघर्षशीलता सैनिकों में भी जोश भरती है, लेकिन राहुल गांधी तब भी इस बात को लेकर स्पष्ट नहीं थे कि उन्हें क्या और कैसे करना है और अभी भी इस बात का कोई साफ संकेत वो नहीं दे रहे कि यह यात्रा अंततः उनकी निजी छवि को उजली करने के लिए है या फिर दिशाहीनता और मुद्दों के जंजाल में भटकती कांग्रेस के लिए दृढ़ संकल्प मशाल की तरह है।

हिंदी भाषी राज्यों में क्या होगा असर?

राहुल गांधी की 12 राज्यों और दो केन्द्र शासित प्रदेशों में साढ़े तीन हजार किमी की यह यात्रा फिलहाल दक्षिणी राज्यों से गुजरी है, जिनमें से केरल में ही कांग्रेस बेहतर स्थिति में है। लग रहा है कि लोग इस यात्रा से जुड़ रहे हैं, क्योंकि आज की तारीख में कोई भी नेता देश जोड़ने की बात नहीं कर रहा है। लेकिन इस यात्रा का असल प्रभाव उन हिंदी भाषी राज्यों में देखा जाएगा, जहां कांग्रेस अभी भी दूसरी बड़ी सियासी ताकत है।

उधर भाजपा भी इस यात्रा को बहुत बारीकी से देख और बूझ रही है कि क्या राहुल देश की राजनीतिक धारा को बदल पाते हैं या नहीं। क्योंकि उनके अलावा बाकी विपक्ष देश के बजाए दलो को जोड़ने की बात कर रहा है। हालांकि समूचे विपक्ष का एका बहुत दूर की कौड़ी है, जिसे विश्वसनीयता की कागजी आंच पर पकाने की कोशिश हो रही है। अगले लोकसभा चुनाव के पहले कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों के नतीजे भी सत्तापक्ष और विपक्ष के राजनीतिक हौसलों पर असर डालेंगे। यह सही है कि राहुल बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई जैसे शाश्वत मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन इन्हें चुनावी मुद्दों में बदलना टेढ़ी खीर है। अगर वो ऐसा कर पाए तो बहुत बड़ी बात होगी। भारतीय राजनीति में जनता के दैनंदिन जीवन से जुड़े मुद्दे कभी चुनाव जिताऊ मुद्दों में तब्दील नहीं हो पाते। केवल एक बार 1971 में ऐसा हुआ कि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' का लुभावना नारा देकर भारी बहुमत से लोकसभा चुनाव जीता, लेकिन उसके पीछे और भी दूसरे बहुत से कारण थे। दुर्भाग्य से यह हकीकत है कि जनता जिस पीड़ा को भोग रही होती है, वह वोट में बहुत कम अनूदित होता है। इसका कारण शायद यह है कि बहुसंख्य भारतीय वोटर वोट देते समय कई दूसरे तत्वों और आग्रहों को भी ध्यान में रखता है या बहकता है। भाजपा और आरएसएस यह बात बखूबी जानते हैं। लिहाजा अगले लोकसभा चुनाव का कोर मुद्दा क्या होगा और उसे कौन तय करेगा, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। राहुल और कांग्रेस के पास ऐसा कोई गेम चेंजर मुद्दा दिखाई नहीं पड़ रहा। भाग्यवश ऐसा कोई मुद्दा हाथ लग जाए तो बात दूसरी है। देश के बहुसंख्यकों का बड़ा वर्ग मोदी और उनकी कार्यशैली का समर्थक है। इस स्थिति में जल्द कोई बदलाव होगा, ऐसा नहीं लगता। 'भारत जोड़ने' का राहुल गांधी का राजनीतिक लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब बहुसंख्यक वोट मोदी मोह से टूटे और कांग्रेस के पास आए। केवल सदिच्छा राजनीतिक पथ पर बैटरी का काम तो कर सकती है, इंजन नहीं बन सकती। राहुल के पास उम्र का मार्जिन है, लेकिन वो देश का नेतृत्व पूरी प्रामाणिकता, संजीदगी और निरंतरता के साथ करना चाहते हैं, यह स्थापित हुए बगैर यह यात्रा अपने अभीष्ट को शायद ही प्राप्त कर पाए। इस यात्रा को अपने लक्ष्य से भटकाने की खुद कांग्रेस को जरूरत नहीं है। लोगों को जो और जितना समझना है, वो समझ रहे हैं।

उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की हत्या करने की कोशिश नाकाम

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने बताया कि देश की उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज के घर के बाहर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई। एक व्यक्ति ने उन पर पिस्तौल तान दी थी, लेकिन वह चली नहीं। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार रात हुई घटना के तुरंत बाद संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। राष्ट्रपति ने घटना के बाद एक राष्ट्रीय प्रसारक से कहा, एक व्यक्ति ने उनके सिर पर (बृहस्पतिवार रात) हथियार ताना। उन्होंने कहा कि गोली नहीं चली, जबकि उसने ट्रिगर खींच दिया था। उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज 2007 से 2015 तक देश की राष्ट्रपति भी रह चुकी हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उपराष्ट्रपति को कोई चोट नहीं आई है। संदिग्ध व्यक्ति उनके समर्थकों के बीच खड़ा था, जिसे घटना के तुरंत बाद पकड़ लिया गया। मौके पर मौजूद जिना दे बई ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उन्होंने ट्रिगर खींचने की आवाज सुनी थी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों के संदिग्ध को पकड़ने तक उन्हें एहसास नहीं हुआ था कि वह किसी हथियार की आवाज है।

राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने इसे 1983 में देश में लोकतंत्र बहाल होने के बाद की अभी तक की सबसे गंभीर घटना बताया। घटना ऐसे समय में हुई है, जब उपराष्ट्रपति के खिलाफ उनके 2007-2015 के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कथित कृत्यों के संबंध में मुकदमे चल रहे हैं। स्थानीय टेलीविजन चैनल पर प्रसारित घटनास्थल के वीडियो में फर्नांडीज अपने घर के बाहर समर्थकों से घिरे अपने वाहन से बाहर निकलती दिख रहीं है और तभी एक व्यक्ति पिस्तौल जैसी दिखने वाली कोई एक वस्तु लिए नजर आ रहा है। हालांकि, उपराष्ट्रपति वहां से निकलने में कामयाब रहीं। वीडियो में मौके पर मौजूद उपराष्ट्रपति के समर्थक भी स्तब्ध नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित असत्यापित वीडियो में हथियार फर्नांडीज के चेहरे को लगभग छूता नजर आ रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि हमलावर की पहचान ब्राजील के नागरिक फर्नांडो आंद्रे सबाग मोंटिएल के तौर पर हुई है। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उसके पास .32-कैलिबर बर्सा पिस्तौल थी। राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति के साथ एकजुटता व्यक्त करने और लोगों को इस घटना से उबरने का समय देने के लिए शुक्रवार को छुट्टी की घोषणा की है।

नफरत भड़काने के मामले में तुर्की की पॉप गायिका गुलसेन पर अभियोग चलाया गया

तुर्की की पॉप गायिका गुलसेन कोलाकोग्लूको देश के धार्मिक विद्यालयों का मजाक उड़ाकर घृणा और शत्रुता भड़काने के मामले में शुक्रवार को अभ्यारोपित किया गया और इसके लिए उन्हें तीन साल तक की सजा हो सकती है। गायिका एवं गीतकार गुलसेन को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्हें चार दिन बाद रिहा कर दिया और नजरबंद रखा गया। गायिका ने अप्रैल में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान एक मजाक किया था और कहा था कि उनका एक संगीतकार एक धार्मिक स्कूल में जाने के कारण बिगड़ गया। इसके बाद गायिका के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन और इस्लाम-आधारित उनके सत्तारूढ़ दल के कई सदस्य 'इमाम हातिप' नामक धार्मिक विद्यालयों से पढ़े हैं, जो मूल रूप से इमामों को प्रशिक्षित करने के लिए स्थापित किए गए थे। 48 पृष्ठीय अभियोगपत्र में 702 शिकायतकर्ता हैं, जिनमें विभिन्न व्यक्ति, सरकार समर्थक महिला अधिकार संगठन और धार्मिक स्कूलों का एक संघ शामिल हैं।

तुर्की की दंड संहिता वर्ग, नस्ल, धर्म या सम्प्रदाय के आधार पर समाज में विभिन्न समूहों के खिलाफ घृणा और शत्रुता को बढ़ावा देने को अपराध घोषित करती है और ऐसे मामलों में जेल की सजा का प्रावधान है। अभियोग में गुलसेन का बयान शामिल किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्होंने अपने बैंड के एक सदस्य के साथ मजाक किया था, जिसका उपनाम 'इमाम' है, लेकिन वह धार्मिक स्कूल नहीं गया है।

गुजरात को बदनाम करने और निवेश रोकने के लिए साजिशें रची गईं - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि गुजरात को बदनाम करने और निवेश रोकने के लिए साजिशें रची गई हैं, लेकिन इस राज्य ने इन बातों की ओर ध्यान नहीं दिया और प्रगति का नया मार्ग प्रशस्त किया। मोदी इस साल के अंत में गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भुज में विकास कार्यों का उद्घाटन करने और उनकी नींव रखने के बाद एक रैली को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा कि फिलहाल कई कमियों के बावजूद वह 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनते हुए साफ तौर पर देख सकते हैं। रैली से पहले प्रधानमंत्री ने भुज में तीन किलोमीटर लंबा एक रोड शो किया, जहां हजारों लोग उनका अभिवादन करने के लिए सड़क के दोनों ओर जमा हो गए। मोदी ने रोड शो के दौरान हाथ हिलाकर लोगों के अभिवादन का जवाब दिया। सड़क के दोनों तरफ इकट्ठा लोग उत्साह से भरे थे और वे प्रधानमंत्री के प्रति अपना स्नेह दिखाने के लिए 'मोदी-मोदी' के नारे लगा रहे थे तथा तिरंगा लहरा रहे थे। रोड शो के बाद मोदी ने 2001 में आए भूकंप के पीड़ितों की याद में भुज शहर के बाहरी इलाके में बनाए गए स्मारक 'स्मृति वन' का उद्घाटन किया। इसके बाद वह कच्छ विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया और कुल 4,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें सरदार सरोवर परियोजना की कच्छ शाखा नहर, सरहद डेयरी का नया स्वचालित दूध प्रसंस्करण और पैकिंग संयंत्र, भुज में

क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, गांधीधाम में डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर सम्मेलन केंद्र, अंजार में वीर बाल स्मारक शामिल है। रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, "गुजरात एक के बाद एक प्राकृतिक आपदाओं से निपट रहा था तब गुजरात को देश और दुनिया में बदनाम करने की साजिशें रची गईं। गुजरात में आने वाले निवेश को रोकने के लिए बार-बार प्रयास किए गए।" उन्होंने कहा कि गुजरात ने उसे बदनाम करने वाले सभी प्रयासों को धता बताया, साजिशों को नाकाम किया और राज्य प्रगति के नए पथ पर आगे बढ़ा। प्रधानमंत्री ने कहा, "2001 में कच्छ के विनाशकारी भूकंप के बाद मैंने कच्छ के पुनर्विकास के बारे में बात की थी और हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- कुछ लोग मोदी का 'तोड़' ढूंढ रहे हैं लेकिन उन्हें मिल नहीं रहा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि सांगठनिक क्षमता, जनता से जुड़ाव और उनकी मुश्किलों की जमीनी समझ की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं। वरिष्ठ पत्रकार अजय सिंह द्वारा लिखी पुस्तक ''दि आर्किटेक्ट ऑफ दी बीजेपी'' के विमोचन के अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सिंह ने यह भी कहा कि कुछ लोग मोदी की काट ढूंढ रहे हैं लेकिन उन्हें यह मिल नहीं रही है। उन्होंने कहा, ''जनता से जुड़े रहिए, सफलता आपके कदम चूमेगी... यह प्रधानमंत्री मोदी का मूलमंत्र है।'' सिंह ने कहा कि उनके अनुसार मोदी के पास जो सांगठनिक क्षमता है, किसी दैवीय शक्ति के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, ''जनता से जुड़ाव, उससे संवाद, देश की नब्ज पर मजबूत पकड़, आमजन की मुश्किलों की जमीनी जानकारी से उनकी लोकप्रियता ने देश ही नहीं दुनिया में सभी नेताओं को पछाड़ दिया है। आज वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं।''

अमेरिकी कंपनी 'द मार्निंग कंसल्ट' के एक सर्वे का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी ने लोकप्रियता में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री सहित दुनिया के 12 प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, ''मोदी का जनता से एक भावनात्मक रिश्ता बन गया है। उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में कुछ राज्यों में राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की सरकार थी। आज जिसका विस्तार 16 राज्यों तक हो गया है। इस वक्त पूरे देश में 1300 से ज्यादा विधायक और 400 से ज्यादा भाजपा के सांसद हैं।'' पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कुछ लोग मोदी का विकल्प ढूंढ रहे हैं लेकिन उन्हें कोई तोड़ मिल नहीं रहा है। उन्होंने राजनीतिक विश्लेषकों का हवाला देते हुए कि उनका मानना है कि 2029 के बाद ही उन्हें इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी ने पार्टी का विस्तार केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं किया बल्कि वे विचारधारा के फैलाव और देश की सोच में बदलाव के लिए ऐसा करते हैं। मोदी को मिलने वाली लगातार चुनावी जीत का मंत्र 'सिर्फ जीत के लिए लड़ो' को बताते हुए सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं का 'सूक्ष्म प्रबंधन' उनकी इसी रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि ''सबका साथ–सबका विकास, सबका विश्वास–सबका प्रयास'' का प्रधानमंत्री का आह्वान कोई जुमला नहीं है, असल में वह इसी मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

राहुल की फिर फिसली जुबान

आटा का भाव बताया 40 रुपए लीटर, मिश्रा बोले- अध्यक्ष बनाओ इन्हें प्लीज़

राहुल गांधी का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया है जिसमें उन्हें 'आटा' को किलो की जगह लीटर में बताते हुए सुना जा सकता है। वायरल क्लिप में राहुल कह रहे हैं, 'आटा 22 रुपए प्रति लीटर था लेकिन आज 40 रुपए प्रति लीटर है। कांग्रेस नेताओं ने राजधानी में 'हल्ला बोल' रैली के माध्यम से महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बारी-बारी से भाजपा पर हमला किया। वहीं राहुल गांधी ने यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान गैस, तेल, दूध, आटा का भाव बताया। राहुल गांधी का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया है जिसमें उन्हें 'आटा' को किलो की जगह लीटर में बताते हुए सुना जा सकता है। वायरल क्लिप में राहुल कह रहे हैं, 'आटा 22 रुपए प्रति लीटर था लेकिन आज 40 रुपए प्रति लीटर है। फिर क्या था देखते ही देखते राहुल गांधी सोशल मीडिया में ट्रेंड होने लगे। कई फेसबुक यूजर्स ने राहुल गांधी के वायरल क्लिप को पोस्ट करते हुए मजेदार कमेंट किए हैं। इंडिया टुडे एंटी फेक न्यूज वॉर रूम ने इस क्लिप को सही पाया है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में पहले के वर्षों के साथ विभिन्न वस्तुओं की कीमतों की तुलना करते हुए वास्तव में आटा को किलो की जगह लीटर बता दिया था। हालांकि वायरल वीडियो अधूरा है क्योंकि उन्होंने तुरंत खुद को ठीक कर लिया।

राहुल गांधी ने यूपीए सरकार और एनडीए सरकार के दौरान महंगाई की तुलना की। इस दौरान उन्होंने कुछ आंकड़े भी गिनाए। राहुल ने कहा कि 2014 में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 410 रुपये थी और आज 1050 है। पेट्रोल 70 रुपये था आज करीब 100 रुपये प्रति लीटर है। डीजल 70 रुपये था और अब 90 रुपये है। सरसों तेल 90 रुपये लीटर था आज 200 रुपये लीटर है। दूध 35 रुपये लीटर था आज 60 रुपये लीटर है। आटा 22 रुपये लीटर था और आज 40 रुपये लीटर हो गया।

हालांकि उन्होंने अपनी गलती में सुधार कर लिया। कपिल मिश्रा ने ट्वीट करते हुए कहा कि आटा 22 रुपए लीटर, अध्यक्ष बनाओ इन्हें प्लीज़। इसके साथ ही उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि महंगाई पर बात करते समय अगर आप आटे का भाव लीटर में बताते हैं तो आपकी समझ और गम्भीरता दोनों पर सवाल उठने स्वाभाविक है। पूरी कांग्रेस को किलो के भाव बेचने के बाद ऐसी मासूमियत ही इन्हें चिर युवा सिद्ध करती हैं।

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का कार दुर्घटना में निधन

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की महाराष्ट्र के पालघर में रविवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह 54 वर्ष के थे।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब मिस्त्री की कार मुंबई से सटे पालघर जिले में एक डिवाइडर से टकरा गई। उस समय मिस्त्री मर्सिडीज कार में अहमदाबाद से मुंबई लौट रहे थे। पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने कहा, ''दुर्घटना अपराह्न लगभग 3.15 बजे हुई। मिस्त्री अहमदाबाद से मुंबई की ओर जा रहे थे। यह हादसा सूर्या नदी पर बने पुल पर हुआ।''

उन्होंने कहा, ''दुर्घटना में मिस्त्री और एक अन्य व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर समेत दो अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए गुजरात भेज दिया गया है।'' हादसे का शिकार हुई कार में मिस्त्री और ड्राइवर समेत कुल चार लोग सवार थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा कासा थाना क्षेत्र में सूर्या नदी पुल पर चरोटी नाका में हुआ। मिस्त्री की कार डिवाइडर से टकराने के बाद रिटेंशन वॉल से जाकर टकरा गई। हादसे में जान गंवाने वाले मिस्त्री और जहांगीर पंडोल के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कासा ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया है। पाटिल ने कहा कि हादसे में घायल हुए दोनों लोगों- ड्राइवर अनायता पंडोल और डेरियस पंडोल को इलाज के लिए गुजरात के वापी के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पालघर के पुलिस अधिकारी सचिन नवादकर ने कहा कि स्थानीय पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

मवेशियों में फैले लम्पी चर्म रोग को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे केन्द्र

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मवेशियों में फैले संक्रामक लम्पी चर्म रोग को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग रविवार को करते हुए कहा कि उन्होंने इस संबंध में केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने राज्य को पूरी मदद देने का भरोसा दिलाया है। गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के जनप्रतिनिधि, पशुपालक, गौशाला संचालक, अधिकारी व आमजन से संवाद किया। उन्होंने सभी से लम्पी रोग के नियंत्रण एवं रोकथाम और बाढ़ राहत कार्य में राज्य सरकार का सहयोग करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि मवेशियों में फैली इस बीमारी से निपटने के लिए सभी भेद-भाव और मतभेद से ऊपर उठकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, जनप्रतिनिधि, पशुपालक, गौशाला संचालक व जनसहभागिता से यह बीमारी अब घट रही है। उन्होंने कहा कि लम्पी चर्म रोग की दवाइयों की कमी नहीं होने दी जा रही है। उन्होंने बताया कि टीके का अभी परीक्षण चल रहा है और विकल्प के रूप में अभी गोट पॉक्स टीके का उपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लम्पी रोग से मरने वाले पशुओं का निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से हो रहा है, जिससे संक्रमण पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में नियंत्रण कक्ष स्थापित गए हैं और रोग को लेकर आमजन में फैल रही भ्रांतियों को दूर करने के लिए गांव-ढाणी तक जन-जागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौशालाओं की साफ-सफाई, सोडियम हाइपोक्लोराइट के छिड़काव, फॉगिंग तथा जेसीबी की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराई गई है। बैठक में कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि प्रदेश में अब तक

लम्पी रोग से आठ लाख मवेशियों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, जिनमें से 7.40 लाख का उपचार हुआ है और लगभग 4.30 लाख पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान में संक्रमण की दर तेजी से घट रही है। पशुपालन विभाग के अनुसार, शनिवार तक राज्य में लम्पी रोग से 34,243 मवेशियों की मौत हुइ्र है। गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि यह महामारी देश के 16 राज्यों में फैल गई है और राज्य सरकार भी इस बीमारी को लेकर काफी चिंतित है। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ द्वारा अब तक गोट पॉक्स के छह लाख टीके वितरित किए जा चुके हैं। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया व विधायक और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने लम्पी बीमारी की रोकथाम के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

टीकाकरण व मृत पशुओं के निस्तारण के संबंध में सुझाव देते हुए उन्होंने राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग का भी आश्वासन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अतिवृष्टि से हुए नुकसान और बाढ़ प्रभावितों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। गहलोत ने हाल ही में बाढ़ से प्रभावित छह जिलों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया है।

सत्ता में बैठे लोग कुर्सी की चिंता में जनता की चिंता भूल गये हैं : वसुंधरा राजे

भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को प्रदेश की कांग्रेस नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को केवल कुर्सी की चिंता है, वे जनता की चिंता करना भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य अराजकता के दौर से गुजर रहा है और लोगों की सुनने वाला कोई नहीं है।

राजे ने एक समारोह को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनायीं। उन्होंने कहा, ''प्रदेश अराजकता के दौर से गुज़र रहा है। यहाँ न कोई सुनने वाला, न कोई देखने वाला और नहीं कोई जनता की पीड़ा को समझने वाला है।'' पूर्व

मुख्यमंत्री ने कहा, ''जो प्रदेश हमारे समय शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, विद्युत और जल संरक्षण में देश में आगे था, वह आज अपराध, महिला उत्पीड़न, दलित अत्याचार, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिक उन्माद में पहले नम्बर पर है। सत्ता में बैठे लोग कुर्सी की चिंता में जनता की चिंता भूल गये हैं।'' उन्होंने कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने चित्तौड़गढ़ ज़िले के मातृकुंडिया में भगवान परशुराम का स्मारक बनाया था। राजे ने कहा, ''जो पार्टी अच्छा काम करे उसे दोबारा अवसर मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमें दोबारा अवसर मिलता तो अधूरे काम पूरे होते और हमारा प्रदेश विकास की दृष्टि से बहुत आगे होता।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले- मध्यप्रदेश में अंडा का फंडा नहीं चलने देंगे

बाल संप्रेषण गृह में चिकन और अंडा परोसने का आदेश जारी

मध्यप्रदेश में बाल आश्रय और बाल संप्रेषण गृहों में रहने वाले बच्चों को खाने में अंडा और चिकन देने के आदेश के बाद दो विभाग आमने-सामने आ गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 25 अगस्त को इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया। इस पर गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मप्र में अंडे का फंडा नहीं चलेगा। इसे किसी भी हालत में चलने नहीं देंगे। गृहमंत्री के बयान के बाद दोनों विभाग के अफसर पसोपेश में पड़ गए हैं। इस मामले में दोनों विभाग के अफसरों ने चुप्पी साध ली है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बीते 25 अगस्त को बाल सुधार गृह, आश्रय गृह में रहने वाले बच्चों की देखभाल को लेकर करीब 681 पेजों का आदेश मप्र के राजपत्र में प्रकाशित किया है। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से जब बच्चों को अंडा और चिकन देने के फैसले के बारे में पूछा गया तो वे बोले- ये जो विषय आया है इससे भ्रम की स्थिति है। ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नहीं हैं और

इसे लागू भी नहीं किया जाएगा। किसी राजपत्र में ऐसी कोई जानकारी प्रकाशित नहीं हुई है।

दो साल पहले कमलनाथ सरकार के दौरान तत्कालीन महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री इमरती देवी ने आंगनबाड़ियों में बच्चों को अंडा देने की सिफारिश की थी। इसके बाद इस मामले पर बवाल मच गया था। हालांकि, चौतरफा विरोध के बाद महिला बाल विकास विभाग ने इस फैसले को लागू नहीं किया था। इमरती बीजेपी ज्वाइन करने के बाद भी बच्चों को अंडा देने की बात दोहरा चुकी हैं।

केंद्र सरकार के मॉडल रूल में चिकन और अंडे का प्रावधान है, लेकिन मप्र में चिकन, अंडे के बजाय शाकाहारी मेन्यू चलाया जा रहा है, क्योंकि प्रति बच्चे का बजट कम है। 2015 के नियम में भी यह शामिल था, लेकिन परोसा कभी नहीं गया। इस बार जो अधिसूचना जारी हुई है, उसमें भी प्रमुखता से इसे शामिल किया गया है। मप्र में 2160 रुपए प्रतिमाह एक बच्चे पर खाने का खर्च आता है।

विभाग ने तय कर दिया मेन्यूः महिला एवं बाल विकास विभाग ने मप्र किशोर न्याय नियम की अधिसूचना में इसे शामिल किया है।

बिना हेलमेट दोगुना होगा जुर्माना : 250 रुपए की जगह 500 रुपए देना होंगे

प्रदेश में अब बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाए जाने पर 250 रुपए के बजाए 500 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। केंद्र सरकार ने जुर्माने की यह दर 10100 रुपए निर्धारित कर दी है, इसी के अनुसार मप्र में जुर्माने की दरें बढ़ाई जा रही हैं। प्रदेश में 2015 के पहले बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर 100 रुपए और उसके बाद 250 रुपए कर दिए गए थे। प्रदेश में दोपहिया वाहन बगैर हेलमेट चलाए जाने जुर्माना बढ़ाए जाने के पहले राज्य सरकार ने पड़ोसी राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट में किए गए संशोधन का अध्ययन किया है। इसके बाद सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडल की समिति में लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया के बीच इस बारे में चर्चा हुई है। हालांकि तीनों मंत्रियों की राय यह है कि आम जनता और किसानों से संबंधित मामलों में जुर्माना कम रखा जाएगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार जुर्माने की दरें बढ़ाई जाना तय है। खासतौर पर बगैर हेलमेट के जुर्माना दोगुना करने पर सहमति है। इस मामले को मंत्रिमंडल की यह समिति सरकार को सौंपेगी, जिसके बाद इसे लागू किए जाने के लिए कैबिनेट की मीटिंग में लाया जाएगा। केंद्र सरकार ने मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन कर विभिन्न धाराओं में जुर्माने का प्रावधान किया है, इसी के अनुसार राज्य शमन शुल्क की दरों में संशोधन कर रही हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने अन्य राज्यों में लागू मोटर

व्हीकल एक्ट का अध्ययन किया है। इसमें खास यह है कि अगली साल चुनावी वर्ष होने की वजह से नफा नुकसान भी देखा जा रहा है, क्योंकि जुर्माना बढ़ाने या घटाने पर अंतिम फैसला परिवहन विभाग के संशोधित प्रस्ताव पर कैबिनेट को करना है। ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली पर 2 हजार रुपए जुर्माना प्रस्तावित है, लेकिन इसे घटाकर 1000 रुपए किया जा रहा है, ताकि किसानों पर ज्यादा बोझ न पड़े। बगैर परमिट के वाहन चलाने पर जुर्माना 5000 रुपए तक किया जा सकता है। इसके अलावा वाहनों में लोड निर्धारित सीमा से अधिक होने पर छोटे वाहनों पर 1000 रु., मध्यम वाहन पर 5 हजार रुपए और भारी वाहन पर ओवर लोड पर 10 हजार रुपए जुर्माना किया जाना प्रस्तावित है।

निरंजनपुर चौराहा से राजीव गांधी चौराहा तक

व्यवसायिक-औद्योगिक संस्थान 24x7 संचालित हो सकेंगे...

कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा हेतु किए गए पुख्ता इंतजाम, कलेक्टर श्री सिंह ने जारी किए आदेश

जनवरी माह में आयोजित किए गए स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान उद्यमियों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिए गए निर्देशों तथा जनप्रतिनिधिगण एवं स्टार्टअप संचालकों के साथ विगत दिवस आयोजित की गई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में कलेक्टर श्री मनीष सिंह द्वारा इंदौर शहर के कुछ हिस्से को 24x7 संचालन की अनुमति प्रदान करने के आदेश जारी किए गए हैं। मध्यप्रदेश दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144, मध्य प्रदेश दुकान एवं स्थापना अधिनियम 1958, मध्य प्रदेश श्रम विधियां और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 2015, संशोधित कारखाना अधिनियम 1948 तथा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के अन्तर्गत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री मनीष सिंह द्वारा निरंजनपुर चौराहा से राजीव गांधी चौराहा तक 11.45 किलोमीटर लंबी एवं 60 मीटर चौड़े बीआरटीएस कॉरिडोर के दोनों और सभी प्रकार के प्रतिष्ठानों जैसे औद्योगिक/व्यवसायिक/कार्यालय/विभिन्न प्रकार की सेवाएं/शैक्षणिक/लॉजिस्टिक/खानपान के रेस्टोरेंट एवं होटल आदि सभी संस्थानों को संपूर्ण रात्रि अर्थात 24x7 संचालन की सशर्त अनुमति प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि इंदौर शहर में 24x7 संचालन की अनुमति से जहां एक और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे वहीं दूसरी ओर इकॉनॉमी में भी बढ़ोतरी होगी। इस कॉरिडोर के 24x7 सफल संचालन के उपरांत अगले चरण में शहर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के आदेश जारी किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि उक्त क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों को आदेश में दिये गये विभिन्न प्रक्रियाओं का पालन करना अनिवार्य रहेगा।

सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य

जारी आदेशानुसार सभी संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य रहेगा। प्रत्येक कैमरे की लाइव रिकॉर्डिंग पर सतत निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। रिकॉर्डिंग को पुलिस विभाग के मांगे जाने पर उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी प्रतिष्ठान के मालिक की होगी। संस्थान/प्रतिष्ठान में स्थापित किये जाने वाले समस्त कैमरों की रिकॉर्डिंग 30 दिनों तक रखना बंधनकारी होगा। साथ ही पूरे संस्थान पर सूचना पटल लगाना होगा कि 'आप कैमरे की निगरानी में है'। रात्रि कालीन सेवा प्रारंभ किये जाने के पूर्व उपरोक्तानुसार सर्विलेंस सिस्टम को प्रारंभ करना अनिवार्य होगा। उक्त 11.45 किलोमीटर बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर में पुलिस अधिकारियों से हुई चर्चानुसार अनेक सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे सी.सी.टी.वी कैमरा लगाए जाने आवश्यक है, जो नंबर प्लेट एवं चेहरे चिन्हांकित कर सके। इसके तहत ऑटो नंबर प्लेट रीडर, अत्याधुनिक कैमरे के साथ-साथ पैन टिल्ट जूम (PTZ) कैमरा तथा सामान्य सी.सी.टी.वी. कैमरा स्थापित किया जा रहा है।

महिला सुरक्षा का ध्यानः प्रत्येक प्रतिष्ठान/व्यवसायी के द्वारा मध्यप्रदेश दुकान तथा स्थापना अधिनियम 1958 के प्रावधानों अंतर्गत रात्रिकालीन अवधि में कार्य हेतु वियोजित की जाने वाली महिलाकर्मियों की सुरक्षा की दृष्टि से समुचित आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराते हुए उन्हें कार्य स्थल से लाने-ले जाने की व्यवस्था हेतु सुरक्षित परिवहन, टेलीफोन/मोबाईल व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, यौन उत्पीडन को रोकने के लिये समुचित कदम एवं व्यवस्थायें आदि का समुचित दायित्व नियोजक का होगा। साथ ही रात्रिकालीन अवधि में नियोजित कर्मचारियों के ब्यौरे की रिपोर्ट शासकीय श्रम पदाधिकारी/सहायक श्रमायुक्त को निर्धारित अवधि में भेजी जाना सुनिश्चित करना होगा।

उपरोक्त बी.आर.टी.एस. क्षेत्र में कोई भी प्रतिष्ठान/व्यवसायी जो रात्रि में अपना प्रतिष्ठान खुला रखना चाहता है उसे निर्धारित ऑनलाईन नगर निगम के एप/पोर्टल 311 पर अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।

फ्री फायर गेम खेल रहे युवक की मौत

ईंट भट्टे पर छोटे भाई के साथ मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेल रहे एक युवक को जहरीले जानवर ने पैर में काट लिया। उसे आधे घंटे बाद पसीना आने लगा और घबराहट हुई। भट्टा संचालक का भाई उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां इंजेक्शन नही मिलने पर उसे एमवाय भेजा गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही पुष्टि होगी कि मृतक को किस जानवर ने काटा है। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक छोटू (18) पुत्र मुकेश अहिरवार छोटे भाई विक्की के साथ दोपहर करीब साढ़े तीन बजे फ्री फायर गेम खेल रहा था। इस दौरान उसने पैर लंबे किए तो उसे कुछ चुभने का अहसास हुआ। कुछ देर बाद उसके पैर में सूजन आ गई वही घबराहट होने लगी। इसके बाद उसने चूहे के काटने की बात अपनी बहन भूरी से कही। लेकिन पैर पर निशान देखकर संभवत सांप जैसे काटने के निशान दिखे। जिसमें छोटू खुद चल कर जिला अस्पताल पहुंचा। यहां करीब आधे घंटे तक वह उपचार के लिए बैठा रहा। यहां डॉक्टरों ने इंजेक्शन नही होने की बात करते हुए परिवार को एमवाय ले जाने की सलाह दी। परिवार के लोग जब उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे तो करीब एक घंटे बाद उसने दम तोड़ दिया।

अब विद्यार्थियों को तीन गुना छात्रवृत्ति मिलेगी

मंत्रालय में जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के अध्यक्षता में मत्स्य महासंघ काम-काज समिति की 106वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, संचालक मत्स्योद्योग श्री भारत सिंह, मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक श्री पुरुषोत्तम धीमान सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस दौरान मंत्री श्री सिलावट ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। मंत्री श्री सिलावट के अध्यक्षता में आयोजित काम-काज समिति की बैठक में मत्स्य महासंघ के कर्मचारियों को 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ मछुआ कल्याण तथा मछुआ समाज के बच्चों को शिक्षा देने के लिए विभाग द्वारा ने दी जाने वाली छात्रवृत्ति को भी बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए की छात्र और छात्राओं को बड़े शहरों में कोचिंग संस्थाओं में पढ़ाई के लिए भी सुविधा और अनुदान दिया जाए उसके लिए आगामी काम काज समिति में प्रस्ताव लाया जाए। इसके साथ ही ऐसे मछुआ समाज के बच्चे जिनकी पढ़ाई बीच में ही छूट गई है उनको भी कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़कर रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए काम किया जाए।

श्री सिलावट ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की तरह ही मत्स्य महासंघ के कर्मचारियों को भी महंगाई भत्ता देंगे। मंत्री ने कहा कि मछुआ समाज के लोगों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए विशेष अनुदान और प्रोत्साहन राशि देने के लिए विशेष कैंप लगाए जाने का भी निर्णय लिए गया है। जिससे मछुआ समाज के सर्वांगीण और समुचित विकास के लिए शासन की अन्य योजना का लाभ भी दिया जाएगा।

मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास मंत्री श्री सिलावट ने मत्स्य महासंघ और विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष का राशि का पूरा उपयोग नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और सख्त निर्देश दिए कि बजट में आवंटित राशि का पूरा उपयोग किया जाये। मत्स्य उत्पादन के लक्ष्य को बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

बजट की पूरी राशि खर्च नहीं करने पर प्रबंध संचालक मत्स्य संघ पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजनाओं को सफल बनाने के लिए अच्छी रणनीति बनाएं और लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य योजना बनाकर उन्हें जल्द अवगत कराएं।

रखा लक्ष्य देश में अव्वल बने मध्यप्रदेशः उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य बजट की पूरी राशि खर्च करने के अलावा अतिरिक्त राशि आवंटित कराकर विकास कार्य करने का होना चाहिए। हमें लक्ष्य से आगे बढ़ कर कार्य करना है और मछली उत्पादन में प्रदेश को देश में पहले स्थान पर ले जाना है।

श्री सिलावट ने कहा कि मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पं. बंगाल सहित विभिन्न राज्यों के एक्सपर्ट्स और मछली उत्पादन से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर रणनीति बनाने के बात कही। मीठे पानी में ज्यादा मछली पालन करने वाले राज्यो के एक्सपर्ट और निजी संस्थाओं से भी संपर्क कर कार्योजना बनाई जाए।

मध्यप्रदेश में खुलेंगी सात निजी यूनिवर्सिटी...

मप्र में 7 नए विश्वविद्यालय खोले जाएंगे। सीएम शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग में इन विश्वविद्यालयों को मंजूरी दी गई है। मप्र निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2022 के जरिए यह मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही थॉमस कप में अपना जौहर दिखाने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को 10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने का भी फैसला हुआ है। मप्र में योग आयोग का गठन करने को भी मंजूरी दी गई है। माइनिंग राजस्व की बकाया राशि पर ब्याज माफ करने पर सहमति मिली है। बकायेदारों को बकाया राशि जमा करने के बाद दोबारा खदान चलाने की परमिशन मिल सकेगी। खाद्य विभाग में कम्प्यूटर ऑपरेटर की भर्ती को भी मंजूरी देने के साथ ही पुराने हेलीकॉप्टर के पाट्र्स को बेचने की सहमति कैबिनेट ने दी है। **डाटा एंट्री के लिए अलग से पोर्टल बनेगाः** सीएम ने कहा - अभियान की जानकारी और निराकृत हुए आवेदनों की डाटा एंट्री के लिए अलग से एक पोर्टल बनाया जाएगा। सीएम ने विभागीय मंत्री को काम की समीक्षा का कहा। जिले के प्रभारी मंत्री, कलेक्टर को अभियान की रूपरेखा बनाकर क्रियान्वयन करने को कहा।

प्रमुख फ्लैगशिप योजनाएं

• प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण), जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, स्वामित्व, पीएम किसान सम्मान निधि, भारत नेट, स्वाइल हेल्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड (मछली पालन,कृषि,पशुपालन), अटल पेंशन योजना,पीएम स्वनिधि।

अन्य योजनाएं एवं कार्यक्रम

• राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, पीएम उज्ज्वला योजना फेस- II,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना,अमृत सरोवर योजना, संबल योजना – श्रमिक, संबल योजना – प्रसूति सहायता, मुख्यमंत्री आवासीय भू अधिकार योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास प्लस, मुख्यमंत्री विद्युत बिल राहत योजना, सीएम राइज स्कूल की प्रगति।

पीएम मोदी के जन्मदिन से चलेगा अभियान

मप्र में संचालित केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से अब तक छूटे पात्र हितग्राहियों को खोजने के लिए अभियान चलाया जाएगा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मीटिंग के पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी मंत्रियों और जिलों के अफसरों को इस संबंध में निर्देश दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक हितग्राही मूलक योजनाओं में संतृप्तिकरण का एक विशेष प्रदेश स्तरीय अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में केन्द्र और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं को शामिल किया जाएगा।

इंदौर का मास्टर प्लान सर्वश्रेष्ठ बने इस हेतु शीघ्र ही मुख्यमंत्री से चर्चा होगी : लालवानी

नगर का मास्टर प्लान देश का सर्वश्रेष्ठ मास्टर प्लान कैसे बने इस हेतु शंकर लालवानी की पहल पर भोपाल में प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास मनीषसिंह एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंदौर उत्थान अभियान दल के सदस्यों की बैठक में हुई चर्चा से सांसद महोदय को अवगत कराया गया। सांसद श्री लालवानी द्वारा आश्वस्त किया गया कि आगे आने वाली भविष्य की पीढ़ी को एक बेहतर शहर कैसे सौंपा जाए इस हेतु सर्वश्रेष्ठ मास्टर प्लान कैसे बने इसके लिए वे मुख्यमंत्री से इंदौर उत्थान अभियान के अध्ययन दल के सदस्यों की एक बैठक भी शीघ्र करवाएँगे। क्योंकि शहर का सर्वश्रेस्ठ मास्टर प्लान बनने से जहां देश में इंदौर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी वहीं देश के अन्य शहर भी अपनी विकास योजनाएँ बेहतर बनाने हेतु यहाँ से प्रेरणा लेंगे। सांसद महोदय ने श्रेष्ठ मास्टर प्लान बने इस हेतु प्रथक प्रथक क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सेवाएँ लेने के सुझाव को अनिवार्यता माना। आपने कहा कि अपना घर बहुत अच्छा बने इस हेतु जब एक सामान्य आदमी भी अलग अलग विशेषज्ञों की सेवाएँ लेने में नहीं हिचकता है जैसे कि अर्किटेक्ट, स्ट्रक्चर डिजाइनर, सुपर्वाइज़र, इंजिनियर और इंटीरियर डिज़ाइनर आदि विशेषज्ञ, जबकि भविष्य में इंदौर में करोड़ से भी अधिक लोग बसने लगेंगे। तो विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सेवाएं ही चाहिए। विशेषज्ञों की सेवाएँ लेने से जहां एक ओर बेहतर मास्टर प्लान बनेगा वहीं त्रुटिपूर्ण प्लानिंग होने से भविष्य में तोड़ फोड़ के कारण होने वाले करोड़ों अरबों रुपयों की बर्बादी को बचाया जा पाना भी संभव हो पावेगा। इस सम्बंध में श्री शंकर लालवानी जी द्वारा दूरभाष से तत्काल प्रमुख सचिव श्री मनीषसिंह जी और संयुक्त संचालक श्री मुद्गल से चर्चा भी की। सांसद को यह भी बताया गया कि वर्तमान में बनाया जा रहा मास्टर प्लान क्षेत्रीय परिवेश और महानगरीय प्रष्ठभूमि के अनुसार नहीं है एवं मुख्यमंत्री की घोषणा कि आगामी दस वर्षों में विकास की दृष्टि से इंदौर बंगलुरु और हैदराबाद को भी पीछे छोड़ देगा ये अवधारणा कभी मूर्तरूप नहीं ले पाएगी क्योंकि वर्तमान में इंदौर महानगर क्षेत्र का एरिया मात्र 900 वर्ग किलोमीटर है जबकि बंगलुरू और हैदराबाद का क्षेत्रफल 7500 से 8000 वर्ग किलोमीटर के लगभग है। यहाँ तक कि नागपुर का क्षेत्रफल जिसकी जनसंख्या इंदौर की 35 लाख की जनसंख्या की तुलना में मात्र 24 लाख के क़रीब है वहाँ भी 3740 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्रफल है। अन्य शहरों के तुलनात्मक आँकड़े भी सांसद महोदय को बताए गए जिसमें प्रति वर्ग किलोमीटर में स्थित जनसंख्या के आधार पर सिद्ध होता है कि अन्य शहरों की तुलना में इंदौर महानगर का क्षेत्रफल बहुत कम है। इन तुलनात्मक आँकड़ों को देखकर सांसद महोदय ने गम्भीर होते हुए कहा कि ये तो बहुत बड़ी चिंता का विषय है एवं इससे अगले 25-30 वर्षों में जब इंदौर मेगा सिटी का रूप लेगा तब शहरवसियों को अत्यंत भयंकर कष्टों का सामना करते हुए भुगतना पड़ेगा। अंत में सांसद ने कहा कि इस सम्बंध में समय समय पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मैं आप लोगों की चर्चा करवाता रहूँगा एवं हम सब मिलकर इंदौर के लिए सर्वश्रेष्ठ मास्टर प्लान बनाकर ही रहेंगे। सांसद के साथ बैठक में इंदौर उत्थान अभियान के अध्यक्ष अजितसिंह नारंग, गोविंद मालू, डॉ. एस. एल. गर्ग, मनोहर नागपाल, गौतम कोठारी, महेश गुप्ता, इंजि. एस एस कुटुंबले, इंजि. महेश राजवैद्य, इंजि. यशवर्धनसिंह, इंजि. वी के गुप्ता, इंजि. दीपक शाह, एडवोकेट सुनील माकोड़े, सुरेश हरियानी एवं अन्य उपस्थित थे।

इलाज के नाम पर महिला को बेहोश कर रेप : उज्जैन में वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता रहा डॉक्टर...

क्लीनिक में शादीशुदा महिला मरीज को बेहोश कर रेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी डॉक्टर घर पर ही वेल केयर नाम से क्लीनिक चलाता है। घटना करीब 16 महीने पहले की है। आरोपी डॉक्टर ने महिला के फोटो-वीडियो भी बना लिए थे। इन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसने बीते 16 महीने में कई बार महिला से रेप किया।

6 दिन पहले भी डॉक्टर ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने हिम्मत कर पति को जानकारी दी। इसके बाद सोमवार को परिवार के साथ थाने पहुंचकर डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कराया। आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में वह झोलाछाप निकला।

मैं परिवार के साथ किराए के घर में रहती हूं। एक साल पहले मई 2021 में मेरी तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज कराने के लिए डॉ. रिजवान अली के क्लीनिक वेल केयर पर पहुंची। पति भी साथ थे। इलाज के दौरान मुझे बेहोशी आ गई। नमाज का वक्त होने पर पति मस्जिद चले गए

थे। नींद खुली तो देखा डॉक्टर गलत हालत में है। शोर मचाना और भागना चाहा तो उसने मुझे धमकाया। बोला- तुम्हारे फोटो-वीडियो बना लिए हैं। डर की वजह से ये बात मैं काफी समय तक छिपाए रही। लेकिन, 30 अगस्त को डॉक्टर मेरे घर में घुस आया। पति काम पर और बच्चे स्कूल गए थे। घर पर कोई नहीं था। डॉक्टर ने मेरे साथ फिर गलत किया। मैंने हिम्मत कर पति को जानकारी दी। इसके बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कराया।

आरोपी के पास डॉक्टर की डिग्री नहीं : एएसपी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया है। नागझीरी थाना प्रभारी विक्रम इवने ने बताया कि आरोपी रिजवान के पास कोई डिग्री या सर्टिफिकेट नहीं है। वह घर पर ही फर्जी तरीके से क्लीनिक चला रहा था।

सिमी के दो आतंकियों को उम्रकैद, एनआईए कोर्ट ने सुनाया फैसला

मास्टरमाइंड अबू फैजल समेत दो को 10-10 साल जेल

भोपाल में NIA की विशेष कोर्ट ने शुक्रवार को सिमी के दो आतंकियों उमर और सादिक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं, आतंकी अबू फैजल और इरफान नागौरी को 10-10 साल की सजा सुनाई गई है। इनमें अबू फैजल मास्टर माइंड है। फैसला शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश रघुवीर पटेल की कोर्ट ने सुनाया। साल 2013 में सेंधवा बॉर्डर पर सिमी आतंकियों ने ATS जवानों पर हमला किया था। इसी मामले में कोर्ट ने सुनवाई की। इरफान नागौरी और अबू फैजल केन्द्रीय जेल भोपाल में बंद हैं। कोर्ट ने 4 लोगों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र उपाध्याय व निरेन्द्र शर्मा, विक्रम सिंह ने पैरवी की।

1 अक्टूबर 2013 को अबू फैजल व उसके साथी खंडवा जेल से दीवार फांद कर फरार हो गए थे। एटीएस आईजी को सूचना मिली कि सिमी आतंकी महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के समीपवर्ती जिले में आने वाले हैं। एटीएस की टीम सेंधवा पहुंची। 23, 24 दिसंबर 2013 के दरमियानी रात अबू फैजल और इरफान नागौरी, खालिद अहमद की एटीएस से मुठभेड़ हुई। इसमें तीनों लोगों ने टीम पर फायरिंग की। एटीएस ने तीनों आतंकियों को दबोच लिया। इनके पास से पिस्टल और कारतूस मिले।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आतंकी गतिविधियों को

अंजाम देने के लिए उन्होंने सोलापुर, महाराष्ट्र के रहने वाले सादिक को विस्फोटक दिया है। एटीएस ने इनकी निशानदेही पर सादिक को पकड़ा। पूछताछ में सादिक ने विस्फोटक का उमेर दंडोती के पास होना बताया। उमेर को पकड़ा, तो उसके पास से पिस्टल, जिलेटिन रॉड, डायनामाइट बरामद हुआ। एटीएस ने मामले में 16 सिमी सदस्यों को आरोपी बनाया। वर्ष 2016 में जेल से फरार सिमी आतंकी अमजद, अकील, जाकिर, शेख महबूब, सालिक, खालिद, शेख मुजीब और माजिद का एनकांउटर कर दिया गया।

स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) भारत में प्रतिबंधित संगठन है। इसका गठन 25 अप्रैल 1977 को अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में हुआ था। सिमी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा है। इसके चलते सिमी भारत में आतंकवादी गतिविधियों में भागीदारी के लिए 2002 में भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया था। सिमी को अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट 1967 (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित किया गया था।

केन्द्रीय जेल भोपाल में शुक्रवार तक 23 सिमी आतंकी बंद थे। अब दो आतंकी और बढ़ गए। जेल अधीक्षक दिनेश नरगावे ने बताया कि अब जेल में सिमी के 25 कैदी हो चुके हैं, जबकि जमात-ए-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) से जुड़े 8 आतंकी जेल में बंद हैं। जेल अधीक्षक ने बताया कि आतंकियों पर विशेष निगरानी रखी जाती है।

किसानों को उपज का मिलेगा पूरा लाभ

ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द उपार्जन केन्द्रों का कर रहे हैं नियमित निरीक्षण

किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा-पूरा लाभ दिलाने के लिये सरकार कृत-संकल्पित है। मंत्री श्री पटेल ने ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द के उपार्जन केन्द्रों के औचक निरीक्षण के दौरान यह बात कही। मंत्री श्री पटेल ने निरीक्षण में उपार्जन संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने आज देवास जिले के खातेगाँव तहसील के ग्राम धायली में उपार्जन केन्द्र श्री ओम लीला वेयर-हाउस का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन केन्द्र में किये गये प्रबंधों का अवलोकन किया। मंत्री श्री पटेल ने निर्देशित किया कि उपार्जन केन्द्रों पर तुलाई इलेक्ट्रॉनिक काँटों से ही की जाये। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार किसान हितैषी सरकार हैं। केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार के अनुरोध पर एक दिन में 25 क्विंटल की उपार्जन सीमा को बढ़ा कर 40 क्विंटल कर दिया है। सरकार द्वारा मूंग का घोषित समर्थन मूल्य 7

हजार 275 रूपये होने से किसानों को लगभग 2 हजार रूपये का अतिरिक्त लाभ मिल रहा है।

खाद आपूर्ति के दिये निर्देश

मंत्री श्री पटेल ने उपार्जन केन्द्र पर मौजूद किसानों से खेती-किसानी संबंधी चर्चा की। मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को डीएपी और यूरिया की कमी नहीं आने दी जाये। उन्हें आवश्यकतानुसार खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

किसानों ने किया आभार व्यक्त

समर्थन मूल्य पर मूंग एवं उड़द का बेहतर प्रबंधन होने से किसानों ने केन्द्र और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। किसानों ने कहा है कि सरकार द्वारा चना, मसूर एवं सरसों का भी समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया गया है। उर्वरक संबंधी सब्सिडी का लाभ भी किसानों को मिल रहा है।

नई शिक्षा नीति में बड़ा निर्णय : सप्लीमेंट्री में भी फेल तो चिंता नहीं, मिलेगा मौका

नई एजुकेशन पॉलिसी की पहली परीक्षा के रिजल्ट को लेकर एक अहम निर्णय लिया गया है। बीबीए, बीकॉम, बीए और बीएससी फर्स्ट ईयर की परीक्षा में जो छात्र पूरक (अधिकतम चार विषयों में) लाएंगे, उन्हें दिसंबर माह में उन विषयों की परीक्षा देना होगी। लेकिन अगर वे दूसरी बार भी इन विषयों (एक-दो,तीन या चारों) में फेल हैं तो भी उसे फेल नहीं माना जाएगा।

यानी जब अगले साल अप्रैल में फर्स्ट ईयर की मुख्य परीक्षा होगी तो इन छात्रों को सभी नौ विषयों की परीक्षा नहीं देना होगी। बल्कि जिस विषय की पूरक परीक्षा में छात्र फेल हुआ है, सिर्फ उसी विषय का परचा देना होगा। यह न्यूनतम एक और अधिकतम चार विषय होंगे। यानी छात्र को पूरे नौ विषयों की तैयारी नहीं करना पड़ेगी। उसे केवल इन्हीं विषयों की तैयारी करना होगी और उसके लिए पर्याप्त समय भी मिलेगा। एग्जाम कंट्रोलर डॉ. अशेष तिवारी के अनुसार इसका फायदा फर्स्ट ईयर के 81 हजार छात्रों को मिलने जा रहा है। साथ ही इससे छात्रों का दो बार सारे विषयों की परीक्षा देने का तनाव भी खत्म होगा।

छात्रों को ऐसे मिलेगा फायदा

1. बीकॉम, बीए, बीबीए, बीसीए और बीएससी फर्स्ट ईयर में छात्र चार विषयों में भी फेल नहीं होंगे। बल्कि वे इन विषयों की पूरक (सप्लीमेंट्री) परीक्षा दे सकेंगे। यह परीक्षा दिसंबर में होगी। इसका रिजल्ट जनवरी में आएगा। अभी जो नियम था उसके मुताबिक जो छात्र पूरक परीक्षा के रिजल्ट में एक विषय में भी फेल होता था, उसे दोबारा फर्स्ट ईयर में ही एडमिशन लेकर सभी विषयों की परीक्षा देना होती थी, लेकिन यहां पूरक के रिजल्ट में छात्र जिस विषय में फेल होगा, सिर्फ उसी विषय की परीक्षा देना होगी।
2. ऐसे छात्र जो एक से लेकर चार विषयों तक की पूरक परीक्षा में पास हो जाएंगे। उन्हें सेकंड ईयर में प्रवेश मिल जाएगा। अगले साल अप्रैल में सेकंड ईयर की परीक्षा में यह छात्र शामिल हो सकेंगे।

विद्यार्थियों के लिए यह है गाइडलाइनः फर्स्ट ईयर की मूल परीक्षा के रिजल्ट में जिन छात्रों को कुल 40 क्रेडिट में से 19 या उससे कम आए तो उसे पूरी तरह फेल माना जाएगा। फिर भले ही उसे एक ही विषय में पूरक आई हो। जिस छात्र का क्रेडिट 40 में से 20 से 39 तक रहा उसे अधिकतम चार विषय में पूरक का पात्र माना जाएगा।
जिस छात्र को 40 क्रेडिट मिलेंगे, वह पास माना जाएगा।

कितने अंकों पर माने जाएंगे पास

बीकॉम, बीए, बीबीए और बीएससी फर्स्ट ईयर में 100 में से कुल 35 अंक लाना अनिवार्य होंगे।
थ्योरी के 70 अंकों के परचे में न्यूनतम 25 और इंटरनल में 30 अंकों में से न्यूनतम 10 अंक लाना होंगे।
फाउंडेशन के चार विषयों में हिंदी में 50 में से 17 और अंग्रेजी में 50 में से 18 अंक अनिवार्य लाना होंगे।
फाउंडेशन के ही दो अन्य विषयों में से इंवॉयरमेंट में 50 में से 17 और योगा में 50 में से 18 अंक लाना होंगे।
एक फायदा यह भी... पहले छात्रों को पांच में से एक विषय में पूरक मिलती थी। अब नौ में से चार में मिलेगी। ज्यादा विषयों में पूरक मिलने से छात्र का साल खराब नहीं होगा। जो छात्र ईमानदारी से पढ़ाई कर आगे की क्लास में पहुंचना चाहते हैं उन्हें एक मौका मिल सकेगा। वे दिसंबर की परीक्षा में पास होंगे तो तत्काल सेकंड ईयर में प्रवेश मिल जाएगा। उनका साल बचेगा। परीक्षा में इस बार पैटर्न भी बदला गया था। इसमें लघु उत्तरीय, अति लघु उत्तरीय व दीर्घ उत्तरीय के कुल 9 प्रश्न पूछे गए थे। 3 अंकों के चार, सात अंकों के 4 और 15 अंकों के दो प्रश्न पूछे गए।

लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई, साथी कर्मचारी से रिश्वत लेते बोला अफसर

आजकल लोकायुक्त एक्टिव है, चुपचाप पैसे दो... और रंगेहाथ पकड़ा गया

लोकायुक्त पुलिस ने मूल रूप से इंदौर के रहने वाले घूसखोर जनपद पंचायत के उपयंत्री को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा है। फिलहाल वह झाबुआ जिले की राणापुर तहसील में पदस्थ है। उपयंत्री देवेंद्र सिंह ठाकुर (प्रजापत नगर इंदौर) सरकारी कर्मचारी से ही रिश्वत ले रहा था।

तालाब निर्माण की राशि का बिल जारी करने के एवज में वह पंचायत सचिव कल्याण सिंह से डिमांड कर रहा था। पंचायत सचिव ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस से की थी। गुरुवार शाम को जब पंचायत सचिव रिश्वत के रंग लगे नोट लेकर देने पहुंचा तो उपयंत्री बोला- देखना आजकल लोकायुक्त पुलिस बहुत सक्रिय है। तुम तो कहीं शिकायत करके नहीं आ गए...। आसपास कोई देख तो नहीं रहा। हाथ मिलाने के बहाने पैसे चुपचाप दे दो। पंचायत सचिव ने जैसे ही नोट दिए, उपयंत्री ठाकुर ने वह पेंट की जेब में रख लिए। डीएसपी दिनेश पटेल ने उसे कुछ समय बाद ही पकड़ लिया।

सैलून सेंटर की आड़ में चल रही था शराबखोरी और जिस्मफरोशी...

आरोपियों से यौनाचार से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री, अंग्रेजी शराब की बोतल, हुक्का सामग्री हुई बरामद

इंदौर क्राईम ब्रांच इंदौर की टीम को मुखबिर तंत्र के माध्यम से सूचना मिली थी कि पलासिया क्षेत्र गीता भवन चौराहा श्री बालाजी हाइट 4 फ्लोर पर हैलो स्पा एण्ड यूनिसेक्स सैलून के नाम से संचालित सैलून सेंटर की आड़ में अवैध रूप से शराबखोरी व हुक्के के साथ अनैतिक यौन कृत्य व देह व्यापार की गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है* जिसमें युवतियों से देह व्यापार कराया जा रहा है। प्राप्त सूचना की पुष्टि हेतु क्राईम ब्रांच ने रैकी की जहां पर कुछ गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं जिस पर क्राईम ब्रांच टीम ने थाना पलासिया के साथ संयुक्त कार्यवाही कर हैलो स्पा एण्ड यूनिसेक्स सैलून के नाम से संचालित Spa सेंटर में छापामार कार्यवाही की गई। जहां मौके पर केबिनों में कई युवक–युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में मिले व कुछ आपत्तिजनक यौन सामग्री भी बरामद हुई।

क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में सैलून संचालक सहित 06 युवतियों व 13 युवकों को मौके से भी पकड़े गये जोकि यौनाचार एवं शराबखोरी करते हुए अवैध लाभ अर्जित कर देह व्यापार का अड्डा,सैलून सेंटर की आड़ में संचालित कर रहे थे। गिरफ्तार किये गये युवकों में से (1). सुनील गुप्ता पिता मोजीराम गुप्ता निवासी 302 स्कीम नं 54, विजयनगर इंदौर उक्त सैलून सेंटर का कर्ताधर्ता है जिसके द्वारा ग्राहकों से 02 से 05 हजार रुपए प्राप्त करके कुछ हिस्सा युवती को देकर जिस्मफरोशी के कारोबार को संचालित किया जा रहा था। शेष पकड़ाए युवकों के नाम (2). विशाल पिता सुनील गुप्ता निवासी 302, स्कीम 54 विजय नगर इंदौर (3).मनोज पिता रामजीलाल शर्मा 302, स्कीम 54 विजयनगर इंदौर , (4). अमन पिता अनवर शेख निवासी 630 आजादनगर इंदौर, (5). ऋषिपाल पिता राजेंद्र प्रसाद पाल निवासी 8c स्वर्ण वाटिका, तिलक नगर इंदौर, (6). बैजनाथ पिता भगवान सिंह गुर्जर निवासी ग्राम बडागांव, जिला धौलपुर, राजस्थान (7). गणपत पिता पप्पू नाई निवासी ग्राम मनिया जिला धौलपुर, राजस्थान (8). संतोष पिता मुन्नी लाला यादव निवासी ग्राम बुधोड़, जिला टीकमगढ़ (9). विकास मिश्रा पिता प्रभुनारायण निवासी 295 मालवीय नगर, इंदौर (10). कुशाल पिता भेरूलाल कुंभकार निवासी गणेश नगर इंदौर (11). रजत पिता मदन लाल मुकाती निवासी तिलोर खुर्द इंदौर (12).आशीष पिता दिलीप जाड़े निवासी नालवाड़ी, वर्धा महाराष्ट्र,(13). जावेद खान पिता कलीम निवासी 115 गीता नगर चंदन नगर इंदौर हैं। मौके पर कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम ने पाया कि अलग–अलग केबिन में ग्राहकों के साथ सभी युवतियां निर्वस्त्र अवस्था में थी जहां पर यौन क्रिया में प्रयोग होने वाली आपत्तिजनक सामग्री मिली एवं स्पा/सैलून की आड़ में हुक्का व शराबखोरी करवाते हुए देह व्यापार संचालित किया जाना पाया।

आरोपियों के कब्जे से शराब की बोतल, हुक्का सामग्री सहित अन्य कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद कर थाना पलासिया में सभी आरोपियों के विरुद्ध अनैतिक व्यापार अधिनियम की धारा 3,4,5,6, एवं आबकारी अधिनियम के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है

एक दर्जन से ज्यादा बड़े अवैध निर्माण चिह्नित

सालों बाद इंदौर में किसी चर्चित और बड़ी बिल्डिंग को तोड़ा गया। एबी रोड पर बाहेती-पंजवानी व अन्य पार्टनरों द्वारा निर्मित किए गए मॉल पर जिस तरह से निगम ने कार्रवाई की, उससे शहरभर के बिल्डर दहशत में आ गए और उनकी नींद उड़ गई है। एक दर्जन से ज्यादा ऐसे बड़े अवैध निर्माण निगम ने चिह्नित कर रखे हैं, जिनमें से कुछ को पिछले दिनों सील भी किया गया और नोटिस भी थमाए हैं। कुछ ने कोर्ट-कचहरी भी शुरू कर दी, मगर निगम का कहना है कि अवैध निर्माण अंततः टूटेंगे ही। एबी रोड, योजना क्र. 140, योजना क्र. 54 विजय नगर से लेकर साकेत, कनाडिया, खंडवा रोड सहित शहर के अन्य क्षेत्रों की बिल्डिंगों को निगम ने तोडफ़ोड़ के लिए चिह्नित कर रखा है और इन बिल्डिंगों को कार्यपूर्णता व अधिभोग प्रमाण-पत्र भी जारी नहीं किए जा रहे हैं।

भूमाफियाओं पर कलेक्टर मनीष सिंह ने जहां शिकंजा कसा, वहीं अब बिल्डरों की बारी आई है, जिसकी शुरुआत एबी रोड स्थित पंजवानी के मॉल से की गई। पिछले दिनों निगमायुक्त प्रतिभा पाल ने एक दर्जन से ज्यादा ऐसे बड़े अवैध निर्माणों को चिह्नित कर सील करने, नोटिस देने और खुलने वाले शोरूमों का काम रुकवाया भी। योजना 140 में राधिका देवकॉन के करतर बलभानी द्वारा भी एक ऐसी बिल्डिंग बनाई जा रही है तो मूसाखेड़ी क्षेत्र में प्लिफटॉन, वहीं एबी रोड पर पार्कलेन, हेड क्वाट्र्स के साथ ही उसकी एक अन्य बिल्डिंग योजना 54 के भूखंड 128, 129 पर मुकेश अग्रवाल व अन्य द्वारा निर्मित ट्विन टॉवर, मैरिएट के सामने स्थित द इम्प्रेस, जहां कोचिंग क्लास का संचालन किया जा रहा है, के अलावा खंडवा रोड स्थित टाइम्स स्क्वेयर, सूर्या होटल के पास स्थित बिल्डिंग, डोलसी एंड सिमरन सहित अन्य निर्माण चिह्नित किए गए हैं।

ट्विन टॉवर से लें सबक, वैध निर्माण ही करें : प्रतिभा पाल

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों नोएडा के दो विशाल ट्विन टॉवर जमींदोज करवाए, उससे इंदौर के भी बिल्डर सबक लें। निगमायुक्त प्रतिभा पाल का स्पष्ट कहना है कि स्वच्छता की तरह वैध निर्माणों के मामले में भी इंदौर अव्वल रहे। यहां पर कई कम्पनियां आ रही हैं। उनके साथ भविष्य में धोखा न हो, इसलिए अभी से निगम इस तरह के अवैध निर्माणों को चिह्नित कर कार्रवाई कर रहा है।

जातिगत आधार पर बने शहर कांग्रेस अध्यक्ष, कमलनाथ से की मांग...

जब अजा, अजजा, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों की जनसंख्या ज्यादा है तो हमें नेतृत्व क्यों नहीं ?

कॉंग्रेस संगठन की स्थिति की समीक्षा के बाद प्रदेश कॉंग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सिद्धांतिक तौर पर इंदौर में चार कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का मन बना लिया हैं। कांग्रेस पार्टी के संविधान अनुसार मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मध्य प्रदेश में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्ति करने जा रही है कांग्रेस पार्टी के संविधान में मध्य प्रदेश में 20 परसेंट जिलाध्यक्ष S.C के होना चाहिए और 16 नगर निगमों में शहर कांग्रेस अध्यक्ष 20 परसेंट होना चाहिए ऐसा नियम संविधान मैं उल्लेख है ! इसी के अंतर्गत परिवर्तन होना निश्चित है !

मध्य प्रदेश कांग्रेसअध्यक्ष कमलनाथ एवं संगठन के प्रभारी एंव कोर कमेटी सहित अन्य बड़े नेता विचार विमर्श कर रहे हैं दूसरी ओर पिछड़ा वर्ग,अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक वर्ग से युवा एवं संगठन को समझने वाले नेताओं को बनाए जाए यह मांग सभी जिलों शहरों से हो रही है। इंदौर शहर कांग्रेस पार्टी में आपसी जातिगत समन्वय स्थापित नहीं कर पायें हैं।

बड़ी उपलब्धि नहीं होने के कारण शीर्ष नेतृत्व द्वारा मध्य प्रदेश के औद्योगिक राजधानी इंदौर शहर मैं अपनी तीखी नजर बनाए हुए हैं वर्तमान में इंदौर शहर मैं आयोजित इंदौर शहर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग सक्रिय कार्यकर्ताओं द्वारा दलित महा सम्मेलन में इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारी गण और अन्य पदाधिकारी शहर कांग्रेस के जिम्मेदार पदाधिकारी सूचना देने के बावजूद उपस्थित नहीं हुए थे। इस बात की शिकायत भोपाल स्थित आयोजित अनुसूचित जाति महासम्मेलन में कमलनाथ जी को लिखित की गई है। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार भी नाराज हैं उन्होंने भी संगठन स्तर पर इस बात की शिकायत की है! इंदौर से कांग्रेस के रवैया से ऐसा माना जाता है कि जातिवाद एवं दलित समाज के कई बड़े नेता द्वारा अपने स्वार्थ के चलते भाई भतीजावाद का आरोप कांग्रेस संगठन मैं लगाया जा रहा हैं। इन सभी बातों को गंभीरता से लेते हुए अति शीघ्र मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ जी एवं संगठन प्रभारी विचार विमर्श कर युवा नेतृत्व देने की तैयारी में है जो संगठन की राजनीतिक में निस्वार्थ विशेष रूचि लेते हैं जिसमें अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक वर्ग से कार्यकारी अध्यक्ष बनाना तय है अनुसूचित जाति से युवा नेतृत्व के रूप में नया नेतृत्व निकलेगा! कांग्रेस पार्टी को सबसे ज्यादा वोट देने वाले अनुसूचित जाति वर्ग जनजातीय वर्ग पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग है प्रदेश में जनसंख्या के आधार पर बहुसंख्यक है फिर हमारा नेतृत्व हमें क्यों नहीं दिया जाता है ! इस विषय को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव तेज प्रकाश राणे द्वारा खुले रूप से लिखित शिकायत एवं मांग की है तत्काल कांग्रेश संविधान के अनुसार अध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष जातिगत आधार पर बनाए जाएं!

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रखवबचंद्र बाबेल पंचतत्व में विलिन, राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले इन्दौर के वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं इन्दिरा गांधी के हाथों ताम्रपत्र से सम्मानित रखबचंद्र बाबेल का निधन आज हो गया, जिनकी अंतिम यात्रा निवास स्थान 16, इन्दिरागांधी नगर, केशर बाग रोड़, पुराना आरटीओ ऑफिस के पास, इन्दौर से पंचकुइया मुक्तिधाम पर मुखाग्नि दी गई। अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 1942 के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाकर देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व निछावर करने वाले देश के महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रखबचंद्र बावेल का आज निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ पंचकुइया मुक्ति धाम पर किया गया।

इस मौके पर राऊ एसडीएम प्रतुल सिन्हा, एएसपी बी.पी.एस. परिहार, टी.आई. गोपाल परमार, तहसीलदार सुरेन्द्र गौड़ ने शासन की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ आनर डी.आर. पी. लाईन के श्री पाण्डे द्वारा श सलामी देकर तीन चक्र गोली श्री बाबेल के सम्मान में आसमान में छोड़कर अंतिम विदाई दी। मुखअग्नि राजेन्द्र बाबेल के साथ उनके परिजनों ने दी। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश मिण्डा, मनोज सुले राऊ, लाला गुरू, गणेश वर्मा, ओ.पी. वर्मा के साथ-साथ जैन समाज के वरिष्ठजन सुभाष विनायकया, कमल मेहता, ओमप्रकाश गर्ग, शैलेष जैन, बी.एल. जैन, रमण जैन, नरेन्द्र गादिया, कमल जैन, राजकुमार देशलहरा आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आनंद मोहन माथुर और अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, म.प्र. के पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, मनोहर धवन ने श्री बाबेल को शोक संदेश के माध्यम से श्रद्धांजलि दी।

विभिन्न समाज के प्रबुद्ध नागरीकगण एवं मातृशक्ति ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्री बाबेल को अंतिम विदाई दी एवं श्री बाबेल के सम्मान में मातृशक्तियों के राष्ट्रीय नारों से मुक्तिधाम गुंज उठा।

बिजली विभाग के कनिष्ठ यंत्री और उसके ड्राइवर को रिश्वत लेते पकड़ा

इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने की कार्रवाई, 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा

इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के डेली कालेज जोन के कनिष्ठ यंत्री गयाप्रसाद वर्मा और उसके ड्रायवर गयासुद्दीन पिता मोइनउद्दीन को 40 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। लोकायुक्त पुलिस के अनुसार कनिष्ठ यंत्री गयाप्रसाद वर्मा ने बिजली चोरी का प्रकरण निरस्तारण करने के मामले में यह रिश्वत मांगी थी। आवेदक आजाद नगर निवासी सुजाद खान ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस को की थी, जिसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप कार्रवाई की।

आवेदक सुजाद के अनुसार मार्च 2021 में एमपीईबी की उड़नदस्ता टीम ने उसके घर में बिजली चोरी का 83000 रुपये का पंचनामा बनाया था। जब साजिद ने यह राशि जमा नहीं की तो लगभग 15 दिवस पूर्व उसके घर की बिजली का कनेक्शन काट दिया। इसके बाद साजिद ने विजिलेंस कार्यालय में तुरंत प्रभाव से 30 हजार रुपये जमा करवाकर बिजली कनेक्शन चालू करवाया। इस समय आरोपित कनिष्ठ यंत्री गयाप्रसाद ने ड्रायवर गयासुद्दीन के माध्यम से आवेदक सुजाद खान से संपर्क किया और प्रकरण निस्तारण के लिए 40 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। सुजाद खान ने इस बात की शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय लोकायुक्त में जाकर की।

इसके बाद सुजाद कि शिकायत का सत्यापन कराया गया। आवेदक से बातचीत के दौरान आरोपितों द्वारा 40 हजार रुपये में प्रकरण का निराकरण करने की बात तय हुई, जिसकी पहली किश्त 10 हजार के रूप में आज देना तय हुआ। शेष राशि प्रकरण के निराकरण के बाद देना तय किया गया था। इसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने ट्रैप टीम का गठन किया और मंगलवार को आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनके विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा-7 एव भादवि की धारा 120बी के तहत कार्यवाही अभी जारी है।

खंडवा से इंदौर जा रही बस नदी में गिरी

टीचर समेत 2 की मौत, 20 से ज्यादा यात्री गंभीर; सनावद-धनगांव के बीच हुआ हादसा

इंदौर। खंडवा जिले में बड़ा बस हादसा हुआ है। अब तक महिला टीचर समेत दो यात्रियों की मौत की सूचना है। 20 से ज्यादा यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। मंगलवार शाम स्टेट हाईवे-27 से बस भूतिया नदी में गिर गई। हादसा सनावद और धनगांव के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि बस में 40 पैसेंजर सवार थे। घटनास्थल पर इमरजेंसी 108 की 7 एंबुलेंस पहुंचाईं गईं। घायलों को धनगांव और सनावद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खंडवा से एसपी विवेक सिंह और कलेक्टर अनूप कुमार सिंह भी घटनास्थल पहुंचे। बस खंडवा से इंदौर जा रही थी। एसपी के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने के बाद मदद के लिए पुलिस बल और रेस्क्यू टीम को तुरंत रवाना कर दिया गया। इसी दौरान खंडवा और सनावद अस्पताल में इमरजेंसी के लिए मैसेज दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस के नदी में गिरने की सूचना के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीण किनारे से नदी में उतरे और लोगों को बाहर निकालने में मदद की। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही की नदी में पानी कम था। इससे यात्रियों को संभलने का मौका मिल गया। यात्रियों ने बस का दरवाजा खोला और बाहर निकले। इसके बाद कुछ यात्री खिड़की के सहारे भी बाहर निकले। ग्रामीणों ने यात्रियों को रस्सी के सहारे बाहर निकलने में मदद की। बताया जा रहा है कि नदी से पुल की ऊंचाई करीब 10 फीट है। बस ड्राइवर ने आगे जा रही गाड़ी को ओवरटेक करने की कोशिश की, इसी दौरान ये हादसा हो गया। बारिश की वजह से रोड पर फिसलन है। खंडवा के दौड़वा हायर सेकेंडरी स्कूल में पदस्थ अतिथि शिक्षक राधा वर्मा की हादसे में मौत हो गई। वे बड़वाह (खरगोन) की रहने वाली थीं। उनके ही स्कूल के शिक्षक त्रिलोकचंद भी हादसे में घायल हुए हैं। दूसरे मृतक का नाम कैलाश निवासी रोशिया बताया जा रहा है।

बादलों के ऊपर बना दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब ब्रिज...

भारतीय रेल मंत्रालय ने शेयर की मनमोहक तस्वीरें

रेल मंत्रालय ने ट्विटर पर बादलों के ऊपर खड़े दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब ब्रिज की कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं। दिन के अलग-अलग समय के दौरान ली गई चार तस्वीरों में चिनाब पुल को दिखाया गया है।

रेल मंत्रालय ने ट्विटर पर बादलों के ऊपर खड़े दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब ब्रिज की कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं। दिन के अलग-अलग समय के दौरान ली गई चार तस्वीरों में चिनाब पुल को दिखाया गया है, जिसका स्टील सूरज की रोशनी में चमक रहा है, जो नीले आसमान और ऊंचे पहाड़ों के बीच बहुत खूबसूरत लग रहा है। मंत्रालय ने ट्विटर पर पोस्ट किए लुभावने खूबसूरत चिनाब ब्रिज का नजारा आप यहां देख सकते हैं।

तस्वीरों ने इंटरनेट को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया है। यह जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच निर्मित एक कंक्रीट का मेहराबदार पुल है। एक इंजीनियरिंग चमत्कार, चिनाब ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। इस साल दिसंबर से इस पुल के रेल यातायात के लिए खुलने की उम्मीद है। तस्वीरों में आप पुल को बादलों के बीच से झांकते हुए देख सकते हैं। यह देखने लायक नजारा है। जम्मू-कश्मीर में रियासी जिले के कौरी इलाके में चिनाब नदी पर बना यह पुल 14 अगस्त को उस समय चर्चा में था, जब पुल के ऊपरी डेक को सुनहरे जोड़ से पूरा किया गया था। नदी के तल से 359 मीटर ऊपर खड़े इस पुल में 93 डेक खंड शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक का वजन लगभग 85 टन है, जो लगभग 75 किमी दूर कटरा (जम्मू) को काजीगुंड (कश्मीर) से जोड़ने वाली सिंगल लाइन पर है।

यह पुल 272 किलोमीटर के उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (USBRL) परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू को कश्मीर घाटी के साथ हर मौसम में उच्च गति विकल्प के रूप में जोड़ना है। 272 किमी लंबी रेलवे लाइन में देश की सबसे लंबी सुरंग T-49 (12.75 किमी) और 927 बड़े और छोटे पुल (कुल लंबाई 13 किमी) के साथ 38 सुरंग (कुल लंबाई 119 किमी) होगी। चिनाब रेलवे ब्रिज के अलावा कश्मीर को जोड़ने के लिए उबड़-खाबड़ इलाकों में 16 अतिरिक्त पुल भी बनाए जा रहे हैं।

भारतीय संस्थानों के साथ

तालमेल को बढ़ावा देने के लिए न्यूयॉर्क में केंद्र की शुरुआत

भारतीय सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों और'सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क' (सीयूएनवाई) के बीच सुदृढ़ एवं समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां एक नये केन्द्र की शुरुआत की गई है। भारतीय सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों और'सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क' (सीयूएनवाई) के बीच सुदृढ़ एवं समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां एक नये केन्द्र की शुरुआत की गई है। भारत की ओर से अनुसंधान और शिक्षा सहयोग के लिए की गई पहल के अनुसार 'सीयूएनआई क्रेस्ट संस्थान' (आईआईसीसीसीआई) की नौ सितंबर, को आधिकारिक तौर पर ब्रोंक्स कम्युनिटी कॉलेज (बीसीसी) में शुरुआत की गई। यह संस्थान दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति दोनों के क्षेत्र में विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध करायेगा। बीसीसी के अध्यक्ष थॉमस इसेकेनेगबे और सीयूएनवाई के अध्यक्ष विन्सेंट बौद्रेउ द्वारा एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।उन्होंने बीसीसी और महाराष्ट्र के तीन राज्य विश्वविद्यालयों के बीच हस्ताक्षरित रुचियों का विवरण (स्टेटमेंट ऑफ इंट्रेस्ट) भी साझा किया। कार्यक्रम के दौरान जारी किए गए एक बयान में कहा गया किआईआईसीसीसीआई मिशन का उद्देश्य सीयूएनवाई और भारतीय शैक्षणिक संस्थानों, संघीय संस्थाओं और निजी उद्यम के बीच मजबूत और समावेशी सांस्कृतिक, सामाजिक

एवं शैक्षणिक तालमेल को बढ़ावा देना है। बयान के अनुसार इस मौके पर न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल ने भारत और अमेरिका के बीच 75 साल के राजनयिक संबंधों पर प्रकाश डाला और भारतीय समकक्षों के साथ आईआईसीसीसीआई के सहयोगात्मक कार्य के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्री ने आवासहीन विस्थापितों को दिए पट्टे

गरीबों को बेघर किया था, उन्हीं के श्राप से गिरी थी कमलनाथ सरकार : सिंधिया

कांग्रेस प्रदेश की सत्ता में 15 साल बाद लौटी थी लेकिन उस सरकार ने ग्वालियर में गरीब जनता के मकान तोड़कर उन्हें बेघर किया था और उन्हीं गरीबों का श्राप कमलनाथ सरकार को लगा, तो वह गिर गई। ये बात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कही।

वे सोमवार को बाल भवन परिसर में आयोजित पट्टा वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने इस कार्यक्रम में हुरावली, डोंगरपुर, सिरोल, रामनगर के आवासहीन विस्थापितों को पट्टे दिए। सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस की बेरहम सरकार ने गरीबों पर बुलडोजर चलाकर हिटलरशाही दिखाई थी। उन आवासहीन परिवारों के लिए लिए मुन्नालाल गोयल ने कई वर्षों तक लड़ाई लड़कर पट्टे दिलाते हुए वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जब गोयल ने मुझसे इस मामले को लेकर चर्चा की तो मैंने कहा था कि आप अपनी लड़ाई जारी रखो। हम सब आपके साथ लड़ेंगे। बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल ने कहा कि मैंने गरीबों के आशियाने टूटने के बाद बच्चों को कड़कती ठंड खुले आसमान के नीचे बिलखते हुए देखा है। आशियाना टूटने के बाद एक गरीब परिवार के मुखिया रामदुलारे की मौत के मंजर को देखा।

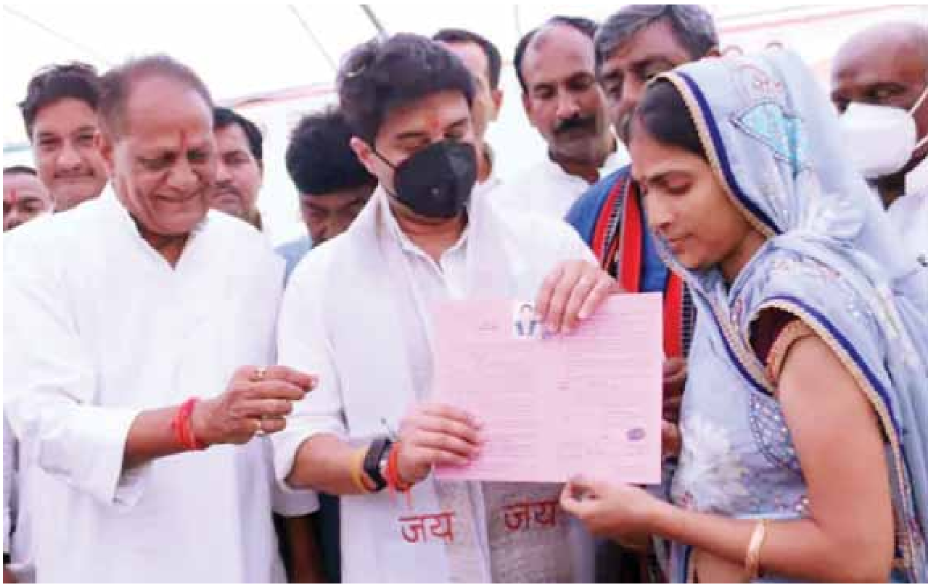

उस समय मैं कांग्रेस का विधायक था मैंने उसी समय संकल्प लिया कि जब तक इन परिवारों का पुनर्वास नहीं हो जाता। तब तक मेरी लड़ाई जारी रहेगी। आज इन 538 आवासहीन गरीब परिवारों के लिए सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी बनने का सपना पूरा होने जा रहा है। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भाजपा शहर अध्यक्ष कमल माखीजानी मौजूद थे।

केदारपुर की इस कॉलोनी में बीएलसी व आश्रय योजना के अंतर्गत आवास बनाए जाएंगे। इस कॉलोनी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक भवन, खेल मैदान, पार्क आदि बनाई जाएंगी। सड़क, सीवर, पानी, बिजली जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

सभापति ने गिनाईं सिंधिया की उपलब्धिः कार्यक्रम में सभापति मनोज तोमर ने कहा कि सिंधिया ग्वालियर के विकास को लेकर बड़े प्रोजेक्ट लेकर आ रहे हैं। एलिवेटेड रोड, एयरपोर्ट विस्तार, स्टेशन पर सुविधाएं, आवास प्रोजेक्ट और आईएसबीटी समेत कई प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिन पर काम कर रहे हैं।

बिना आईडी प्रूफ के गरबा में नो एंट्री

एमपी में बिना आईडी गरबा में नो एंट्री लगा दी गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने नवरात्रि में गरबा कराने वाले संस्थानों को आइडेंटी कार्ड के बिना प्रवेश नहीं देने की नसीहत दी। मंत्री ठाकुर ने कहा कि गरबा पंडाल लव जिहाद का बड़ा माध्यम बन गये हैं। अब सभी गरबा आयोजक सतर्क और सजग रहे। गरबा पांडाल में जो भी आए आइडेंटी कार्ड लेकर आए। बगैर पहचान के गरबो में कोई प्रवेश कर नहीं कर सके। ये सब के लिए सलाह भी है और नसीहत भी है। नवरात्रि से पहले ग्वालियर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने बड़ा बयान के साथ ही चेतवनी भी दी है। ग्वालियर पहुंची पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि गरबा पंडाल लव जिहाद का बड़ा माध्यम बन चुके हैं। मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि आज सभी गरबा आयोजक सतर्क और सजग हैं। अब गरबा पांडाल में जो भी आए आइडेंटी कार्ड लेकर आए। बगैर पहचान के गरबो में कोई प्रवेश कर नहीं सकता है। ये सब के लिए सलाह भी है और नसीहत भी है। मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि हमारे लोग और सहयोगी संगठन सभी जागरूक है क्योंकि गरबा पांडाल लव जिहाद का बड़ा माध्यम बन गए थे। इसलिए अब जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति अपनी पहचान छुपाकर गरबा पांडाल में ना आए।

बयान का संस्कृति बचाओ मंच ने किया समर्थन

वहीं पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर के बयान का हिन्दू संगठन संस्कृति बचाओ मंच ने समर्थन किया है। चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि गरबा एंट्री से पहले पंचगव्य पिलाना चाहिए,जिससे आत्मा की शुद्धि हो। जो पंचगव्य नहीं पिएगा वो हमारे धर्म का है ही नहीं। गरबा मां की आस्था का केंद्र है। वहां दूसरे धर्म वालों का क्या काम। आज गरबा का व्यवसायीकरण हो चुका है। गरबा केंद्रों में बस आजकल अश्लीलता और फूहड़ता होती है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से यूक्रेन में संघर्ष समाप्त करने का आह्वान किया

मोदी ने कहा, 'आज दुनिया, खासकर विकासशील देशों के सामने सबसे बड़ी चिंता, खाद्य सुरक्षा, ईंधन सुरक्षा, उर्वरक की है। हमें इन समस्याओं के उपाय खोजने चाहिए और आपको भी इस पर विचार करना होगा। हमें इन मुद्दों पर बात करने का मौका मिलेगा।' फरवरी में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच आमने-सामने की यह पहली मुलाकात थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत में यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि ''आज का युग युद्ध का नहीं है।'' प्रधानमंत्री ने वैश्विक खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा संकट के समाधान के लिए मार्ग तलाशने का भी आह्वान किया। समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर एक द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने यूक्रेन में अस्थिरता को जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान करते हुए ''लोकतंत्र, संवाद और कूटनीति'' के महत्व को रेखांकित किया।

मोदी ने कहा, ''आज दुनिया, खासकर विकासशील देशों के सामने सबसे बड़ी चिंता, खाद्य सुरक्षा, ईंधन सुरक्षा, उर्वरक की है। हमें इन समस्याओं के उपाय खोजने चाहिए और आपको भी इस पर विचार करना होगा। हमें इन मुद्दों पर बात करने का मौका मिलेगा।'' फरवरी में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच आमने-सामने की यह पहली मुलाकात थी। मोदी ने कहा, ''मुझे पता है कि आज का युग युद्ध का नहीं है। हमने इस मुद्दे पर आपके साथ कई बार फोन पर चर्चा की है कि लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद पूरी दुनिया को छूते हैं।

हमें आज बात करने का अवसर मिलेगा कि हम आने वाले दिनों में किस तरह शांति के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं।'' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने यूक्रेन में मौजूदा संघर्ष के संदर्भ में अस्थिरता को जल्द समाप्त करने और बातचीत तथा कूटनीति की आवश्यकता के लिए अपने आह्वान को दोहराया। पुतिन ने मोदी से कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष पर भारत की चिंताओं से अवगत हैं और रूस इसे जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। पुतिन ने अपनी शुरुआती टिप्पणियों में कहा, ''मैं यूक्रेन में संघर्ष पर आपकी स्थिति के बारे में जानता हूं। मैं आपकी चिंताओं के बारे में समझता हूं।

मुझे पता है कि आप इन चिंताओं को साझा करते हैं और हम सभी जल्द से जल्द इन सभी का अंत चाहते हैं।'' रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन ने वार्ता प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया है और वह ''सैन्य रूप से युद्ध के मैदान पर अपने उद्देश्यों'' को प्राप्त करना चाहता है। पुतिन ने मोदी से कहा, ''हम आपको वहां होने वाली हर चीज से अवगत कराएंगे।'' बैठक के बाद मोदी ने बातचीत को 'शानदार' बताया। मोदी ने ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति पुतिन के साथ शानदार बैठक हुई। हमें व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में भारत-रूस सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने का अवसर मिला। हमने अन्य द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।''

प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति पुतिन के साथ शानदार मुलाकात हुई। हमें व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में भारत-रूस सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने का अवसर मिला। हमने अन्य द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।'' विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर गति की सराहना की, जिसमें विभिन्न स्तरों पर संपर्क शामिल हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। मंत्रालय ने कहा, ''वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के संदर्भ में वैश्विक खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और उर्वरकों की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई।

18 वर्षीय लड़के ने हैक कर लिया उबर का नेटवर्क

उबर प्रवक्ता ने कहा, हैकर ने अमेजन और गूगल द्वारा होस्ट किए गए क्लाउड वातावरण तक पूरी पहुंच हासिल कर ली थी। यहां से उबर अपने स्रोत कोड और ग्राहक डाटा का संग्रह करता है। कैब बुकिंग प्लेटफॉर्म उबेर के कंप्यूटर नेटवर्क में बड़ी सेंधमारी हुई है। मात्र 18 साल के एक हैकर उसके नेटवर्क की सुरक्षा भेदते हुए वह उसके कानून प्रवर्तन तक पहुंच बना गया। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि इससे उबर कितना प्रभावित हुआ लेकिन कंपनी को अपना आंतरिक संचार व इंजीनियरिंग सिस्टम बंद करना पड़ गया। माना जा रहा है कि उबर का यह सिस्टम काफी प्रभावित हुआ है।

कंपनी ने कहा है कि साइबर सुरक्षा से जुड़े इस मामले की जांच की जा रही है। उबर के प्रवक्ता सैम करी ने बताया कि हैकर ने एक कर्मचारी के वर्कप्लेस मैसेजिंग ऐप स्लैक का एक्सेस हासिल कर लिया। इसका इस्तेमाल करके हैकर ने उबर कर्मचारियों को मैसेज भेजा कि कंपनी डाटा ब्रीच का शिकार हुई है। उन्होंने कहा, फिलहाल यूजरों का डाटा लीक होने की जानकारी सामने नहीं आई है। सैम करी ने कहा, कंपनी की प्रयोगशाला के एक इंजीनियर ने हैकर के साथ संचार भी किया। हैकर ने बताया कि वह 18 वर्ष का है और कई साल से अपनी साइबर सुरक्षा स्किल पर काम कर रहा है। उसने बताया कि उबर की सुरक्षा प्रणाली कमजोर थी। इसी वजह से वह उसमें आसानी से सेंध लगा सका। उबर प्रवक्ता ने कहा, हैकर ने अमेजन और गूगल द्वारा होस्ट किए गए क्लाउड वातावरण तक पूरी पहुंच हासिल कर ली थी। यहां से उबर अपने स्रोत कोड और ग्राहक डाटा का संग्रह करता है।

धर्म गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद का निधन... उत्तराधिकारी नियुक्त

अविमुक्तेश्वरानंद ज्योतिष पीठ के और सदानंद शारदा पीठ के प्रमुख मनोनीत

द्वारकापीठ शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का निधन हो गया है। उनकी उम्र 99 वर्ष की थी। उनका निधन मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में हुआ। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। स्वरूपानंद सरस्वती को हिंदुओं का सबसे बड़ा धर्मगुरु माना जाता था। स्वानी स्वरूपानंद का जन्म भी मध्य प्रदेश में सिवनी में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर शोक जताया है। उन्होंने लिखा कि द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। शोक के इस समय में उनके अनुयायियों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति! गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी के निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। सनातन संस्कृति व धर्म के प्रचार-प्रसार को समर्पित उनके कार्य सदैव याद किए जाएँगे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और स्वामी सदानंद सरस्वती होंगे शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के उत्तराधिकारी

द्वारकापीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का उत्तराधिकारी कौन होगा इसका फैसला हो गया है. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी को ज्योतिषपीठ बद्रीनाथ और स्वामी सदानंद सरस्वती जी को द्वारका शारदा पीठ का प्रमुख घोषित किया गया है. इन दोनों के नाम की घोषणा शंकरचार्य जी की पार्थिव देह के सामने स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के निजी सचिव स्वामी सुबुधानंद सरस्वती ने की. बता दें कि स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने अपने दो शिष्य को दंडी स्वामी परंपरा के अनुरूप शिक्षा दी थी. जिसमें पहले और बड़े शिष्य स्वामी सदानंद सरस्वती और दूसरे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती हैं. यह दोनों ही उनके उत्तराधिकारी की रेस में शामिल थे. बड़े शिष्य के रुप में स्वामी सदानंद सरस्वती को उन्होंने कई अहम कर्तव्य सौंपे और उन्हें शास्त्र सम्मत किस्म के धार्मिक अनुष्ठानों से जोड़ा. स्वामी सदानंद सरस्वती को जीवित रहते शंकराचार्य ने द्वारका शारदा पीठ के प्रमुख के तौर पर नियुक्त किया, यही नहीं वहां की जिम्मेदारियां भी सौंपी थी।

कौन हैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

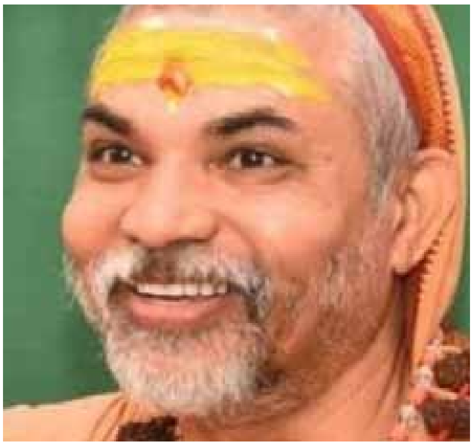

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का जन्म उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में हुआ. पूर्व नाम उमाकांत पांडे था. छात्र जीवन में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रनेता भी रहे. वह युवावस्था में शंकराचार्य आश्रम में आए. ब्रह्मचारी दीक्षा के साथ ही इनका नाम ब्रह्मचारी आनंद स्वरूप हो गया. बनारस में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती द्वारा दंडी दीक्षा दिए जाने के बाद इन्हें दंडी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के नाम से जाना जाने लगा. वह उत्तराखंड बद्रिकाश्रम में शंकराचार्य के प्रतिनिधि के रूप में ज्योतिषपीठ का कार्य संभाल रहे हैं. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती काशी में शंकराचार्य के मठ और आश्रमों की देखरेख के साथ उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं. श्रीविद्या मठ में वो रहते हैं और इसके साथ ही ज्योतिर्मठ बद्रिका आश्रम भी उन्ही के हवाले हैं. यहां का संचालन और परंपरा को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अविमुक्तेश्वरानंद के कंधों पर है।

कौन हैं स्वामी सदानंद सरस्वती

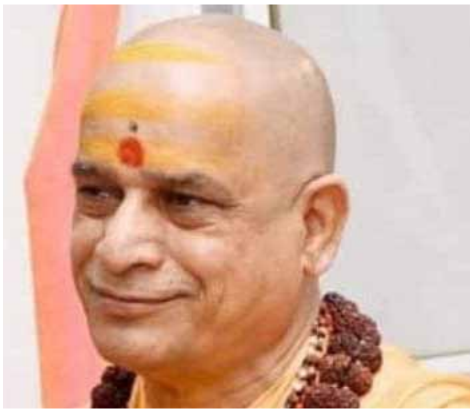

ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के प्रमुख शिष्य दंडी स्वामी सदानंद सरस्वती व अविमुक्तेश्वरानंद हैं. ऐसा माना जा रहा है कि इन्हें महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जा सकता है. यह जानकारी शंकराचार्य आश्रम, परमहंसी गंगा क्षेत्र, झोतेश्वर के पंडित सोहन शास्त्री ने दी है. स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज का जन्म नरसिंहपुर के बरगी नामक ग्राम में हुआ था. पूर्व नाम रमेश अवस्थी था. वह 18 वर्ष की आयु में शंकराचार्य आश्रम खिंचे चले आए. ब्रह्मचारी दीक्षा के साथ ही इनका नाम ब्रह्मचारी सदानंद हो गया. बनारस में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती द्वारा दंडी दीक्षा दिए जाने के बाद इन्हें दंडी स्वामी सदानंद के नाम से जाना जाने लगा. सदानंद गुजरात में द्वारका शारदापीठ में शंकराचार्य के प्रतिनिधि के रूप में कार्य संभाल रहे हैं। इनके अलावा एक और नाम सुर्खियों में था: स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के निजी सचिव स्वामी सुबुधानंद सरस्वती का. स्वामी सुबुधानंद हमेशा शंकराचार्य के साथ साए की तरह रहते थे। उनका सारा काम इन्हीं के हवाले रहा. स्वरुपानंद के दोनों शिष्यों को जब दोनों पीठों की जिम्मेदारियां सौंपी उसके पहले से ही माना जा रहा है कि कौन स्वामी जी का उत्तराधिकारी होगा. संतों की अब तक की परंपरा के अनुसार शंकराचार्य के जीवित रहते ही उनके उत्तराधिकारी का चुनाव किया जाता है. शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने भी ऐसा किया था।

जबलपुर में ममरे भाई ने किया दुष्कर्म : बहन ने लगाई फांसी

सुसाइड नोट में लिखा, सॉरी मम्मी-पापा, मैं अब जीना नहीं चाहती... मेरे साथ लगातार बलात्कार हुआ है...

मम्मी पापा मुझे माफ कर देना... मैं अब जीना नहीं चाहती...मेरे साथ लगातार बलात्कार हुआ है... विशाल ने मेरी जिंदगी तबाह कर दी है.... यह सुसाइड नोट लिखकर युवती ने फांसी लगा ली। दरअसल मामला जबलपुर के अधारताल थाना अंतर्गत अमखेरा का है। जहां युवती ने प्रेम का जिक्र करते हुए फांसी लगा ली।

एएसपी प्रदीप शेंडे के मुताबिक अमखेरा निवासी 23 साल की युवती ने फांसी लगा ली। युवती के पास से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें जिक्र है कि वह अपने कटनी निवासी मामा के लड़के विशाल चौधरी से परेशान हो गई थी। युवती को आरोपी विशाल ने पहले तो अपने प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद लगातार बलात्कार किया। जिसके कारण युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का कदम उठाया। युवती अक्सर नानी की तबीयत खराब होने के कारण कटनी जाती थी। जहां नानी के घर के नजदीक ही उसके मामा के लड़के भी रहते हैं। इसी दौरान मामा के लड़के विशाल से मुलाकात भी होती थी। इसी कारण प्रेमजाल में फंसाकर दबाव बनाकर आरोपी ने युवती का कई बार बलात्कार भी किया।

जानकारी के मुताबिक कुछ दिन से युवती और आरोपी विशाल के बीच बातें बंद हो गई थी। जिसके कारण युवती ने विशाल से बात करने की कोशिश भी की। लेकिन विशाल के द्वारा नजरअंदाज किया जाने लगा। जिसके बाद युवती ने आत्महत्या करने का कदम उठाया। अधारताल पुलिस ने आरोपी विशाल चौधरी को कटनी से गिरफ्तार कर लिया है। वही पुलिस ने मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

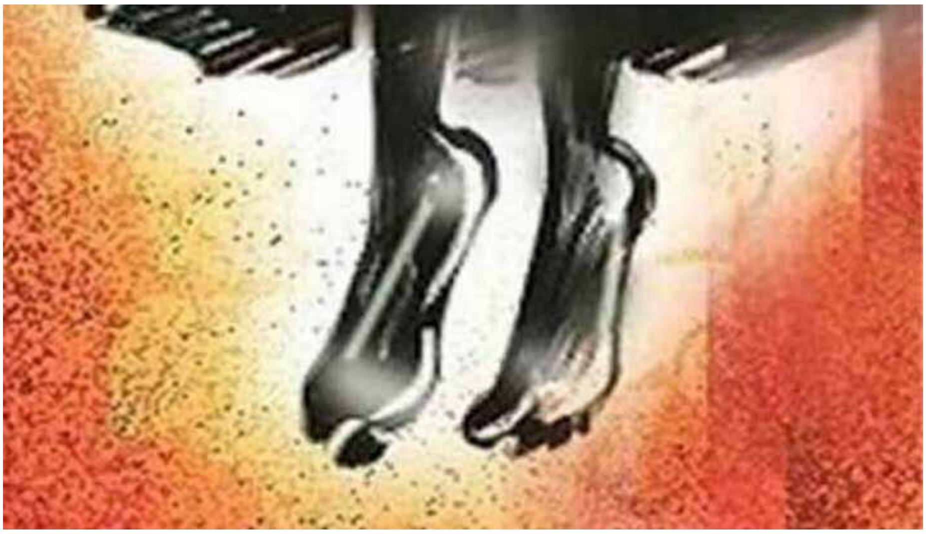

रेप के बाद हत्या, झाड़फूंक करवाने आई थी महिला; मालिश करते समय नीयत बिगड़ी

ग्वालियर में 6 दिन पहले 55 साल की महिला की हत्या के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। वारदात का आरोपी झाड़फूंक करने वाला चंदन आदिवासी निकला। महिला कमर दर्द होने पर मालिश करवाने उसके पास पहुंची थी। मालिश करते समय आरोपी की नीयत बिगड़ गई। विरोध करने पर उसने महिला की साड़ी से हाथ-पैर बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। सिर पर पत्थर और डंडे से वार किया, जिससे वो बेसुध हो गई। फिर आरोपी ने उससे रेप किया। इसके बाद महिला को होश नहीं आया और उसकी मौत हो गई। आरोपी रात में लाश के पास ही बैठा रहा। सुबह 4 बजे उसने लाश को गली में फेंका। सुबह पुलिस की कार्रवाई देखता रहा। उसकी तीन पत्नियां है। आरोपी जब तीसरी पत्नी के पास दतिया पहुंचा तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

विरोध करने में मैंने महिला की साड़ी से ही उसके हाथ-पैर बांधे और फिर उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। डंडे और पत्थर से उसके सिर पर वार किया। महिला बेहोश होकर फर्श पर गिर पड़ी। खून से सनी महिला के साथ मैंने दुष्कर्म किया। इसके बाद महिला को खींचकर कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद मैं फेरी लगाने निकल गया। शाम को लौटा तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। मैंने खाना खाकर लाश को ठिकाने लगाने की प्लानिंग की, लेकिन गणेश पंडाल में लोगों के सक्रिय होने की वजह से मैं रातभर शव के पास ही बैठा रहा। 6 सितंबर को सुबह 4 बजे मुझे मौका मिला। मैंने उसके शव को खींचकर घर से बाहर निकाला। लाश भारी थी। घर से 20 मीटर दूर गली के बाहर ही फेंककर मैं वापस आ गया।

घटना के बाद मौके पर जब पुलिस अधिकारी पहुंचे तो उस दौरान मैं उनके ही बीच बैठकर पूरी कार्रवाई को देखता रहा। लेकिन जब पुलिस अधिकारियों ने जांच के लिए स्निफर डॉग बुलाने की चर्चा की तो यह चर्चा सुनकर मैं घबरा गया। मुझे यकीन हो गया कि स्निफर डॉग सूंघते हुए मेरे घर तक पहुंच जाएंगे। इसके बाद मैं 6 सितंबर को सुबह 11 बजे अपने घर पर ताला लगाकर भाग गया।

आरोपी की तीन पत्नियां, ऐसे बिछाया जाल: सीएसपी ऋषिकेश के अनुसार चंदन की तीन पत्नियां हैं। पहली पत्नी भोपाल में रहती है। दूसरी पत्नी उज्जैन में रहती है, जिससे 18 साल की एक बेटी भी है। तीसरी पत्नी दतिया में रहती है, जिससे चार बच्चे हैं।

ईयू देश अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने के प्रयासों से पीछे नहीं हटें : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की कार्यवाहक मानवाधिकार प्रमुख नदा अल-नाशिफ ने सोमवार को यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से ऐसे समय में अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं को विकसित करने के अपने प्रयासों से ''पीछे हटने'' से बचने का आग्रह किया जब ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने कुछ को जीवाश्म ईंधन के उपयोग एवं खोज को बढ़ावा देने को प्रेरित किया है।

मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्यवाहक उच्चायुक्त नादा अल-नाशिफ ने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद के नवीनतम सत्र के उद्घाटन भाषण में इथियोपिया, यूक्रेन, म्यांमार और हैती सहित 30 से अधिक देशों, क्षेत्रों के बारे में मानवाधिकार संबंधी चिंताओं का उल्लेख किया। उन्होंने यूक्रेन में रूस के युद्ध के प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करने के अलावा यह उल्लेख किया कि युद्ध ने कैसे इन दो देशों से खाद्य और ईंधन के निर्यात को प्रभावित किया है, जो इन दोनों के प्रमुख उत्पादक हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इसके चलते कैसे यूरोपीय संघ के सदस्य देश ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए कैसे संघर्ष कर रहे हैं। अल-नाशिफ ने कहा, ''ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर सर्दियों से पहले यूरोपीय संघ के कुछ सदस्य देश जीवाश्म ईंधन के बुनियादी ढांचे और आपूर्ति में निवेश की ओर रुख कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम की जरुरत को समझा जा सकता है। उन्होंने जीवाश्म हालांकि ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के दीर्घकालिक परिणामों की चेतावनी दी जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है। उन्होंने ऊर्जा-दक्षता परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा के तेजी से विकास का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''मौजूदा जलवायु संकट के मद्देनजर ऊर्जा-दक्षता परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा के तेजी से विकास से पीछे नहीं हटा जा सकता।'' परिषद में चार सप्ताह चलने वाले शरद सत्र में संयुक्त राष्ट्र के 47 सदस्य देश हिस्सा लेंगे।

संघीय अदालत ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के कई मामलों में दोषी करार दिया, ट्रायल फिक्सिंग से बरी...

महिलाओं की तस्करी, बच्चों के यौन शोषण के मामलों में पहले ही दोषी ठकराए जा चुके अमेरिकी गायक, गीतकार और निर्माता रॉबर्ट सिल्वेस्टर केली (आर. केली) को संघीय पीठ ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी के कुछ अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया है। बुधवार को कोर्ट ने केली के गृहनगर शिकागो में उन्हें तीन मामलों में दोषी ठहराया, जिससे केली को एक और कानूनी झटका लगा।

55 वर्षीय केली को चाइल्ड पोर्नोग्राफी के तीन मामलों में दोषी पाया गया था, लेकिन 2008 में देश के चाइल्ड पोर्नोग्राफी ट्रायल को ठीक करने का आरोप लगाते हुए न्याय के रास्ते में बाधा डालने की साजिश से बरी कर दिया गया था। न्यूयॉर्क में एक संघीय न्यायाधीश ने केली को जून में रैकेटियरिंग और यौन तस्करी के आरोप में 30 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद यह फैसला लिया है। अदालत के फैसले के अनुसार केली 80 वर्ष के होने तक रिहाई के योग्य नहीं होगा।

शिकागो ट्रायल कई मायनों में, केली के 2008 के चाइल्ड पोर्नोग्राफी ट्रायल का ही फिर से किया गया ट्रायल है, जिसमें एक महत्वपूर्ण वीडियो दोनों सुनवाई के लिए महत्वपूर्ण रहा। अदालत के इस फैसले के बाद भी केली के लिए कानूनी चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई है। अभी केली के खिलाफ दो ट्रायल लंबित हैं। इनमें से एक मिनेसोटा और दूसरा शिकागो के स्टेट कोर्ट में हैं।

शिकागो के दक्षिणी इलाके में रहने वाले केली गरीबी से उठकर ग्रैमी विजेता सुपरस्टार बन गया था। केली को उसके जबरदस्त हिट 'आई बिलीव आई कैन फ्लाई' और 'बम्प एन 'ग्राइंड' जैसे सेक्स-इनफ्यूज्ड गानों के लिए जाना जाता है। उसने 1990 के दशक में दुर्व्यवहार के आरोपों के शुरू होने के बाद भी लाखों एल्बम बेचे। केली के खिलाफ व्यापक आक्रोश #MeToo के कई मामले और 2019 की डॉक्यूमेंट्री "सर्वाइविंग आर केली' के बाद शुरू हुआ था।

महिलाओं और बच्चों के यौन शोषण का दोषी ठहराए जाने के नौ माह बाद 29 जून को अमेरिकी पॉप गायक आर कैली को 30 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इससे पहले आर कैली को पिछले साल सितंबर में न्यूयार्क की अदालत ने आठ महिलाओं की तस्करी का दोषी ठहराया था। इसके बाद से उसकी सजा पर बहस चल रही थी। कैली को रैकेटियरिंग और मान अधिनियम को तोड़ने के आठ आरोपों में दोषी पाया गया था। 45 गवाहों ने सरकार के लिए गवाही दी थी।

अभियोजक उसके लिए उम्रकैद की मांग कर रहे थे। उनका तर्क था कि उसने अपने झांसे में आई महिलाओं और बच्चों के साथ कोई रहम नहीं किया। वह दो दशक तक उन्हें उत्पीड़ित करता रहा। उसके वकीलों का कहना था कि अब वह समाज के लिए खतरा नहीं है। अदालत में खुलासा हुआ कि कैली ने गायिका आलिया से 1994 में उस समय शादी की थी, जब उसकी उम्र केवल 15 साल थी। तब प्रमाण पत्र में उसे 18 साल की दिखाया गया था। बाद में उनकी शादी को रद्द कर दिया गया। नौ साल बाद ही विमान दुर्घटना में आलिया की मौत हो गई थी।

गूगल पर दो लाख करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति का केस

एकाधिकार के दुरुपयोग का लगा है आरोप

गूगल की एडटेक नीतियों की यूरोपीय संघ और यूके पहले से जांच कर रहे हैं। पिछले साल फ्रांस के प्रतिस्पर्धा आयोग ने मोबाइल एप और वेबसाइटों पर विज्ञापन के लिए गूगल को एड-सर्वरों के एकाधिकार के दुरुपयोग का दोषी माना था। उस पर करीब 1,700 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। ऑनलाइन विज्ञापनों के लिए गूगल के माध्यम एडटेक (एडवरटाइजर टेक्नोलॉजी) से प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचाने के आरोप में यूनाइटेड किंगडम और नीदरलैंड में दो मुकदमे दायर हुए हैं। इनमें 2,540 करोड़ डॉलर यानी करीब दो लाख करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति का दावा किया गया है। दोनों देशों के प्रकाशकों के अनुसार गूगल द्वारा एकाधिकार के दुरुपयोग और गलत नीतियों की वजह से उन्हें विज्ञापनों से होने वाली आय में भारी नुकसान हुआ।

गूगल की एडटेक नीतियों की यूरोपीय संघ और यूके पहले से जांच कर रहे हैं। पिछले साल फ्रांस के प्रतिस्पर्धा आयोग ने मोबाइल एप और वेबसाइटों पर विज्ञापन के लिए गूगल को एड-सर्वरों के एकाधिकार के दुरुपयोग का दोषी माना था। उस पर करीब 1,700 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इस जुर्माने की वजह बने तथ्यों का गूगल ने विरोध नहीं किया। इस केस में शिकायतकर्ताओं की ओर से लड़ने वाली लॉ फर्म जेराडिन पार्टनर्स ने ही अब दोनों ताजा मुकदमों को लिया है। नीदरलैंड में दायर मुकदमे में पूरे यूरोपीय संघ के प्रकाशक साथ आए हैं। वहीं गूगल ने इन मुकदमों को काल्पनिक धारणा पर आधारित और अवसरवादिता बताया। उसने कहा कि गूगल एडटेक ने अहम विज्ञापन प्लेटफॉर्म के रूप में सेवाएं दी, लाखों वेबसाइट्स व एप्स को बढ़ाने में सहायता की। वह पूरी ताकत से यह मुकदमे लड़ेगा।

2014 से जारी गलत नीतियां : लॉ फर्म का आरोप है कि गूगल ने प्रकाशकों के एड-सर्वर और एड-एक्सचेंज का दुरुपयोग किया। यह काम वह 2014 से कर रहा है। इस प्रतिस्पर्धा विरोधी गतिविधि से प्रकाशकों को भारी नुकसान हुआ। खासतौर पर स्थानीय और राष्ट्रीय समाचार मीडिया ने यह नुकसान सहा, जो हमारे समाज में अहम भूमिका निभाते हैं। अब समय आ गया है कि गूगल अपनी गलतियों की जिम्मेदारी स्वीकार कर क्षतिपूर्ति चुकाए।

क्या है एडटेक?

गूगल के अनुसार एडटेक डिजिटल विज्ञापन खरीदने-बेचने, मैनेज करने और उन्हें कई मानकों पर मापने में मदद करता है। यह एक जटिल अल्गोरिथम उपयोग करता है। उसका दावा है कि इससे विज्ञापनदाता सीधे ग्राहक तक पहुंचते हैं, वेबसाइट्स पर 'इंप्रेशन' खरीदते और ऑडियंस चुनते हैं। इंप्रेशन यानी विज्ञापन कितने लोगों ने देखा, क्लिक किया। जानकारों का मानना है कि गूगल एडटेक से विज्ञापनों को पूर्णतः नियंत्रित करता है, जो प्रतिस्पर्धा के नियमों के खिलाफ है।

कॉपीराइट के मामले

• फ्रांस में प्रतिस्पर्धा आयोग ने गूगल पर करोड़ों के जुर्माने लगाए क्योंकि उसने प्रकाशकों से उनके कंटेंट के स्निपेट उपयोग के बदले कॉपीराइट फीस का भुगतान नहीं किया। • यूरोप में उत्पादों की कीमतों के तुलनात्मक विश्लेषण की सेवा दे रही 'प्राइस रनर' ने गूगल पर हजारों करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का दावा किया। आरोप है कि गूगल ने प्रतिस्पर्धा मामले में आदेश का अनुपालन न करके नुकसान पहुंचाया।

• 2019 में गूगल के एडटेक की आयरलैंड के डाटा प्रोटेक्शन आयोग ने जांच शुरू की, यहां निजी डाटा की चोरी और दुरुपयोग के आरोपों की जांच हो रही है।

• मेटा पर यूके में यूजर्स ने क्षतिपूर्ति के लिए मुकदमा किया है। आरोप है कि मेटा ने फेसबुक उपयोग करने देने के बदले उनसे अनुचित शर्तें मनवाई, निजी डाटा हासिल किया।

चीन के खिलाफ प्रतिबंधों पर विचार कर रहा अमेरिका

ड्रैगन को ताइवान पर हमला करने से रोकने की है रणनीति...

सूत्रों ने कहा कि चीनी आक्रमण की आशंकाओं की प्रतिक्रिया, जो ताइवान जलडमरूमध्य में सैन्य तनाव बढ़ने के साथ बढ़ी है। इसके बाद एक तरफ वाशिंगटन में प्रतिबंधों को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है तो दूसरी तरफ ताइपे अलग से यूरोपीय संघ के दूतों के साथ अपने पक्ष में दबाव बनान की कोशिश में जुटा है।

अमेरिका ताइवान पर हमला करने से रोकने के लिए चीन के खिलाफ प्रतिबंधों के विकल्पों पर विचार कर रहा है। साथ ही यूरोपीय संघ भी ऐसा करने के लिए ताइपे के राजनयिक दबाव में आ रहा है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रायटर ने चर्चा से परिचित सूत्रों के हवाले से दी है।सूत्रों ने कहा कि चीनी आक्रमण की आशंकाओं की प्रतिक्रिया, जो ताइवान जलडमरूमध्य में सैन्य तनाव बढ़ने के साथ बढ़ी है। इसके बाद एक तरफ वाशिंगटन में प्रतिबंधों को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है तो दूसरी तरफ ताइपे अलग से यूरोपीय संघ के दूतों के साथ अपने पक्ष में दबाव बनान की कोशिश में जुटा है। यह दोनों प्रक्रिया फिलहाल प्रारंभिक चरण में है।

दोनों ही मामलों में, कंप्यूटर चिप्स और दूरसंचार उपकरण जैसी संवेदनशील प्रौद्योगिकियों में चीन के साथ कुछ व्यापार और निवेश को प्रतिबंधित करने के लिए पश्चिम में पहले से किए गए उपायों से परे प्रतिबंधों को लाने का विचार है। हालांकि सूत्रों ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि क्या विचार किया जा रहा है लेकिन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की सबसे बड़ी कड़ी में से एक पर प्रतिबंधों की धारणा व्यवहार्यता पर सवाल उठाती है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी, नाजक निकख्तर (Nazak Nikakhtar) ने कहा कि 'चीन पर प्रतिबंध लगाने की संभावना रूस पर प्रतिबंध लगाने की तुलना में कहीं अधिक जटिल प्रक्रिया है, इसे देखते हुए कि अमेरिका और उसके सहयोगियों का चीनी अर्थव्यवस्था के साथ व्यापक संबंध हैं।'

बता दें कि चीन ताइवान को अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है और पिछले महीने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइपे का दौरा करने के बाद ताइवान पर मिसाइलें दागी थीं और अपने अनौपचारिक समुद्री सीमा के पार युद्धपोतों को रवाना किया था, क्योंकि बीजिंग ने नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा को एक उकसावे के रूप में देखा था।

बढ़ते अपराध रोकेगी सरकार

किशोर अपराधी से बात करते समय बोर्ड मेंबर की टेबल ऊंची नहीं होगी, सादी वर्दी में रहेंगे अफसर

राज्य शासन ने बच्चों में आपराधिक प्रवृत्ति बढ़ने पर रोक लगाने के लिए अब किशोर न्याय अधिनियम-2015 को संशोधित कर किशोर न्याय नियम-2022 तैयार किया है। अब इसे इंदौर सहित सभी जिलों में लागू किया जाएगा। उपसचिव अजय पटेसरिया द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक अब हर जिले में न्याय बोर्ड पुनः स्थापित किया जाएगा। किसी भी श्रेणी में अपराधी घोषित हुए बच्चों के लिए यह योजना तैयार की गई है। उद्देश्य यह है कि ये अपराध से दूर होकर परिवार या समाज के साथ सुखद जीवन बिता सकें।

प्रत्येक जिले के लिए एक या अधिक बोर्ड गठित किए जाएंगे और उसमें सदस्यों की नियुक्ति भी होगी। हर तीन या छह महीने में एक रिपोर्ट किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष रखी जाएगी। इसमें बोर्ड के समक्ष लाए बच्चों की संख्या, निपटाए गए केस की संख्या, जेल निरीक्षण रिपोर्ट और उसमें किसी तरह की अनुशंसा हो, वो भी बोर्ड के सामने रखी जाएगी। रिपोर्ट में की गई अनुशंसा के आधार पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बोर्ड को वार्षिक निर्देश जारी करेंगे। बालक से बात करते समय बोर्ड उनके शारीरिक हाव-भाव, चेहरे के भाव, नजरों, बोलचाल का लहजा, आवाज की तीव्रता का विशेष ध्यान रखेगा। बोर्ड के सदस्यों के आसन ऊंचे स्थान पर नहीं होंगे। साथ ही बच्चों के लिए कटघरे जैसी व्यवस्था नहीं होगी। यह बिल्डिंग बनाने के समय तय हो जाएगा। पुलिस या बोर्ड के अन्य अधिकारी यूनिफॉर्म की जगह सामान्य कपड़ों में रहेंगे।

कार्यकर्ता व सदस्यों को मिलेगा भत्ताः बोर्ड के सामाजिक कार्यकर्ता सदस्यों को प्रत्येक बैठक के लिए 1500 रुपए भत्ता मिलेगा, जो राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। सदस्यों को जेल, बाल देखरेख संस्थाओं, पुलिस स्टेशन पर जाने पर अतिरिक्त यात्रा भत्ता भी मिलेगा।

बच्चों के अनुकूल परिसर में होगी बात : मप्र हाई कोर्ट द्वारा बोर्ड के प्रधान मजिस्ट्रेट की नियुक्त पांच साल के लिए होगी। एक सामाजिक कार्यकर्ता सदस्य नियुक्त होगा। कार्यकाल 3 साल का होगा। बोर्ड बैठकें बालकों के अनुकूल परिसर में करेगा, जहां बच्चे आसानी से बात कर सकें। बच्चों की काउंसलिंग में कई बिंदु देखे जाएंगे। जैसे- उनके माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार था? पिता या माता सौतेले, भाई-बहन, परिवार के अन्य सदस्यों और दोस्तों के साथ व्यवहार किस प्रकार है। बच्चे ने पढ़ाई कौन सी कक्षा तक की या छोड़ दी।

भोपाल से आए युवक की इंदौर में चाकू से हत्या

विजय नगर थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप पर हुए विवाद के बाद बदमाशों ने भोपाल से आए इंजीनियरिंग स्टूडेंट गौरव डोले (25) की चाकू मारकर हत्या कर दी। गई ज्यादा खून बह जाने से तड़पते हुए उसकी मौत हो गई। वह दोस्त के साथ घूम रहा था तब बदमाशों से पेट्रोल भरवाने की बात पर विवाद हो गया। इस विवाद का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

विजय नगर पुलिस के मुताबिक घटना शुक्रवार रात करीब 3 बजे की है। मौत सुबह 6.बजे हुई। पुलिस ने इस मामले में दो बदमाशों को हिरासत में लिया है। दोस्त मयंक ने बताया कि शुक्रवार को मेरा जन्मदिन था। इस मौके को सेलिब्रेट करने और चतुर्दशी की झांकी देखने के लिए गौरव भोपाल से इंदौर आया था। रात को हम दोनों ने पार्टी की। इसके बाद सराफा घूमने के लिए निकले थे। वापस आते समय सयाजी पेट्रोल पंप पर जल्दी पेट्रोल भरवाने की बात पर पीछे खड़े व्यक्ति से विवाद हो गया। बाइक सवार बदमाशों ने गौरव को चाकू मार दिया। उसे तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान सुबह 6 बजे

उस की मौत हो गई।

बीटेक पढ़ रहा थाः मयंक ने बताया कि गौरव (25) पुत्र रमेश भोपाल में सत्य साईं कॉलेज से बीटेक फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। वह मूल रूप से छिंदवाड़ा का रहने वाला था और उसके पिता CRPF में पदस्थ हैं। वहीं उसका छोटा भाई तुषार नोएडा में पढ़ाई कर रहा है। बदमाशों ने गौरव के साथ पेट्रोल पंप पर ही मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक बदमाश ने चाकू निकालकर गौरव को मार दिया। उसने गौरव पर दो वार किए। जिससे गौरव घायल हो गया और काफी खून बहने लगा। अस्पताल में भर्ती करने के बाद उसे ए नेगेटिव ब्लड की जरूरत पड़ी। रात में करीब 4 घंटे तक मयंक और उसके साथ ब्लड के लिए परेशान होते रहे। लेकिन अस्पताल से लेकर किसी भी ब्लड बैंक में खून नहीं मिल सका।

ऐसे पकड़ाए बदमाश

विजय नगर पुलिस ने इस मामले में दो बदमाशों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक जिन बदमाशों ने गौरव को चाकू मारे सीसीटीवी में उनका बाइक नंबर साफ नजर नहीं आ रहा था। उन्होंने पेट्रोल पंप पर पेटीएम से ऑनलाइन पेमेंट किया था। पुलिस ने यहां से अकाउंट की डिटेल लेकर बैंक से संपर्क किया। बैंक से बदमाशों का पता लगाया और मोबाइल नंबर लेकर बाणगंगा और परदेसीपुरा इलाके से एक बदमाश को हिरासत में लिया है। एक आरोपी का नाम पुलकित बताया जा रहा है।पुलिस आगे की कार्रवाई की जा रही हैं।

अधो-संरचनाओं में आधुनिक तकनीक का किया जाए भरपूर उपयोग-गडकरी

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 119 किलोमीटर लंबी 5 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास एवं वन-वे साइड एमिनिटी का लोकार्पण भी किया

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी तथा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश को 2300 करोड़ रूपये लागत की 5 सड़क परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। उन्होंने 119 किलोमीटर लंबी 5 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास एवं वन-वे साइड एमिनिटी का लोकार्पण भी किया। केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा है कि स्वराज को सुराज में बदलना हमारा मिशन है। चौतरफा विकास हम सबकी महती जवाबदारी है। इंदौर ही नहीं बल्कि पूरे मध्यप्रदेश और समूचे देश में अधो-सरंचनाओं का निर्माण तेजी से हो रहा है।

यह हमारा जनता के प्रति उत्तरदायित्व है। जनता ने हमे जो दिया है, वह हम उन्हें लौटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़कों के निर्माण और इससे जुड़ी अधो-संरचनाओं तथा परिवहन संबंधी परियोजनाओं में नई और उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे जहाँ एक ओर लागत में बड़ी कमी आ रही है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि निर्माण के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का भरपूर उपयोग किया जाए। इसके लिये जरूरी है कि विशेषज्ञों की मदद ले और बेस्ट प्रेक्टिसेस का अध्ययन किया जाए।

केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि पर्यावरण सुधार की ओर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। प्रदूषण से मुक्ति के लिये वाहनों में ईंधन के गैर परम्परागत स्त्रोत का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे जहाँ एक ओर सस्ता ईंधन प्राप्त होगा, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण सुधार के साथ यात्रियों को भी कम किराया देना होगा। इसके लिये इलेक्ट्रिक, बायो गैस, बायो डीजल, ग्रीन हाईड्रोजन, बायो मिथेनॉल आदि गैर-पारम्परिक स्त्रोतों से संचालित वाहनों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तेजी से दुनिया बदल रही है, तो ऐसे वक्त में ट्रांसपोर्ट सेक्टर को भी तेजी से बदलना होगा। किसान को ऊर्जा दाता बनाना होगा। यह प्रयास करने की जरूरत है कि हम ऊर्जा का आयात करने वाला देश नहीं, बल्कि निर्यात करने वाला देश बनाए। नए विजन के साथ कार्य करें।

केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सड़कों और इससे जुड़ी अधो-सरंचनाओं का तेजी से विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश में भी इस दिशा में तेजी से काम हो रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद अकेले मध्यप्रदेश में ही ढाई लाख करोड़ रूपये लागत के कार्य स्वीकृत, निर्मित तथा प्रगतिरत है। हमारा लक्ष्य है कि इसे बढ़ाकर वर्ष 2024 तक 4 लाख करोड़ रूपये कर दिया जायेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आग्रह पर मध्यप्रदेश में सड़क संबंधी विभिन्न विकास परियोजनाओं को मंजूरी देने की घोषणाएँ की। इसमें प्रमुख रूप से 20 फ्लाईओवर तथा 14 स्थलों पर रोप-वे संबंधी कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में गौरवशाली, वैभवशाली तथा समृद्धशाली देश का निर्माण हो रहा है। देश में हो रही विकास तथा प्रगति के कार्य किसी चमत्कार से कम नहीं है। अकल्पनीय चहुँमुखी विकास और प्रगति हो रही है। मध्यप्रदेश में भी विजन के साथ कार्य किये जा रहे है। केन्द्र सरकार से भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर विकास का इंजन है। आने वाले दस सालों में यह शहर बेंगलुरू और हैदराबाद को पीछे छोड़ देगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर मेरे सपनों का शहर का है। इसके विकास में कोई कोर-कसर नहीं रखी जायेगी। उन्होंने कहा कि हमारा सपना है कि परिवहन सेवा के लिये अब आसमान का उपयोग भी किया जाए। इसके लिये उन्होंने इंदौर में केबल कार के संचालन और पार्किंग के लिये मल्टीलेबल प्लाजा बनाने तथा बसपोर्ट की आवश्यकता बताई।

थाने में खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाली युवती ने तोड़ा दम

पटवारी से प्रेम प्रसंग पर हुआ था विवाद, थाने में आग लगा ली थी युवती ने

शहडोल जिले के अमरई थाने में बीते 2 सितंबर को आग लगाने वाली युवती की आज जबलपुर में मौत हो गई। युवती का पटवारी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों में बीते 2 सालों से लगातार बातचीत भी हो रही थी, इस दौरान अचानक ही पटवारी ने जब युवती से बात करना बंद कर दिया तो पीड़िता अमराई थाने में पटवारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। युवती की शिकायत पर भी जब किसी तरह से अमल नहीं किया गया तो थाना परिसर में ही युवती ने अपने आप को पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। आज इलाज के दौरान युवती ने जबलपुर के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया है।

मृतिका के बड़े भाई ने बताया कि उसकी छोटी बहन पटवारी ब्रज बहादुर सिंह से शादी करना चाहती थी। पर जब उन्होंने मना कर दिया तो युवती को गुस्सा आ गया, उसने अमराई थाने में पटवारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। घटना वाले दिन पटवारी ने युवती को थाने बुलाया जहाँ किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया तो थाना परिसर में ही युवती ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। घटना के बाद युवती को शहडोल जिला अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसकी हालत नाजुक होने के चलते जबलपुर के एक निजी अस्पताल

में भर्ती करवाया गया था। तकरीबन 70% जल जाने के चलते आज युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पीड़ित युवती की मां ने बताया कि उसकी बेटी के साथ पटवारी ब्रज बहादुर सिंह बीते 2 सालों से मोबाइल में लगातार बात करता रहा है। दोनों की कई मुलाकात भी हुई है। घटना वाले दिन पटवारी ने युवती को फोन करके बुलाया था और उसे धमकी भी दी गई थी कि अगर वह शांत नही रही तो उसकी मां और भाई को जान का खतरा हो सकता है। पीड़िता की मौत की सूचना के बाद शहडोल थाना पुलिस भी जबलपुर पहुँची है।

अश्लील वीडियो से ब्लैकमेलिंग के कारण 69 साल के रिटायर ऑफिसर ने की आत्महत्या

सेक्सटार्शन और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आईपीएस कॉलेज के स्टोर मैनेजर और इंदौर फ़्लाइंग क्लब के पूर्व अधिकारी ने सुसाइड कर लिया है। आईपीएस कॉलेज में स्टोर मैनेजर 69 वर्षीय विलास दलवी नाम ने अपना अकेलापन दूर करने के लिए पहले मैट्रिमोनियल साइट पर अपनी प्रोफाइल बनाई उसके बाद किसी महिला के संपर्क में आए। बातचीत शुरू की और बातचीत करते करते महिला ने बुजुर्ग का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया जिससे परेशान होकर आईपीएस कॉलेज में स्टोर मैनेजर के पद पर पदस्थ बुजुर्ग ने अपने रूम पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामला इंदौर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र कर आईपीएस कॉलेज का है। यहां पर दो-तीन साल से पदस्थ स्टोर मैनेजर विलास दलवी ने आईपीएस कॉलेज के ए ब्लॉक के क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन द्वारा लगातार फोन करने पर जब दलवी ने फोन नहीं उठाया तो परिजन मौके पर पहुंचे। उसके बाद गेट खोल कर देखा तो दलवी फांसी पर टंगे हुए मिले। परिजनों ने तुरंत राजेंद्र नगर थाने

पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब पूरे कमरे की तलाशी ली तो उसमें ना तो सुसाइड नोट मिला ना कोई आत्महत्या करने का कारण नजर आया। परिजन से बातचीत करने पर पता चला कि दलवी यहां अकेले रहते थे। पूर्व में इंदौर के फ्लाइंग क्लब में पदस्थ थे। वहां से रिटायर होने के बाद आईपीएस कॉलेज में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। मौके पर से पुलिस ने उनका मोबाइल जब्त किया। जब मोबाइल की जांच शुरू की तो उसमें एक चीज सामने आई बुजुर्ग दल्वी पिछले कई समय से अकेले रह रहे थे और उन्होंने मैट्रिमोनियल साइट पर अपना अकाउंट बनाया था।

व्हाट्सएप पर बातचीत फिर वीडियो कॉल पर ब्लैकमेलिंग

उसके बाद दलवी की एक महिला से व्हाट्सएप पर बातचीत होना शुरू हुई और बात वीडियो कॉलिंग तक पहुंची। बातचीत में महिला ने बुजुर्ग को इस तरीके से अपने झांसे में लिया कि वीडियो कॉल करने लगे और उसके बाद उनका न्यूड वीडियो बनाकर उनके व्हाट्सएप पर भेज दिया और उन्हें इसे वायरल करने की धमकी दी जिससे घबराए बुजुर्ग ने एक अपने मित्र को कॉल किया उसके बाद उसकी इज्जत ना खराब हो जाए कोई उस पर उंगली ना उठाएं उस से परेशान होकर बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। राजेंद्र नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीनों सेवाओं का एकीकरण करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे : सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं का एकीकरण करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और साजो-सामान के लिए साझा मंजूरी व्यवस्था कायम करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि एक सेवा के संसाधनों को अन्य सेवा के लिए निर्बाध रूप से उपलब्ध कराया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने यहां सैन्य साजो सामान के बारे में एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सेमिनार के उद्घाटन समारोह में थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार तथा नीति आयोग के सदस्य वी. के. सारस्वत समेत अन्य लोग शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में, नागरिक और सैन्य हितधारकों के बीच आवश्यक तालमेल पर भी जोर दिया और कहा कि भारत अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है ऐसे में दोनों पक्षों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए "प्रतिबद्धता" दर्शाती है।

सिंह ने कहा, "हम तीनों सेवाओं के एकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साजो-सामान के लिए

साझा मंजूरी व्यवस्था कायम करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि एक सेवा के संसाधनों को अन्य सेवाओं के लिए निर्बाध रूप से उपलब्ध कराया जा सके।" रक्षा मंत्री ने दिल्ली कैंट में मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि तीनों सेवाओं के एकीकरण से सबसे अधिक फायदा साजो-सामान को लेकर होगा।

मुद्रास्फीति का प्रबंधन सिर्फ रिजर्व बैंक पर नहीं छोड़ा जा सकता : वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुद्रास्फीति का प्रबंधन केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति पर नहीं छोड़ा जा सकता। सीतारमण ने आर्थिक शोध संस्थान इंडिया काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) की तरफ से आयोजित सम्मेलन में कहा कि महंगाई बढने के ज्यादातर कारण मौद्रिक नीति के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करने के लिए राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति दोनों को मिलकर काम करना होगा।

वित्त मंत्री के अनुसार, मुद्रास्फीति प्रबंधन को केवल मौद्रिक नीति पर नहीं छोड़ा जा सकता है। यह कई देशों में प्रभावी साबित नहीं हुआ है। सीतारमण ने कहा, ''रिजर्व बैंक को थोड़ा साथ चलना होगा। शायद उतना नहीं जितना पश्चिमी देशों में केंद्रीय बैंकों को चलना होता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं रिजर्व बैंक को कोई आगे की दिशा नहीं दे रही हूं लेकिन यह सच है कि भारत की अर्थव्यवस्था को संभालने का समाधान, एक ऐसा अभ्यास है जहां मौद्रिक नीति के साथ-साथ राजकोषीय नीति को भी काम करना होता है। इसके एक हिस्सा मुद्रास्फीति को भी संभाल रहा है।''

उन्होंने कहा, ''मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करने के

उपाय के तहत देश ने पिछले कुछ महीनों में रूस से कच्चे तेल के आयात को बढ़ाकर 12 से 13 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले लगभग दो प्रतिशत था।'' उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के साथ युद्ध के चलते पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ऐसे में भारत समेत कई देशों ने रियायती कीमतों पर कच्चा तेल और गैस खरीदने के लिए रूस के साथ द्विपक्षीय समझौता किया है। सीतारमण ने कहा, ''रूस से कच्चे तेल का आयात सुनिश्चित करने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति को श्रेय देती हूं। हमने सभी देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखे और प्रतिबंधों के बीच रूस से कच्चे तेल प्राप्त करने का प्रबंधन किया। यह भी मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करने के उपायों का हिस्सा है।''

उन्होंने कहा, ''अब भी कई देश (जापान और इटली सहित) रूस से कच्चा तेल और गैस प्राप्त करने के लिए अपना रास्ता खोज रहे हैं।'' गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गयी हैं जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ी है। इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भर देश सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। भारत भी अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए तेल उत्पादक देशों पर अधिक निर्भर है। देश कुल ऊर्जा जरूरतों का 80 से 85 प्रतिशत विदेशों से आयात करता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और कच्चे तेल आयातक है।

गोवा के जिस रेस्तरां में दिया गया था सोनाली को ड्रग्स, उसे किया ध्वस्त

गोवा सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई की नेता सोनाली फोगाट की मौत से जुड़े विवादित रेस्तरां को तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) के नियमों के उल्लंघन के कारण ढहाने की प्रक्रिया शुक्रवार सुबह शुरू कर दी। 'कर्लीज' नामक यह रेस्तरां उत्तरी गोवा के प्रसिद्ध अंजुना बीच पर स्थित है। मौत से कुछ घंटों पहले फोगाट इसी रेस्तरां में पार्टी कर रही थीं। इसी कारण यह रेस्तरां हाल में सुर्खियों में रहा था। इस रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स फोगाट की मौत के मामले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में शामिल थे और उन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

अधिकारी ने कहा, ''जिला प्रशासन का विध्वंस दस्ता अंजुना पुलिस कर्मियों के साथ सुबह करीब साढ़े सात बजे समुद्र तट पर सीआरजेड नियमों का उल्लंघन करके 'निर्माण के लिए निषिद्ध क्षेत्र' में बने रेस्तरां को गिराने पहुंचा।'' गोवा तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण

(जीसीजेडएमए) ने इमारत को ढहाने का 2016 में आदेश दिया था, जिसे रेस्तरां मालिक ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में चुनौती दी थी, लेकिन उन्हें एनजीटी से कोई राहत नहीं मिल पाई थी, जिसके बाद इसे ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली एनजीटी पीठ ने मामले की सुनवाई छह सितंबर को की थी।

पीठ ने जीसीजेडएमए के आदेश को बरकरार रखते हुए रेस्तरां प्रबंधन द्वारा दायर याचिका का निपटारा कर दिया था। जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को नोटिस जारी कर अपने विध्वंस दस्ते को शुक्रवार को ढांचा गिराने को कहा था। मापुसा उपमंडल के उपजिलाधिकारी गुरुदास एस टी देसाई ने यह नोटिस जारी किया था। पुलिस के मुताबिक, पूर्व टिकटॉक स्टार एवं रियलिटी शो 'बिग बॉस' की प्रतिभागी रहीं फोगाट को रेस्तरां में कथित तौर पर नशीला पदार्थ दिया गया था, जिसके बाद 23 अगस्त को उनकी मौत हो गई थी।

नीट परीक्षा में फेल होने के कारण छात्रा ने 19वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र की जेपी अमन सोसायटी में वीरवार सुबह एक 22 वर्षीय छात्रा ने 19वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस जांच में पता चला है कि बुधवार देर रात आए नीट परीक्षा परिणाम में छात्रा फेल हो गई थी। जिसके बाद से छात्रा से तनाव में चल रही थी। घटना के बाद छात्रा के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि जेपी अमन सोसायटी के टावर नंबर 4 में अनुज चौहान अपनी पत्नी, बेटी संपदा सिंह चौहान और बेटे के साथ रहते हैं। संपदा नीट की तैयारी कर रही थी। उसने नीट की परिक्षा दी थी। बुधवार देर रात नीट का रिजल्ट आया। इसमें संपदा फेल हो गई थी। फेल होने के बाद संपदा तनाव में आ गई और रोने लगी। परिजनों ने उसे काफी समझा-बुझाकर शांत किया। इसके बाद परिजन सोने चले गए। वीरवार सुबह संपदा ने टावर नंबर 7 की 19वीं मंजिल से नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सोसायटी में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस और फारेंसिक टीम मौके पहुंची और छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि पिता अनुज ने पूछताछ करने पर बताया कि रिजल्ट देखने के बाद से बेटी लगातार रो रही थी। बेटी ने कहा था कि पापा मैंने बहुत मेहनत की थी, फिर ऐसा क्यूं हुआ। उन्होंने किसी तरह समझाकर-बुझाकर उसे रात में सुला दिया था। सुबह जब वह जागी

तो सब कुछ ठीक था। फिर सुबह 11 बजे सोसायटी में उसका शव मिलने की सूचना मिली।

थाना प्रभारी ने बताया कि पिता ने पूछताछ करने पर बताया कि उनकी बेटी का सपना डॉक्टर बनना था। उसने नीट की परीक्षा भी काफी मेहनत से दी थी। लेकिन रिजल्ट आने के बाद से ही बेटी परेशान थी। उसका डॉक्टर बनने का सपना टूटता हुआ दिखा। उन्होंने बेटी को समझाया था दोबारा से प्रयास करना, निराश होने की जरूरत नहीं है। तुम मेहनती हो पास हो जाएगी। लेकिन अब उनकी बिटिया यादों में सिमट गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि छात्रा ने नीट परीक्षा में फेल होने के चलते उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है। परिजन सदमे में है इसलिए ज्यादा पूछताछ नहीं हो पाई है। मामले की जांच की जा रही है। परिजनों से फिर से पूछताछ की जाएगी।

पाकिस्तान को हराकर श्रीलंका ने छठी बार एशिया कप जीता

राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहे श्रीलंका के लिये क्रिकेट के मैदान पर उसके 11 खिलाड़ी नायक बनकर उभरे जिन्होंने पाकिस्तान को 23 रन से हराकर रविवार को छठी बार एशिया कप जीता और देशवासियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। यह जीत सिर्फ श्रीलंका के क्रिकेट के लिये ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक और राजनीतिक तौर पर भी काफी मायने रखती है।

राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहे श्रीलंका के लिये क्रिकेट के मैदान पर उसके 11 खिलाड़ी नायक बनकर उभरे जिन्होंने पाकिस्तान को 23 रन से हराकर रविवार को छठी बार एशिया कप जीता और देशवासियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। यह जीत सिर्फ श्रीलंका के क्रिकेट के लिये ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक और राजनीतिक तौर पर भी काफी मायने रखती है। एक समय पांच विकेट 58 रन पर गंवाने के बाद भानुका राजपक्षा के 45 गेंद पर नाबाद 71 रन की मदद से श्रीलंका ने छह विकेट पर 170 रन बनाये।

जवाब में पाकिस्तानी टीम 147 रन पर आउट हो गई जबकि एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 93 रन था। तेज गेंदबाज प्रमोद मधुशान ने चार ओवर में 34 रन देकर चार और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लिये। हसरंगा ने 17वें ओवर में तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे पहले मधुशान ने बाबर आजम (पांच) और फखर जमां (0) को आउट करके श्रीलंका का शिकंजा कस दिया था। मोहम्मद रिजवान ने 49 गेंद में 55 रन बनाये जबकि इफ्तिखार अहमद ने 31 गेंद में 32 रन जोड़े।

श्रीलंका ने क्षेत्ररक्षण में भी जबर्दस्त मुस्तैदी दिखाते हुए रन बचाये और अच्छे कैच लपके जबकि पाकिस्तानी क्षेत्ररक्षकों ने निराश किया। इससे पहले पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों के दिये शुरूआती झटकों से टीम को निकालते हुए भानुका राजपक्षा ने नाबाद 71 रन बनाकर श्रीलंका को छह विकेट पर 170 रन तक पहुंचाया। पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जो शुरूआत में सही साबित होता लग रहा था लेकिन राजपक्षा ने आखिरी चार ओवर में 50 रन बनाकर श्रीलंका को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

नसीम शाह ने चार ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया जबकि हारिस रऊफ ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट चटकाये। दोनों ने पिच से मिल रही मदद का पूरा फायदा उठाकर पावरप्ले में श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी लेकिन इसके बाद राजपक्षा ने संकटमोचन की भूमिका निभाते हुए अपने कैरियर का बेहतरीन अर्धशतक लगाया। स्पिनर शादाब खान ने चार ओवर में 28 रन देकर एक विकेट लिया। राजपक्षा ने 45 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 71 और वानिंदु हसरंगा ने 21 गेंद में 36 रन बनाये। दोनों ने 58 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की जबकि एक समय पर श्रीलंका का स्कोर पांच विकेट पर 58 रन था। चामिका करूणारत्ने के साथ राजपक्षा ने 54 रन जोड़े और श्रीलंका को 160 के पार ले गए। पाकिस्तान के 19 वर्ष के तेज गेंदबाज शाह ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए कुसल मेंडिस को खाता खोले बिना ही पवेलियन भेज दिया। धनंजय डिसिल्वा (21 गेंद में 28 रन) ने जरूर कुछ अच्छे शॉट लगाये लेकिन ज्यादा देर टिक नहीं सके। पाथुम निसांका (आठ) को रऊफ ने पवेलियन भेजा जबकि धनुष्का गुणातिलका (एक) उनकी बेहतरीन आउटस्विंगर का शिकार हुए।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का एलान

जसप्रीत बुमराह-हर्षल पटेल की हुई वापसी, चाहर-शमी को जगह नहीं

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का एलान सोमवार (12 सितंबर) को कर दिया। अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की टीम में वापसी हुई है। मोहम्मद शमी और दीपक चाहर को नहीं चुना गया है। हालांकि, स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर शमी और चाहर को चुना गया है। उनके साथ श्रेयस अय्यर और रवि बिश्नोई को भी स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है।

15 सदस्यीय टीम में रवींद्र जडेजा भी नहीं हैं। वह चोट की वजह से टीम का हिस्सा नहीं होंगे। एशिया कप के दौरान जडेजा को चोट लगी थी। उनकी सर्जरी हुई है और वह करीब चार से पांच महीने तक नहीं खेल पाएंगे। जडेजा के स्थान पर अक्षर पटेल को चुना गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज आवेश खान को भी वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

टीम इंडिया के लिए भारतीय टीम में चार बल्लेबाज, दो विकेटकीपर, चार ऑलराउंडर, एक स्पिनर और चार तेज गेंदबाजों को शामिल किया गया है। वहीं, दो तेज गेंदबाज, एक स्पिनर और एक बल्लेबाज स्टैंडबाय के तौर पर होगा।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इस प्रकार है- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान

इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी-20 सीरीज के लिए भी टीम इंडिया का एलान हो गया है। इन दोनों सीरीज से ही बुमराह और हर्षल टीम में वापसी करेंगे। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में चुने गए हैं।

हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार केवल एक-एक सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। जिस सीरीज में यह खिलाड़ी नहीं खेल रहे होंगे, उस दौरान इन्हें नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) को रिपोर्ट करने को कहा गया है। हार्दिक और भुवनेश्वर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम का हिस्सा नहीं होंगे, तो अर्शदीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडियाः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः एरोन फिंच (कप्तान), कैमरून ग्रीन, पैट कमिंस, एश्टन एगर, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, केन रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, एडम जैम्पा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज शेड्यूल

20 सितंबरः पहला टी-20 (मोहाली)
23 सितंबरः दूसरा टी-20 (नागपुर)
25 सितंबरः तीसरा टी-20 (हैदराबाद)

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडियाः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीमः तेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्जे, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, राइली रूसो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज शेड्यूल

28 सितंबरः पहला टी-20 (तिरुवनंतपुरम)
2 अक्तूबरः दूसरा टी-20 (गुवाहाटी)
4 अक्तूबरः तीसरा टी-20 (इंदौर)
6 अक्तूबरः पहला वनडे (लखनऊ)
9 अक्तूबरः दूसरा वनडे (रांची)
11 अक्तूबरः तीसरा वनडे (दिल्ली)

स्पेन की मौजूदगी से विश्व कप में भारत का पूल कड़ा बन जाएगा...

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने शुक्रवार को कहा कि एफआईएच विश्व कप में भारत के पूल में स्पेन की मौजूदगी से लीग चरण ही चुनौतीपूर्ण बन गया है। विश्व में पांचवें नंबर की भारतीय टीम को अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्वकप में इंग्लैंड (विश्व में नंबर छह), स्पेन (विश्व में नंबर आठ) और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है।

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने शुक्रवार को कहा कि एफआईएच विश्व कप में भारत के पूल में स्पेन की मौजूदगी से लीग चरण ही चुनौतीपूर्ण बन गया है। विश्व में पांचवें नंबर की भारतीय टीम को अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्वकप में इंग्लैंड (विश्व में नंबर छह), स्पेन (विश्व में नंबर आठ) और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है। भारत ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के अपने अभियान के दौरान इंग्लैंड को 4-4 से ड्रॉ पर रोका था जबकि वेल्स को 4-1 से हराया था।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार रीड ने कहा,'' एफआईएच हॉकी विश्व कप और ओलंपिक के पूल चरण के मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। वहां प्रत्येक टीम जीत के लिए आती है। हमने हाल में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स का सामना किया था और यह मैच काफी कड़े रहे थे। '' उन्होंने कहा,'' इसके अलावा पिछले 12 महीनों में लगातार सुधार कर रहे स्पेन की मौजूदगी से पहले दौर के मैच काफी कड़े हो जाएंगे।'' रीड ने कहा,''इंग्लैंड विश्व स्तरीय टीम है और अभी वह बहुत अच्छी हॉकी खेल रही है। लेकिन हम भी अच्छा खेल दिखा रहे हैं तथा विश्वकप में खेल के उस क्षण में बने रहना और खेल के प्रत्येक पहलू पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।'' विश्व कप से पहले भारत 30 अक्टूबर से छह नवंबर के बीच कलिंग स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के मैच खेलेगा।

भारत भुवनेश्वर में 2018 में खेले गए पिछले विश्वकप में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था लेकिन रीड को इस बार इस रिकॉर्ड में सुधार की उम्मीद है। रीड ने कहा, ''यह टीम चार साल पहले खेलने वाली टीम से पूरी तरह भिन्न है तथा इसको अलग तरह का अनुभव हासिल है। हम विश्वकप को अपने दर्शकों के सामने खेलने के लिए तैयार हैं।'' विश्व कप में पूल ए में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका को जबकि पूल बी में मौजूदा विश्व चैंपियन बेल्जियम, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और जापान को रखा गया है। नीदरलैंड, चिली, मलेशिया और न्यूजीलैंड पूल सी में हैं।

नीरज... राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के निर्देश के बावजूद चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र और कमर में चोट के कारण आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने गुरुवार को ज्यूरिख में प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीत कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के निर्देश के बावजूद चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र और कमर में चोट के कारण आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने गुरुवार को ज्यूरिख में प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीत कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके एक दिन बाद उनसे 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक गुजरात के विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के बारे में पूछा गया। चोपड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''राष्ट्रीय खेल करीब आ रहे हैं। मैं अभी कमर की चोट से उबर रहा हूं। मैं एक या दो सप्ताह तक प्रशिक्षण नहीं ले पाऊंगा। इसलिए मैं मुख्य रूप से अगले साल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।'' आईओए ने देश के शीर्ष एथलीटों के लिए खेलों में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है, जिससे कई खिलाड़ियों को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। आईओए का निर्देश गृह मंत्री अमित शाह द्वारा खेलों के शुभंकर और राष्ट्रगान के लॉन्च के बाद आया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह

अब तक के सबसे बड़े और भव्य राष्ट्रीय खेल होंगे।

राष्ट्रीय खेलों का आयोजन सात साल के लंबे अंतराल पर होगा। इस चोट के कारण चोपड़ा अमेरिका में हुए विश्व चैम्पियन में रजत पदक जीतने के बाद इस साल जुलाई-अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाए थे। उन्होंने हालांकि एक महीने के बाद 26 अगस्त को डायमंड लीग सीरीज के लुसाने चरण को जीतकर यहां फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और इसके विजेता बनकर अंतरराष्ट्रीय सत्र को शानदार तरीके से खत्म किया। वह डायमंड लीग मीट में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी है।

उन्होंने लुसाने में 89.08 मीटर के थ्रो से अपने करियर के तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ यह खिताब जीता था। ज्यूरिख में चोपड़ा ने फाउल से शुरुआत की लेकिन अपने दूसरे प्रयास में 88.44 मीटर भाला फेंक कर वह शीर्ष पर पहुंच गए। यह उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जो आखिर में उन्हें स्वर्ण पदक दिला गया। उन्होंने अपने अगले चार प्रयास में 88.00 मीटर, 86.11 मीटर, 87.00 मीटर और 83.60 मीटर भाला फेंका।

गठिया की समस्या से हैं परेशान तो इन फूड आइटम्स को कहें नो....

अगर आपको गठिया की शिकायत है तो आपको बहुत अधिक मीठे का सेवन भी नहीं करना चाहिए। जरूरी नहीं है कि आप सिर्फ चीनी की मात्रा को ही सीमित करें, बल्कि स्वीट डिश व अन्य तरल पदार्थों में भी शुगर की मात्रा को नियंत्रित करना बेहद आवश्यक है। बहुत से लोगों को इस बात की जानकारी ही नहीं होती कि उनका खानपान उनके गठिया के दर्द को प्रभावित कर सकता है। गठिया की मुख्य वजह इनफलेमेशन है और अगर आप अपने डाइट में इनफलेमेटरी फूड्स को शामिल करते हैं तो इससे आपकी समस्या काफी हद तक बढ़ जाती है। इसलिए अगर आप जोड़ों के दर्द से परेशान हैं तो आपको अपने आहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आज हम आपको ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी गठिया की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

प्रोसेस्ड फूड

प्रोसेस्ड फूड जैसे पहले से पैकेज्ड मील व स्नैक्स आदि को आपको खाने से परहेज करना चाहिए। दरअसल, प्रोसेस्ड फूड को प्रिजर्व करने के लिए ट्रांस फैट का इस्तेमाल किया जाता है और यही ट्रांस फैट इनफलेमेशन को ट्रिगर कर सकते हैं।

ओमेगा–6 फैटी एसिड

सूरजमुखी, कुसुम, और सोया के तेल के साथ-साथ अधिकांश मीट में ओमेगा–6 फैटी एसिड में पाया जाता है। इनका केवल सीमित मात्रा में ही सेवन करना अच्छा माना गया है। अत्यधिक ओमेगा –6 फैटी एसिड युक्त भोजन के सेवन से यह इनफलेमेटरी केमिकल को ट्रिगर कर सकता है।

रेड मीट व फ्राइड फूड

रेड मीट में सैचुरेटिड फैट हाई होता है, जो उच्च कोलेस्टॉल और इनफलेमेशन का कारण बन सकता है। अगर आप गठिया की समस्या को बढ़ाना नहीं चाहते तो आपको फ्राइड मीट के साथ-साथ अन्य फ्राइड फूड जैसे डोनट्स व फ्रेंच फ्राइस आदि से भी दूरी बनानी चाहिए।

अत्यधिक शुगर

अगर आपको गठिया की शिकायत है तो आपको बहुत अधिक मीठे का सेवन भी नहीं करना चाहिए। जरूरी नहीं है कि आप सिर्फ चीनी की मात्रा को ही सीमित करें, बल्कि स्वीट डिश व अन्य तरल पदार्थों में भी शुगर की मात्रा को नियंत्रित करना बेहद आवश्यक है। अत्यधिक शुगर युक्त चीजों के सेवन से आपकी इनफलेमेशन की समस्या बढ़ सकती है।

फैट डेयरी प्रॉडक्ट्स

चीज़, बटर, क्रीम चीज़ व मेयोनेज आदि सैचुरेटिड फैट हाई होता है। यह इनफलेमेशन को ट्रिगर कर सकता है। इसलिए इस तरह के हाई फैट डेयरी प्रॉडक्ट का सेवन करते समय आपको संयम बरतने की आवश्यकता है।

नमक करेगा नुकसान

नमक के बिना भोजन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लेकिन जिन लोगों को गठिया की शिकायत है, उनके लिए अत्यधिक नमक परेशानी खड़ी कर सकता है।

अपनी त्वचा के साथ भूलकर भी न करें ऐसी लापरवाही

चेहरा को धोने से मेकअप के साथ-साथ चेहरे पर जमी दिनभर की गंदगी और धूल-मिट्टी भी साफ हो जाती है। दरअसल, मेकअप के कारण आपके पोर्स बंद हो जाते हैं और वो गंदगी से भर जाता है। इतना ही नहीं मेकअप सारी गंदगी को चुंबक की तरह काम करते हुए इकट्ठा करती है। जिस तरह से आप अपनी त्वचा का ख्याल रखने के लिए सुबह उठते ही अपने चेहरे को पानी या साबुन से धोते हैं, ठीक उसी तरह अपने चेहरे को रात के समय भी जरूर धोए। क्योंकि अगर आप ऑफिस या कहीं बाहर से आने पर अपने चेहरे को पानी से वॉश न करके अगले दिन के लिए टाल देते हैं और अन्य कामों में व्यस्त हो जाते हैं, तो आपकी ये ही लापरवाही आपके चेहरे पर ढेरों मुंहासे, झाइयां और ब्लैकहेड्स को बुलावा दे सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप रोजाना रात के समय भी पानी से अपने चेहरे को वॉश करें।

पिंपल्स से होगा बचाव

आप अपने चेहरे को दिनभर में कई बार छूते रहते हैं और ये आपकी आदत बन जाती है इसलिए कभी इस पर आप गौर भी नहीं करते होंगे, लेकिन इससे आपके चेहरा पर कई तरह से गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में आपके चेहरे पर बैक्टीरिया अपना घर बन लेते हैं और मुंहासे होने का खतरा बढ़ता है।

मेकअप हटाए

चेहरा को धोने से मेकअप के साथ-साथ चेहरे पर जमी दिनभर की गंदगी और धूल-मिट्टी भी साफ हो जाती है। दरअसल, मेकअप के कारण आपके पोर्स बंद हो जाते हैं और वो गंदगी से भर जाता है। इतना ही नहीं मेकअप सारी गंदगी को चुंबक की तरह काम करते हुए इकट्ठा करती है।

टलता है आंखों का खतरा

जो लड़कियां अपनी आंखों में काजल, मस्कारा या आईलाइनर लगाने की शौकीन होती हैं, उन्होंने तो खासतौर पर अपनी आंखों को धोना चाहिए। ऐसा न करने पर आंखों में जलन होने की समस्या के अलावा अन्य तरह के इंफेक्शन भी हो सकते हैं।

मौसम में बदलाव... सर्दी-जुकाम और बुखार से बचने के लिए रखें ध्यान

मौसम में बदलाव के कारण हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है जिससे इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सर्दी-जुकाम, खांसी, गले में खराश और बुखार जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। बदलते मौसम में बीमार होने से बचने के लिए हमें अपने खान-पान और रहन-सहन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है।

पर्याप्त कपड़े पहनें

बदलते मौसम में दिन में हल्की गर्मी रहती है लेकिन शाम होते ही मौसम ठंडा हो जाता है। ऐसे में हम मौसम के बदलाव पर ज्यादा ध्यान नहीं देते और पर्याप्त कपड़े नहीं पहनते जिसकी वजह से हम अक्सर सर्दी-खांसी और बुखार की चपेट में आ जाते हैं।

सर्दी और खांसी है तो...

अगर आप बदलते मौसम में सर्दी-खांसी और जुकाम की समस्या से परेशान हैं भाप लेना बेहद सरल और कारगर घरेलु नुस्खा है। भाप लेने से आपको सीने में जकड़न की समस्या में तुरंत आराम मिलेगा और बंद नाक भी खुलेगी। आप चाहें तो सादे पानी को उबाल कर भाप ले सकते हैं या फिर पानी में पुदीने और तुलसी की पत्तियां उबालकर भी भाप ले सकते हैं।

खान-पान पर रखें ख्याल

बदलते मौसम में बीमार होने से बचने के लिए पौष्टिक आहार लें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ।अपनी डाइट में मौसमी फलों और सब्जियों को शामिल करें। विटामिन सी युक्त फल जैसे संतरा, नींबू, पपीता आदि खाएँ, ये सभी फल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ातें हैं।

इन दिनों मौसम तेजी से करवट ले रहा है। भले ही आप दिन में पँखे या एसी के नीचे रहते हों और आपको गर्मी लगती हो लेकिन शाम होते ही ठंड बढ़ने लगी है। ऐसे में आपको अपनी सेहत के प्रति ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है क्योंकि बदलते मौसम में जरा सी लापरवाही से आप बीमार पड़ सकते हैं। मौसम में बदलाव के कारण हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है जिससे इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सर्दी-जुकाम, खांसी, गले में खराश और बुखार जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। बदलते मौसम में बीमार होने से बचने के लिए हमें अपने खान-पान और रहन-सहन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप बदलते मौसम में बीमार होने से बच सकते हैं-

ठंडे पदार्थों से करें परहेज : बदलते मौसम में ठंडे पदार्थों का सेवन सर्दी-जुखाम और वायरल बुखार का कारण बन सकता है। ठंडे पदार्थ जैसे फ्रिज का ठंडा पानी, आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक का सेवन ना करें, इससे गाला खराब हो सकता है। इसके साथ ही बदलते मौसम में तली-भुनी चीजें और बाजार की खाने वाली वस्तुएं जैसे पिज्जा, बर्गर, चाट आदि नहीं खाने चाहिए। आयुर्वेद में हल्दी को औषधीय गुणों का खजाना माना गया है। वहीं, दूध में भी प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन जैसे कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं। दूध में हल्दी मिलाकर पीने से स्वास्थ्य को बहुत लाभ होता है। दरअसल, हल्दी में एंटीबायोटिक गुण मौजूद होते हैं जिससे इंफेक्शन से बचाव होता है।

बालों के लिए जरूरी है सही हेयर ब्रश

आज के समय में अधिकतर लोग बालों के झड़ने की समस्या से परेशान हैं। अमूमन लोग इसके लिए गलत खानपान और बालों की देखरेख की कमी को जिम्मेदार मानते हैं। लेकिन शायद आपको जानकर हैरानी हो कि आपके द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला गलत ब्रश भी बालों के टूटने का एक मुख्य कारण है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप हमेशा अपने बालों के अनुसार ही ब्रश का चयन करें।

चौड़े दांत वाली कंघी : जब आपको बाल सुलझाने हों तो उसके लिए चौड़े दांत वाली कंघी का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। इससे बालों के टूटने का डर कम रहता है। इतना ही नहीं, जिन लड़कियों के बालों अक्सर फ्रिजी यानी उलझे रहते हैं, उन्हें भी चौड़े दांत वाली कंघी का इस्तेमाल करना चाहिए।

कर्ली हेयर: कर्ली हेयर देखने में भले ही अच्छे लगते हों लेकिन इन्हें मैनेज करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे बालों को सुलझाना वास्तव में एक मुश्किल टास्क है। नार्मल हेयरब्रश से कर्ली हेयर को कॉम्ब करने से वे ज्यादा टूटते हैं। ऐसे बालों के लिए नायलॉन ब्रिसल्स वाले थोड़े चौड़े ओवल शेप वाले कुशन हेयरब्रश बेस्ट माने जाते हैं।

स्ट्रेट हेयर: स्ट्रेट हेयर आसानी से मैनेज हो जाते हैं। इसलिए इस तरह के बालों की महिलाओं को हेयर ब्रश का चुनाव करते समय ज्यादा परेशानी नहीं होती। आप किसी भी तरह के हेयर ब्रश का प्रयोग कर सकती हैं। लेकिन अगर आप अपने स्ट्रेट हेयर के लुक को और भी ज्यादा स्लीक लुक देना चाहती हैं तो आप नायलॉन ब्रिसल्स वाला चौड़े ब्रश चुनें। बालों को संवारने में यह ब्रश काफी अच्छे हैं।

पतले बाल: पतले बालों वाली महिलाओं को अपना हेयर ब्रश चुनते समय थोी सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप गलत ब्रश का चुनाव करती हैं तो हेयरफॉल के कारण आपको काफी परेशानी हो सकती है। ऐसी महिलाएं अपने बालों को वाल्यूम देने के लिए रबर बेस व प्लास्टिक ब्रिसल्स वाला कर्वी हेयरब्रश चुन सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप राउंड हेयरब्रश का प्रयोग भी आसानी से कर सकती हैं।

चॉकलेट की मदद से बनाएं बेहतरीन फेस मास्क...

निखर उठेगी त्वचा

चॉकलेट का नाम सुनते ही हर किसी के मुंह में पानी आ जाता है। बच्चा हो या बड़ाए यह हर किसी को पसंद आती है। पर यह सिर्फआपको बेहतरीन स्वाद ही नहीं देती, बल्कि इसकी मदद से आप अपनी स्किन में भी एक नई जान फूंक सकते हैं। जी हां, चॉकलेट आपकी स्किन को कई तरह के लाभ प्रदान करती है। आप इसे बतौर फेस मास्क अपने चेहरे पर लगा सकते हैं और एक दमकती हुई त्वचा पा सकते हैं।

अगर है ऑयली स्किन

अगर आपकी स्किन ऑयली होती है, तो आप कोको पाउडर की मदद से यह पैक तैयार कर सकती हैं। इस पैक को बनाने के लिए करीबन एक टेबलस्पून कोको पाउडर में एक चुटकी दालचीनी व शहद मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पैक को चेहरे पर लगाएं और करीबन आधा घंटे बाद चेहरे को अच्छे से वॉश कर लें।

चॉकलेट विद फ्रूट

समर सीजन में इससे बेहतर दूसरा और कोई पैक नहीं हो सकता। इसे बनाने के लिए आप एक केला, एक कप स्टाबेरी व एक कप तरबूज को अच्छे से ब्लेंड कर लें। अब इसमें आप चॉकलेट को मेल्ट करके मिक्स करें। अब इस मास्क को चेहरे पर लगाकर करीबन 20 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। अंत में हल्के गुनगुने पानी की मदद से चेहरा वॉश करें। यह मास्क आपकी स्किन को हाइड्रेट व मॉइश्चर करने के साथ-साथ हेल्दी भी बनाता है। साथ ही इसकी वजह से आपको सूदिंग इफेक्ट मिलता है, इसलिए इस पैक को गर्मी के मौसम के लिए बेहतरीन माना जाता है।

डल स्किन में डाले जान

स्किन एकदम बेजान व डल है तो भी आप चॉकलेट की मदद से उसमें एक नई जान फूंक सकते हैं। अपनी स्किन को निखारने के लिए आप चार टेबलस्पून कोको पाउडर में चार टेबलस्पून कॉफी पाउडर, आठ टेबलस्पून बादाम मिल्क या कोकोनट मिल्क मिलाएं। अब आप इस पैक को चेहरे पर लगाएं। करीबन आधे घंटे बाद चेहरा वॉश कर लें। आप यह पैक सप्ताह में एक बार लगाएं। आपको फर्क नजर आने लगेगा।

बनाएं पील ऑफ मास्क

आप चॉकलेट की मदद से पील ऑफ मास्क भी बना सकते हैं। यह स्किन पर गजब का निखार लेकर आता है। आप इसे बनाने के लिए एक तिहाई कप कोको पाउडर में एक चौथाई कप शहद व दो टेबलस्पून ब्राउन शुगर मिलाएं। अब इस मास्क को चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। जब यह पैक सूख जाए तो आप उसे पील करते हुए निकालें। यह मास्क आपकी स्किन के सभी डेड स्किन सेल्स को बाहर निकालता है। साथ ही शहद आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करने का काम करती है।

आपके बाल गिरते हैं तो लहसुन का प्रयोग करें

लहसुन का इस्तेमाल यूं तो लोग अपने भोजन में करते हैं। लेकिन लहसुन सिर्फ भोजन का स्वाद बोने और आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का ही काम नहीं करता, बल्कि इसके कारण आपके बालों को भी कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं।

बालों को बनाएं हेल्दी

आज के समय में खुद को स्टाइलिश दिखाने के लिए बालों में कई तरह के केमिकल्स का इस्तेमाल करते हैं। इसके अतिरिक्त धूप में सारे दिन घूमने के कारण आपके बाल काफी कमजोर हो जाते हैं। लेकिन लहसुन का इस्तेमाल करने से बालों की स्कैल्प का रूखापन खत्म हो जाता है। इतना ही नहीं, यह आपकी स्कैल्प को हेल्दी बनाने का काम करता है और जब आपकी स्कैल्प हेल्दी होगी तो यकीनन आपके बालों की जें मजबूत होंगी।

रोके हेयरफॉल

बालों में लहसुन के इस्तेमाल का एक सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि यह हेयरफॉल की समस्या को खत्म करने में मददगार है। यह बालों को मजबूती प्रदान करता है, इसलिए बालों के टूटने की समस्या काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं इसमें एंटी-बायोटिक तत्व पाए जाते हैं जो बालों में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। लहसुन बालों के दोमुंहेपन, पतले बालों की समस्या को दूर करने में काफी सहायक है।

रक्त परिसंचरण बेहतर

लहसुन आपकी स्कैल्प में रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाते हैं। साथ ही यह बालों के रोम से विषाक्त पदार्थों को दूर करके उन्हें पोषित करते हैं। और जब आपके सिर में

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है तो आपके बालों की सारी समस्याएं बेहद आसानी से दूर हो जाती हैं। इसलिए आप बालों में लहसुन का प्रयोग अवश्य करें।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब यह तो आपने जान लिया कि लहसुन बालों के लिए लाभदायक है। लेकिन अब आप यह सोच रहे होंगे कि इसका इस्तेमाल कैसे करें। तो चलिए हम आपको इसे इस्तेमाल करने का भी तरीका बता रहे हैं। इसके लिए आप सबसे पहले आठ-दस लहसुन की कलियों को छीलकर व उसे पीसकर उसका रस निकाल लें। अब एक बाउल में लहसुन का रस और एक चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह तरह मिक्स करें और उसे फ्रिज में रखें और ठंडा होने दें। तब तक आप एक बर्तन में पानी गर्म करें और इसमें कैमोमाइल चाय के दो बैग या फिर कुछ चायपत्ती डालकर उबालें। अब गैस को बंद करें और इस चाय को एक कप में निकालें। इसके पश्चात् आप फ्रिज में रखा हुआ मिश्रण बाहर निकालें और इसमें एक एग यॉक और एक चम्मच एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। जब आप सारे मिश्रण अच्छी तरह मिक्स कर लें तो इस मिश्रण को अपने बालों पर अप्लाई करें और हल्के हाथों से मसाज करें। अब एक टॉबल या शॉवर कैप की मदद से करीबन आधा घंटे के लिए बालों को कवर करें।

एलोवेरा में कई औषधीय गुण के साथ कई गजब के फायदे...

एलोवेरा में कई औषधीय गुण होते हैं, जो हमारी खूबसूरती को बढ़ाने के साथ-साथ हमारी सेहत का भी खासा ख्याल रखते हैं। ये एक ऐसा पौधा है जिसका इस्तेमाल प्राचीन काल से चलता आ रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि एलोवेरा के औषधीय गुणों के कारण अगर कोई इसका इस्तेमाल नियमित तौर पर रोजाना करता है तो वो सेहतमंद बना रह सकता है। इसमें कुछ ऐसे विटामिन्स, एसिड और खनिज प्रदार्थ होते हैं जो हमें कई तरह की बीमारियों से दूर रखने में मदद करता है।

वहीं, आज हम आपको एलोवेरा के कुछ ऐसे फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें जानकर आप खुद को सेहतमंद बनाएं रख सकते हैं। इसके अलावा अपनी खूबसूरती को भी बरकार रख सकते हैं। इसके अलावा एलोवेरा के रस से कई तरह की समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है।

डायबिटीज के लिए लाभदायकः एलोवेरा का इस्तेमाल डायबिटीज यानी मधुमेह के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। बीमारी से जुड़ी रिसर्च में सामने आया कि इसका सेवन करना डायबिटीज के मरीजों के एक औषधी का काम करता है। इसके रस का सेवन करने से ब्लड शुगर के स्तर को कम कर सकते हैं और ये डायबिटीज की समस्या को भी कम करने में मददगार साबित होता है।

पाचन क्रिया के लिए फायदेमंदः अगर आप पेट संबंधित किसी भी तरह की बीमारी से परेशान हैं तो इससे छुटकारा दिलवाने में एलोवेरा काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके रोजाना 20 ग्राम एलोवेरा पाउडर और शहद को पानी मिलाकर सेवन करना होगा। इस तरह से रोजाना करने पर आपको कभी भी पेट से जुड़ी समस्या परेशान नहीं करेगी।

वजन कम करने लिए सहायकः हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें व्यक्ति के वजन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन एलोवेरा में कुछ ऐसे जरुरी तत्व मौजूद होते हैं जो बढ़ते वजन को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट गर्म पानी में एलोवेरा पाउडर को मिलाकर सेवन करेंगे तो आपका वजन काफी तेजी से कम होने लगता है।

त्वचा रोग के लिए लाभदायकः एलोवेरा की मदद से त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं में आराम पाया जा सकता है। एलोवेरा के इस्तेमाल के कई लाभ होते हैं। झुरिया, मुंहासे, दाग-धब्बे और निशान जैसी समस्या को एलोवेरा के इस्तेमाल से सही किया जा सकता है। अगर आप अपने चेहरे पर एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करेंगे तो आप इन सभी रोगों से जल्दी ही छुटकारा मिल सकता है। साथ ही चमकदार चेहरा और ताजगी भी महसूस करेंगे।

संक्रमण के कारण हो सकती है गले में खराश, ये रहे लक्षण और उपचार

सर्दी के मौसम में या मानसून में अक्सर लोगों के गले में खराश या दर्द हो जाता है। गले में होने वाली कई तरह की समस्या इंफेक्शन या संक्रमण के कारण होती हैं। गले का इंफेक्शन होने पर मुख्य तौर पर दर्द, खराश, ठंडा लगना या बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं। वहीं गले में इंफेक्शन एक आम समस्या है, जो बैक्टीरियल इन्फेक्शन, वायरल इन्फेक्शन और एलर्जी के कारण हो सकता है। कई बार मौसम में बदलाव होने या फ्लू के कारण भी गले में संक्रमण हो जाता है। गले में इंफेक्शन होने पर अक्सर लोग उन्हीं लक्षणों पर ध्यान देते हैं, जो गले से जुड़े होते हैं। हालांकि कई लक्षण शरीर के अन्य अंगों पर भी दिखाई देते हैं। बदलते मौसम के कारण अगर आपको गले में खराश, खांसी या दर्द रहता है तो हो सकता है कि आपको गले का इंफेक्शन हो गया हो। चलिए जानते हैं गले में खराश या गले में संक्रमण के लक्षण, बचाव का तरीका और उपचार क्या है।

गले में संक्रमण के लक्षण

- गले में खराश और दर्द
- खाने की चीजों को निगलने में कठिनाई
- टॉन्सिल में सूजन और दर्द
- टॉन्सिल में सफेद परत जमना
- गले का लाल होना
- आवाज में बदलाव और कर्कश हो जाना
- गला सूखना
- जुबान पर लाल दाने आना
- बुखार और खांसी आना
- सिरदर्द होना

गले में संक्रमण के कारण

- सर्दी और वायरल संक्रमण के कारण गले में इंफेक्शन हो सकता है। इसमें गले में खराश, दर्द, सूजन और बुखार की समस्या हो सकती है।
- बैक्टीरियल संक्रमण के कारण भी गले में इंफेक्शन हो सकता है। इस कारण स्ट्रेप थ्रोट की समस्या हो सकती है और गले व टॉन्सिल में संक्रमण हो सकता है।
- एलर्जी की वजह से भी गले में इंफेक्शन हो सकता है। प्रदूषण, पालतू जानवरों, इम्यून सिस्टम कमजोर होने या अन्य कारणों से एलर्जी हो सकती है।
- गले पर चोट लगने के कारण व्यक्ति के वोकल कॉर्ड्स और मांसपेशियों में खिंचाव आ सकता है, इस कारण गले में खराश की शिकायत होती है। लंबे समय तक गले में खराश होने से इंफेक्शन हो सकता है।

गले में इंफेक्शन से बचाव

- गले में खराश होने या अन्य लक्षण नजर आएं तो लोगों से शारीरिक दूरी बनाएं रखें।
- साफ सफाई का ख्याल रखें। खाना खाने से पहले और बाद में हाथों को अच्छी तरह से धोएं।
- खांसते या छींकते समय मुँह पर रूमाल रखें।

- सिगरेट शराब का सेवन न करें। धूम्रपान गले में इंफेक्शन को और बढ़ा सकता है।
- जहां भी वायु प्रदूषण या गंदगी होती है, वहां थ्रोट इंफेक्शन का खतरा रहता है।

गले में संक्रमण का इलाज

गले में संक्रमण होने पर डॉक्टर आपको एंटीबायोटिक दवाएं दे सकते हैं। डॉक्टर से सलाह के बाद ही किसी दवा का सेवन करें। गंभीर स्थिति में गले के संक्रमण के इलाज के लिए एक सर्जिकल प्रक्रिया भी है, जिसमें टॉन्सिल को निकाल दिया जाता है। गले में इंफेक्शन में कई घरेलू उपचार लाभकारी हो सकते हैं। इसमें मरीज नमक, लहसुन, सेब का सिरका, शहद, दूध और हल्दी, अदरक, भाप और मुलेठी आदि का उपयोग करता है।

जोखिम बच्चों को अधिक

गले में संक्रमण का कारण बैक्टीरिया या वायरस हो सकता है। वैसे तो किसी भी आयु वर्ग को गले में इंफेक्शन की शिकायत हो सकती है, लेकिन सबसे अधिक छोटे बच्चों में यह समस्या देखी जाती है। जिन बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती हैं, उन्हें आसानी से गले में संक्रमण हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल है तो भूल से भी न खाएं ये चीज़ें, बिगड़ सकती है हालत...

स्नैक के रूप में चीज़ बर्गर बहुत से लोगों को पसंद होता है, लेकिन स्वाद से पहले सेहत की परवाह करिए और जान लीजिए की लजीज़ चीज़ बर्गर आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल को और बढ़ा देगा। एक बड़े चीज़ बर्गर में 175 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। साथ में अगर आप कोल ड्रिंक्स, चिप्स और फ्रेंच फ्राइज खाते हैं तो यह और बढ़ सकता है। स्वस्थ रहने के लिए शरीर को थोड़ी मात्रा में कोलेस्ट्रॉल की जरुरत होती है, लेकिन जब इसका स्तर बढ़ जाता है तो यह दिल बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है, लेकिन जान-अनजाने आप बहुत सी ऐसी चीजें खाते हैं जो कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ा देती है। यदि आपको कोलेस्ट्रॉल पहले से ही बढ़ा है तो स्थिति को बिगड़ने से बचाने के लिए इन खाद्य पदार्थों से परहेज करें।

बटर : ब्रेड, टोस्ट और परांठे के साथ यदि आपको बटर खाने की आदत है तो इसे बंद कर दीजिए, क्योंकि यह सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। अधिकांश लोगों को बटर बहुत पसंद होता है खासतौर पर वह नाश्ते में किसी न किसी रूप में बटर जरूर खाते हैं, लेकिन आपको शायद पता नहीं है कि बटर में हाई कोलेस्ट्रॉल होता है। एक अनुमान के अनुसार, एक पैक मक्खन में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है।

पनीरः वेजीटेरियन लोगों की पहली पसंद होता है पनीर। पनीर से ढेर सारे व्यंजन बनाए जाते हैं और यह प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है, लेकिन ज़्यादा पानीर खाने से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ जाता है। 100 ग्राम पनीर में 123 मि.ग्रा कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है।

अंडे का पीला हिस्साः यदि आप उबला अंडा खाते हैं तो उसके पीले भाग को न खाएं। आपने देखा होगा कि अक्सर कसरत करने वाले लोग जो एक दिन में कई अंडे खाते हैं वह सिर्फ इसका सफेद हिस्सा ही खाते हैं और पीला भाग फेंक देते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें किसी भी अन्य खाद्य पदार्थ से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल होता है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना होगा बेहद आसान...

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को हृदय रोगों के प्रमुख कारक के रूप में जाना जाता है। कोलेस्ट्रॉल वैसे तो शरीर के लिए आवश्यक होता है, यह स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण में विशेष भूमिका निभाता है, हालांकि इसकी अधिकता कई प्रकार की समस्याओं का कारण भी बन सकती है। कोलेस्ट्रॉल, दो प्रकार का होता है- गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। रक्त में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना, हृदय की गंभीर समस्याओं और कुछ स्थितियों में हार्ट अटैक के खतरे को भी बढ़ा सकता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने के लिए सभी लोगों को स्वस्थ आहार और दिनचर्या को ठीक रखने की सलाह दी जाती है। पर क्या लाख कोशिशों के बाद भी आप कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं? बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने के लिए विशेषज्ञों ने एक खास तरीके के बारे में लोगों के बताया है। इसके लिए आपको किसी दवा के सेवन की भी जरूरत नहीं होगी। साल भर में बस आपको दो इंजेक्शन लेना होगा जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने में काफी मददगार हो सकेगी। अध्ययन के परिणाम को न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है। हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या के शिकार लोगों के लिए इसे काफी बेहतरीन उपाय के तौर पर देखा जा रहा है। इंपीरियल कॉलेज लंदन में प्रोफेसर डॉ कौसिक रे कहते हैं, शोध में पाया गया है कि यह दवा, इंजेक्शन के रूप में लेने से एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को आधा या उससे अधिक कम करने में सहायक है। इसका प्रभाव चार से छह महीने तक रहता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि हृदय रोगों के बढ़ते खतरे को कम करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

बालों और चेहरे के लिए वरदान है एलोवेरा जानिए इसके फायदे

एलोवेरा में विटामिन ए, सी और ई भरपूर मात्रा में होता है। ये सभी हेल्दी सेल ग्रोथ को प्रोमोट करते हैं और बालों को चमकदार बनाते हैं। इसमें मौजूद विटामिन बी 12 और फॉलिक एसिड बालों को गिरना से रोकता है। एलोवेरा आपके बालों और त्वचा की खूबसूरती निखारने का सस्ता और बेहतरीन तरीका है। स्किन को नेचुरली मॉइश्चराइज करने के साथ ही यह बालों को सिल्की और शाइनी बनाता है।

त्वचा के लिए

▪ एलोवीरा लगाने से त्वचा में निखार आता है। ताजे एलोवेरा जेल को चेहरे पर लगाने से चेहरे से धूल-मिट्टी, डेड स्किन और गंदगी को साफ होती है और स्किन ग्लो करती है।

▪ इसमें एंटी एजिंग गुण और एंटीआक्सीडेंट भी होता है जो चेहरे से झुर्रियों को हटाने में मदद करता है। एलोवेरा जेल रोज़ाना लगाने से आपकी त्वचा जवान और खूबसूरत बनी रहेगी।

▪ सनबर्न होने पर एलोवेरी जेल लगाना बहुत फायदेमंद होता है। ▪ चेहरे को पिंपल दाग-धब्बों से बचाना चाहते हैं तो रोज़ाना एलोवेरा लगाएं।

▪ एलोवेरा जेल मेकअप रिमूवर का भी काम करता है। मेकअप हटाने के लिए एलोवेरा जेल का इस्तेमाल बहुत अच्छा होता है। इससे स्किन को किसी तरह का कोई नुकसान भी नहीं होता। ▪ स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी एलोवेरा जेल मदद करता है। इसके लिए एलोवेरा जेल में गुलाब जल मिलाकर लगाएं।

▪ फटी एड़ियों पर एलोवेरा जेल लगाने से वह मुलायम और खूबसूरत बनती है। बालों के लिए बालों में यदि खुजली होती है तो एलोवेरा लगाने से समस्या से राहत मिलती है, साथ ही डैंड्रफ का भी सफाया होता है।

▪ एलोवेरा में विटामिन ए, सी और ई भरपूर मात्रा में होता है। ये सभी हेल्दी सेल ग्रोथ को प्रोमोट करते हैं और बालों को चमकदार बनाते हैं। इसमें मौजूद विटामिन बी 12 और फॉलिक एसिड बालों को गिरना से रोकता है।

▪ एलोवेरा ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है। बालों या स्कैल्प पर लगाने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता और बालों की ग्रोथ अच्छी होती है।

▪ एलोवेरा लगाने से ऑयली स्कैल्प की समस्या से छुटकारा मिलता है, क्योंकि इसमें ऐसे गुण होते हैं जो बालों से मौजूद तेल की अतिरिक्त मात्रा को नियंत्रित करता है। ▪ बाल यदि बहुत ज्यादा झड़ते हैं, तो एलोवेरा लगाएं। इससे जल्द ही नए बाल उगने लगेंगे।

गजानन के स्वरूप से सीखें सुखी व समृद्ध जीवन जीने का रास्ता

गणेश उत्सव का पर्व शुरू हो गया है। गणेशोत्सव का त्योहार 09 सितंबर तक चलेगा, जहां पर अनंत चतुर्दशी तिथि पर बप्पा का विसर्जन करते हुए अगले बरस दोबारा से आने का आग्रह भगवान गणपति से करते हुए उनके भक्त उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार भादों माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र भगवान गणेश का जन्म हुआ था। ऐसे में इस तिथि को गणेश जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जाता है।

मान्यता है कि भगवान गणपति की घर में स्थापना और पूजा करने से शुभ व सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है और अशुभ व विघ्न दूर होते हैं। भगवान गणेश शुभता, सिद्धि, लाभ, विघ्नहर्ता, वैभव और संपन्नता का प्रतीक माने जाते हैं। भगवान गणेश का स्वरूप बहुत ही आकर्षक और सिद्धि दिलाने वाले होता है। गणपति के स्वरूप में परिवार,सफलता, खुशी, शांति और जीवन के सुख-समृद्धि से भरे कई अहम सूत्र छिपे हुए होते हैं।

स्वरूप बड़ा ही आकर्षकः सभी देवी-देवताओं में प्रथम पूज्य माने जाने वाले गणेश जी की उपासना सबसे पहले की जाती है। जब भी हम कोई पूजा,अनुष्ठान या शुभ कार्य का शुभारंभ करते हैं तो सर्वप्रथम गौरी नंदन गणेशजी की उपासना जरूर करते हैं। भगवान गणेश विघ्नहर्ता और सिद्धिदाता हैं। सभी भक्तों के मन में सिर्फ एक ही इच्छा होती है कि हे विघ्नहर्ता हमारे भी बिगड़े काम बनाओ। मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य,आकर्षक, दिव्य स्वरूप और शारीरिक संरचना में भी जीवन के विशेष व गहरे अर्थ निहित है। शिवमानस पूजा में श्री गणेश को प्रणव यानी ॐ कहा गया है । इस एकाक्षर ब्रह्म में ऊपर वाला भाग गणेश का मस्तक,नीचे का भाग उदर ,चंद्रबिंदु लड्डू और मात्रा सूंड है इनकी चार भुजाएं चारों दिशाओं में सर्वव्यापता की प्रतीक हैं । उनकी छोटी पैनी आँखें सूक्ष्म तीक्ष्ण दृष्टि की सूचक हैं।

बड़ी नाक अर्थात सुंडः सभी देवी-देवताओं में गणेशजी को बहुत अधिक कुशाग्र बुद्धि वाला माना गया है। गजाननजी की लम्बी सूंड महाबुद्धित्व का प्रतीक है लम्बी सूंड तीव्र सूंघने की क्षमता होती है। जिसका अर्थ है कि जो समझदार व्यक्ति है वह अपने आसपास के माहौल को पहले से ही सूंघ सकता है। गणेश जी की सूंड हमेशा हिलती-डुलती रहती है,जिसका तात्पर्य है कि मनुष्य को हमेशा सचेत रहना चाहिए।

बड़ा पेटः भगवान गणेश के स्वरूप में उनका बड़ा पेट है। बड़ा उदर खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक होता है। गणेश जी का बड़ा उदर सुखपूर्वक जिंदगी जीने के लिए अच्छी और बुरी सभी बातों को पचाने का संकेत देता है। इससे ये भी सन्देश मिलता है कि मनुष्य अपने जीवन में चाहे धन अर्जित करें, मान-सम्मान कमाएं, मन में अहंकार का भाव आए उसे अपने अंदर रखकर किसी भी बात का निर्णय बड़ी सूझबूझ के साथ लेना चाहिए। इससे व्यक्ति जीवन में सफलता और समृद्धि को प्राप्त कर सकते हैं।

बप्पा का मिलेगा खूब आशीष

कौन सी 7 राशियों के होंगे अच्छे दिन शुरू

21 अगस्त 2022 से बुध ग्रह कन्या राशि में गोचर कर रहा है जो 10 सितंबर तक रहेगा। 31 अगस्त से शुक्र ग्रह कर्क से निकलकर सिंह राशि में गोचर करने लगेगा। बुध और शुक्र के इस राशि परिवर्तन से 7 राशियों को इससे लाभ होगा, चूंकि बुध ग्रह और बुधवार का संबंध गणेशजी से हैं तो इस दौरान इन राशियों पर गणेशजी की विशेष कृपा रहेगी।

7 राशियों के लिए शुभ समय

1. वृषभ : शुक्र का चौथे भाव में और बुध का पांचवें भाव में गोचर आपके लिए विलासिता की वस्तुओं में वृद्धि कर रहा है। परिवार में सुख और शांति के साथ ही प्रसन्नता का माहौल बना रहेगा। आपकी सेहत से जुड़ी समस्या में भी सुधार होगा। कुल मिलाकर आपके लिए यह गोचर शुभ रहेगा।

2. मिथुन : शुक्र तीसरे और बुध चौथे भाव में गोचर कर रहा है। इस दौरान पारिवारिक सुख और समृद्धि प्राप्त होगी। भूमि, भवन या वाहन खरीदने के योग बनेंगे। नौकरी या व्यापार में अच्छा समय रहेगा।

3. कन्या : आपकी राशि के लग्न भाव में बुध का गोचर आपको चतुर और वाकपटु बना देगा। आपको साझेदारी के व्यापार में लाभ होगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी के क्षेत्र में भी आप तरक्की करेंगे। सेहत में सुधार होगा। हालांकि 12वें भाव में शुक्र का गोचर लंबी यात्रा करा सकता है। इसके लिए गणेशजी की पूजा करते रहें।

4. तुला : शुक्र का ग्यारहवें भाव में गोचर होगा। आपकी राशि के स्वामी ग्रह शुक्र हैं। ऐसे में आप पर इसका शुभ प्राभव होगा। आपकी मनोकामना पूर्ण होगी। अटके कार्य पूर्ण होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा। हालांकि बुध का 12वें भाव में गोचर लंबी यात्रा करा सकता है या अनावश्यक खर्चों को बढ़ा सकता है। इसके लिए गणेशजी की पूजा करते रहें।

5. वृश्चिक : आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में बुध का गोचर आर्थिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। करियर और व्यवसाय में मेहनत का फल मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति या वेतनवृद्धि होगी। शुक्र का गोचर दसवें भाव में होगा। इस दौरान आप नौकरी तरक्की करेंगे। आयात-निर्यात से जुड़ा व्यापार में लाभ होगा। दांपत्य जीवन में सुख रहेगा। भूमि, भवन या वाहन खरीदने के योग बनेंगे।

6. धनु : आपकी राशि के दसवें भाव में बुध का गोचर नौकरी या व्यापार के लिए लाभकारी है। घर का माहौल सुखद रहेगा। जीवन में नए अवसार प्राप्त होंगे। करियर में सकारात्मक बदलाव होंगे। शुक्र का नौवें भाव में गोचर आपके लिए शुभ है। धन और भाग्य में बढ़ोतरी कर सकता है।

7. मकर : आपकी राशि के नौवें भाव में बुध का गोचर शुभ रहेगा। शिक्षा, करियर, नौकरी या व्यापार में भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। समय का सदुपयोग करने से कामयाब होंगे। धर्म के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा। हालांकि आठवें भाव में शुक्र का गोचर अचानक से लाभ या हानि दे सकता हैं। इसके लिए गणेशजी की पूजा करते रहें।

रश्मिका मंदाना के संग स्क्रीन स्पेस साझा करते दिखेंगे कपिल

जहां साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की मुस्कुराहट के लोग कायल हैं तो वहीं कपिल शर्मा की कॉमेडी के भी फैंस दीवाने हैं। अगर ये दोनों पर्दे पर साथ हों तो फिर महफिल जमेगी ही। फिलहाल ये जानने के बाद फैंस काफी खुश होंगे कि कपिल शर्मा और रश्मिका मंदाना एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने को तैयार हैं। जी हां ये दोनों एक ही फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। जिसकी जानकारी दोनों कलाकारों ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दी है। फिल्म के ट्रेलर की डेट भी अनाउंस कर दी गई है। कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा व एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना 'मेगा ब्लॉकबस्टर' टाइटल की फिल्म में साथ नजर आएंगे। दोनों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से ये जानकारी साझा की है। इसके साथ ही यह भी बताया है कि 4 सितंबर को उनकी 'मेगा ब्लॉकबस्टर' का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया जाएगा। फिलहाल फैंस इस बात को जानने के बाद काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाले कपिल शर्मा और साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं लेकिन फिल्म 'मेगा ब्लॉकबस्टर' में दोनों क्या किरदार अदा रहे हैं, फिलहाल इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

तारा सुतारिया

मिस्ट्री बॉय संग आईं नजर, लोग बोले- कार्तिक है...

अभिनेत्री तारा सुतारिया अपने काम को लेकर तो सुर्खियों में रहती ही हैं। इसके साथ ही कई बार वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ जाती हैं। आज एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें किसी शख्स के साथ देखा जा सकता है, लेकिन खास बात ये रही कि उनके साथ दिखने वाले शख्स ने हुडी और कैप से अपने चेहरे को पूरी तरह से कवर किया हुआ था। इस वीडियो को देखने के बाद यूजर्स ने अपनी-अपनी तरह से कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। वायरल भयानी पैपराजी पेज से एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें तारा सुतारिया को मिस्ट्री बॉय के साथ निकलते देखा जा सकता है। जहां उनके साथ दिख रहा शख्स कैमरे के सामने अपने चेहरे को छुपाता नजर आया, तो वहीं एक्ट्रेस काफी कूल अंदाज में दिखीं। उन्हें पैपराजी से हाय बोलते भी देखा गया।

अनुष्का शर्मा ने इंग्लैंड में शुरू की 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' को लेकर जबरदस्त मेहनत कर रही हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए लगातार इससे जुड़ी अपडेट साझा करती रहती हैं। उनकी ये फिल्म भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, यानी इस फिल्म में अनुष्का क्रिकेट खेलती नजर आएंगी। अनुष्का शर्मा कुछ समय पहले क्रिकेट की ट्रेनिंग लेने इंग्लैंड गईं थीं और फिलहाल अब एक्ट्रेस ने जानकारी दी है कि उन्होंने वहां पर अपनी फिल्म के अगले शेड्यूल का शूट शुरू कर दिया है। एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से गणेश जी की एक तस्वीर शेयर की है। उन्होंने ये तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- 'श्री गणेश...चकदा एक्सप्रेस का शेड्यूल इंग्लैंड में शुरू'।

दिशा ने बोल्ड लुक से उड़ाए होश व रकुल का सिजलिंग अवतार

मनोरंजन जगत से जुड़ी खबरों में तो ज्यादातर लोगों की दिलचस्पी होती है, वहीं सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी में क्या कुछ चल रहा है, ये जानने के लिए भी फैंस काफी एक्साइटेड रहते हैं। फिल्मी दुनिया से हर रोज नई नई जानकारियां सामने आती रहती हैं, वहीं सेलेब्स भी खुद से जुड़ीं जानकारियां साझा करते रहते हैं। तो चलिए 'फोटोज ऑफ द डे' के माध्यम से जानते हैं कि आज किस सेलिब्रिटी ने क्या अपडेट दिया है। अभिनेत्री दिशा पाटनी अक्सर अपनी सिजलिंग अवतार में अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं। आज भी एक्ट्रेस बेहद बोल्ड अंदाज में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस को ब्लैक कलर की ब्रालेट आउटफिट में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते देखा जा सकता है। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह भी अपनी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। आज एक्ट्रेस ने येलो कलर के आउटफिट में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह कातिलाना अंदाज में नजर आ रही हैं। वन शोल्डर आउटफिट में अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

मेरा करियर खत्म कर देगी एक असफल मूवी- कार्तिक आर्यन

सोशल मीडिया पर इन दिनों बॉलीवुड फिल्मों के बायकॉट का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा के समय से तेज हुए इस चलन की चपेट में अब धीरे-धीरे कई फिल्में आती जा रही है। बीते दिनों कई बड़ी फिल्में इस ट्रेंड की बलि चढ़ चुकी हैं। इसी बीच अब फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने पर अभिनेता कार्तिक आर्यन का बड़ा बयान सामने आया है। इस साल रिलीज हुई एक्टर की फिल्म भूल भुलैया के बाद के शायद ही कोई ऐसी फिल्म हो, जिसे सिनमेघरों में संतोषजनक भीड़ देखने को मिली है। ऐसे में एक्टर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान स्टार किड्स और इनसाइडर्स पर तंज कसा।

एक वेबसाइट से हुई बातचीत में उन्होंने कहा कहा कि 'मैं पैडेड नहीं हूं, जैसे कि बॉलीवुड के इनसाइडर्स हैं।' इतना ही नहीं इस दौरान अपने इस बयान ने उन्होंने स्टार किड्स और नेपो एक्टर्स पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक बाहरी व्यक्ति होने की वजह से ऐसी फिल्म देने में बहुत जोखिम होता है जो बॉक्स ऑफिस पर असफल हो जाती है। अभिनेता ने यह भी कबूल किया कि इंडस्ट्री में उनका सपोर्ट करने वाला कोई नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप हो रही फिल्मों पर बात करते हुए कार्तिक ने कहा कि उन्हें फिल्मों के फ्लॉप होने से ही समस्या है। एक्टर ने बताया कि इस बात का उन पर काफी गहरा असर पड़ता है। कार्तिक ने कहा है कि अपने करियर में वह एक भी फ्लॉप फिल्म अफॉर्ड नहीं कर सकते, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो इससे उनका पूरी करियर खत्म हो जाएगा। कार्तिक ने कहा एक 'आउटसाइडर' होने की वजह से फिल्म फ्लॉप होने के बाद उन्हें आसानी से दोबारा मौका नहीं मिलेगा। लेकिन इनसाइडर्स को इसकी चिंता ही नहीं, उनके पास तो मौकों की भरमार होती है।

अंग्रेजी गाने की धुन पर सेनोरिटा बन थिरकीं मौनी रॉय

बैकलेस ड्रेस में देख उड़े फैंस के होश

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी से धमाल मचाने वाली मौनी रॉय अक्सर लोगों को अपनी सुंदरता से मंत्रमुग्ध कर देती हैं। अपने हुस्न के जलवे बिखेरने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें साझा करती रहती हैं। अभिनेत्री की इन तस्वीरों पर मौनी के फैंस भी खूब प्यार लुटाते हैं। इसी क्रम में आज अभिनेत्री ने अंग्रेजी गाने पर थिरकते हुए अपनी एक वीडियो साझा की है, जो इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं।

अपनी दिलकश अदाओं से सबको दीवाना बनाने वाली मोनी रॉय ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। लेटेस्ट वीडियो में मौनी रॉय बैकलेस थाई-हाई स्लिट बेज कलर की ड्रेस पहने ग्लैमर का तड़का लगा रही है। वीडियो में मौनी एक अंग्रेजी गाने पर थिरकती दिखाई दे रही हैं। इस गाने पर उनकी दिलकश अदाएं सभी का दिल जीत रही हैं। मौनी के फैंस उनकी तारीफ करते थक नहीं रहे हैं।

अपने इस सेक्सी डांस का वीडियो साझा कर मौनी रॉय ने लिखा, 'मुझे बहुत पसंद आता है, जब तुम मुझे सेनोरिटा कहकर बुलाते हो।' इस वीडियो में मौनी के डांस स्टेप्स के साथ ही उनके एक्सप्रेशन्स भी सबका दिल जीत रहे हैं। वीडियो पर मौनी के फैंस दिल खोलकर अभिनेत्री के लिए अपना प्यार दिखा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'आपसे नजर नहीं हट रही है।' दूसरे ने लिखा, 'मौन बेबी यू आर वेरी क्यूट।' इसके साथ ही बहुत से फैंस वीडियो के कमेंट सेक्शन पर फायर और हार्ट इमोजीस भी ड्रॉप कर रहे हैं।

सलमान के शो में नुसरत की होगी धांसू एंट्री?

कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस' के सीजन 16 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नया सीजन कलर्स टीवी पर किस दिन टेलिकास्ट होगा। इससे जुड़ी अब तक कई रिपोर्ट्स सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा, कुछ सेलेब्स के नाम भी सोशल मीडिया की चर्चा पर बने हुए हैं, जिन्हें लेकर दावा किया जा रहा है कि वे तमाम सितारे 'बिग बॉस' के सीजन 16 में नजर आ सकते हैं। इस लिस्ट में अब बंगाली एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां का नाम भी जुड़ गया है। जी हां, एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि सलमान खान के इस रियलिटी शो में नुसरत जहां की एंट्री के काफी ज्यादा चांस है। दावा किया जा रहा है कि नुसरत जहां को 'बिग बॉस' के मेकर्स ने अप्रोच किया है। मेकर्स उन्हें मनाने की भी कोशिश कर रहे हैं और अगर मेकर्स की यह प्लानिंग पूरी हो जाती है तो 'बिग बॉस 16' में नुसरत धमाल मचा देंगी। नुसरत जहां अपने करियर से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। बिजनेसमैन निखिल जैन से शादी करने के बाद उन्होंने अपनी मैरिज को भारत में अवैध बताया था और अब वह यश दासगुप्ता के साथ रिश्ते में हैं।

मा. शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मा. नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री, मध्यप्रदेश

मा. भूपेंद्र सिंह
नगर विकास मंत्री, मध्यप्रदेश

प्रशासक
बृज मोहन आर्य

कौशलेंद्र विक्रम सिंह
कलेक्टर, ग्वालियर

पीयुष श्रीवास्तव
सीएमओ नगर परिषद

पीछोर नगर परिषद
समस्त पिछोर नगर वासियों से
यह अपील करती है...

1. स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखे साथ ही कचड़ा नगर परिषद की कचरा लेने आने बाली गाड़ी में डाले।

2. डेंगू बीमारी डेंगू मच्छरों के काटने से होती है इसलिए डेंगू विमारी से बचने के लिए , आस पास गदंगी ना फैलाये, और ना आस पास गंदे पानी को एकत्रित होने दे। क्योकि मच्छरों पनपने का ऐसे स्थान बहुत उचित होते है ।

3. कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन अवश्य लगवाए जिन्होंने प्रथम डोज लगवा लिया है वो दूसरा डोज अवश्य लगवाये, जिनको प्रथम डोज नही लगा है वो अपने आधार कार्ड को लेकर अस्पताल और वैक्सीनेशन शिविर मैं जाकर रजिस्ट्रेशन कराए और तुरंत वैक्सीन लगवाये। जिससे आप भी सुरक्षित रहे साथ मैं माता पिता और परिवार को सुरक्षित रखे।

4. पिछोर नगर परिषद हमेशा आपकी सेवा मैं तत्यपर्य है आप भी नगर परिषद का सहयोग करे जिससे पीछोर नगर परिषद का विकाश हो सके।

5. पेड़ पौधों को अवश्य लगाएं।

6. करों, नलों के विल का भुगतान अवश्य करें ।

7. कालिंदी उत्सव में आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं ।

टेकनपुर बीएसएफ में दीक्षांत परेड समारोह